दैनिक
नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — छत्तीसगढ़ में इस वक्त रुका हुआ बाहर...
4 अभिव्यक्ति — मिनी मुंबई में तेजी से बढ़ रहे कोरोना...
9 मनोरंजन/खेल — कोरोना खत्म होते ही सबसे पहले ये काम करेंगी...
11 व्यापार — यूनाइटेड, ओरिएंटल का पीएनबी में हुआ...

www.navpradesh.com
रायपुर, गुरुवार 2 अप्रैल 2020, चैत्र शुक्ल पक्ष-नवमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-52 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

कोरोना संकट : जन सेवा में समर्पित राज्य स्तरीय हेल्प-लाइनें
स्वास्थ्य विभाग — कोरोना के लक्षण, आईसोलेशन, टेस्टिंग तथा अन्य जानकारी के संबंध में — 104
पुलिस कंट्रोल रुम — आपातकाल, आगजनी एवं कानून व्यवस्था के बारे में शिकायत / जानकारी हेतु — 112, 100, 101
श्रम विभाग — संकट में फंसे श्रमिकों के सहायता के लिए — 0771-2443809, 9109849992, 7587822800
खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता संरक्षण एवं परिवहन विभाग — आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता हेतु — 0771-2882113
नगरीय प्रशासन विभाग — नगर निगमों में भोजन व्यवस्था, साफ सफाई, होम डिलीवरी, फल सब्जी एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था हेतु जानकारी के लिए — 1100
छत्तीसगढ़ है तैयार कोरोना की होगी हार

नवप्रदेश की ग्राउंड रिपोर्ट : लॉकडाउन को सहयोग नहीं कर रहे नागरिक, जानिए इन तीन प्रकरणों से

- क्वारंटाइन व आइसोलेशन को बनाया प्रतिष्ठा और कथित बदनामी का मुद्दा
- लॉकडाउन संबंधी नियमों को भी पूरी तरह मानने को तैयार नहीं लोग

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना से निपटने छत्तीसगढ़ में भी शासन की ओर से लॉकडाउन का पालन कराया जा रहा है। साथ ही उन सभी दिशा-निर्देशों पर भी काम हो रहा है, जो केंद्र सरकार ने जारी किए हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो लॉकडाउन व आइसोलेशन के नियम मानने को तैयार नहीं। दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों द्वारा अपने घरों पर लगाए जाने वाले क्वारंटाइन के स्टीकर को फाड़ दिया जाता है। यहीं नहीं शासन के निर्देशों का पालन कराने के लिए आने वाली स्वास्थ्य व अन्य संबंधित विभागों की टीम को रसूख बताते हुए कुछ लोग ये भी कहने से बाज नहीं आते- एसडीएम से बात कराऊ क्या?... ऐसे लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि सरकार ने क्वारंटाइन का समय 14 दिन से बढ़ाकर 28 दिन क्यों किया है। और यदि प्रदेश में संक्रमण कम्युनिटी ट्रांसमिशन स्टेज पर पहुंचा तो ऐसे लोग ही सबसे पहले सरकार पर सवाल उठाएंगे। नवप्रदेश की ग्राउंड रिपोर्ट में दुर्ग नगरनिगम सीमा से सामने आए तीन वाकयों से ये साफ हो जाता है कुछ लोगों ने होम आइसोलशन व क्वारंटाइन को प्रतिष्ठा व कथित बदनामी का मुद्दा बना लिया है। वे सोशल डिस्टेंसिंग व लॉकडाउन का भी पालन नहीं करना चाहते व ओवर कॉन्फिडेंस में जी रहे हैं। मामलों पर एक नजर...

एसडीएम की परमिशन से आई हूं

केस-1
शंकर नगर आमापारा

एक युवती के मध्य प्रदेश के पिपरिया से 29 मार्च को आने की सूचना स्थानीय टीम को मिलती है। टीम यहां पहुंचकर लड़की को होम क्वारंटाइन में रहने की सलाह देती है और उस घर पर क्वारंटाइन का स्टीकर लगा देता है। टीम के घर जाने के बाद मोहल्ले के ही एक शख्स का टीम के पास फोन आता है कि लड़की ने स्टीकर फाड़ दिया है। अगले दिन संयुक्त टीम लड़की को समझाने जाती है तो लड़की कहती है वह क्वारंटाइन में नहीं रहेगी। संयुक्त टीम के उसे नियम का पालन करने की समझाईश देने पर वह कहती है- एसडीएम की परमिशन से आई हूं। इस पर टीम कहती है- यदि आप नहीं मानें तो पुलिस बुलाकर क्वारंटाइन सेंटर भेज देंगे। लड़की रसूख दिखाकर जवाब देती है -बुलाओ, एसडीएम से बात कराऊ क्या?...

पहले साबित करो मुझे कुछ हुआ है

केस-2
दुर्ग का शंकर नगर

यहां के एक घर में 21 मार्च को पुणे से एक युवक आता है। इसकी जानकारी स्थानीय टीम को 28 मार्च को मिलती है। 28 मार्च को संयुक्त टीम इस घर पर दस्तक देती है। घर के आठ लोग भी युवक के संपर्क में आ चुके होते हैं। लिहाजा परिवार से कहा जाता है कि वे क्वारंटाइन में ही रहे। इस पर युवक भड़क जाता है। टीम की ओर बढ़ते हुए कहता है- 'पहले ये साबित करो कि मुझे कुछ हुआ है। तब ही मैं घर पर रहूंगा। रेलवे स्टेशन पर मेरी स्क्रीनिंग हो चुकी।' युवक की बहन भी उसका साथ देती है। इस पर एसडीएम को बुलाया जाता है और एसडीएम उसे डांटते है तब जाकर मामला शांत होता है।

जिसने लाया कोरोना उसे देखो

केस-3
पद्मनाभपुर मुक्त नगर

यहां एक बुजुर्ग दंपति हैदराबाद से 21 मार्च को लौटे हैं। इनके घर संयुक्त अमला 22 मार्च को दस्तक देता है। घर में पड़ोस की ही एक महिला उनसे मिलने आई होती है। पहले तो बुजुर्ग दंपति को क्वारंटाइन में रहने को कहा जाता है और उनके घर पर स्टीकर लगा दिया जाता है। फिर टीम पड़ोसी महिला के घर जाती है तो वहां उनके पति चिल्लाने लगते हैं। बड़े नेता का नाम लेते हुए कहते हैं- 'जिसने देश में कोरोना लाया उससे निपटो, हमें कुछ नहीं होने वाला। हमारे घर पर कोई स्टीकर मत चिपकाओ।' वहीं क्वारंटाइन की अवधि 28 दिन किए जाने के बाद बुजुर्ग दंपति के घर नया स्टीक लगाने जाने पर दंपति आग बबूला हो जाते हैं। कहते हैं- 'हमारी दवाइयों का क्या होगा। राशन कौन लाकर देगा। आटा पिसाकर कौन लाएगा।'

मास्क मांगने से भी नहीं चूकते लोग

सूत्रों के मुताबिक दुर्ग के ही एक इलाके में संयुक्त टीम के पहुंचने पर लोगों ने उनसे मास्क की फरमाईश कर दी। लोगों का कहना था कि वे घर में तो रह रहे हैं लेकिन उनके लिए टीम मास्क की व्यवस्था करके दे।

सख्ती बरतने पर चल रहा विचार

बाहर से आए लोगों के घर जब टीम पहुंचती है तो उसके साथ लोग झगड़े पर उतारू हो जा रहे हैं। सहयोग नहीं कर रहे। घरों पर क्वारंटाइन के स्टीकर चिपकाने नहीं देते। स्टीकर चिपकाने पर उन्हें फाड़ देते हैं। शिकायते मिलती हैं कि जिन्हें आइसोलेशन में रहना है वे बाहर घूम रहे हैं। ऐसे लोगों को समझाने तहसीलदार व एसडीएम को जाना पड़ रहा है। कुछ लोग लाकडाउन को भी गंभीरता से नहीं ले रहे। तीन बजे के बाद चौपाल लगाकर बैठने लगते हैं। ऐसे लोगों पर सख्ती बरतने पर भी विचार चल रहा है।

खेमलाल वर्मा, एसडीएम, दुर्ग

आज बेबाक

नई दिल्ली में दो-दो सरकारें है। इसके बावजूद निजामुद्दीन के एक धार्मिक स्थल में इतनी बड़ी संख्या कोरोना वायरस बम बन गए और पूरे देश में फैल गए। सरकारें घोड़े बेचकर सोती रही और अब सारे देश में ऐसे जाहिलों की खोज की जा रही है। जो अब तक पता नहीं कितने लोगों की मौत का सामान बन चुके हैं। इनके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है लेकिन इतनी मामूली धाराएं लगाई गई हैं कि उन्हें छह महीने से दो साल तक की ही सजा हो पाएगी। जबकि इनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

कोरोना से दुनिया में 41,920 मौतें

बीजिंग/ जेनेवा/ नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व के 185 देशों में फैल चुके कोरोना वायरस का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और इस खतरनाक वायरस से दुनिया भर में अब तक 41920 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 852,486 लोग इससे संक्रमित हैं।

संकट की घड़ी में भूपेश सरकार का बड़ा फैसला

बस-ट्रक ऑपरेटरों का 331 करोड़ का बकाया टैक्स, ब्याज व पेनाल्टी माफ

नव प्रदेश ब्यूरो

रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा देश भर में लागू लॉकडाउन और भविष्य की व्यावसायिक स्थिति को देखेते हुए 31 मार्च 2013 तक बकाया टैक्स पेनाल्टी और ब्याज को पूरी तरह से माफकरने का निर्णय लिया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के तहत बस और ट्रक आपॅरेटरों को लगभग 221 करोड़ रूपए का फायदा होगा। इसके लिए राज्य शासन द्वारा संचालित एक मुश्त निपटान योजना के तहत बस-ट्रक ऑपरेटरों को वर्ष 2013 से 2018 तक शासन को देय राशि में से 110 करोड़ रुपए की पेनाल्टी को माफकिया जा रहा है। इस तरह परिवहन विभाग द्वारा वाहन मालिकों को कुल 331 करोड़ रुपए की राशि माफ की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में 24 मार्च को आयोजित केबिनेट की बैठक में इस **शेष पृष्ठ 8 पर**

सीएम ने असंगठित कामगारों समेत कई वर्गों की मदद के लिए पीएम मोदी को लिखा पत्र

रायपुर। *मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि- 26 मार्च को केन्द्रीय वित्तमंत्री द्वारा आमजन को सहायता पहुंचाने के लिए की गई घोषणाओं से समाज के बड़े तबके को राहत मिली है। केन्द्र सरकार द्वारा की गयी सकारात्मक पहल को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है, क्योंकि अभी भी समाज का एक बड़ा वर्ग उन घोषणाओं से लाभ प्राप्त करने में वंचित है। विशेष तौर पर मनरेगा योजना के तहत आने वाले भूमिहीन मजदूर तथा असंगठित क्षेत्र के कामगार। वर्तमान परिस्थितियों में इनका जीवन-यापन दूभर होना तय है। मुख्यमंत्री ने पत्र में ये सुझाव दिए हैं- -मनरेगा एवं असंगठित क्षेत्र के कामगारों को आगामी तीन माह तक प्रतिमाह एक हजार की राशि उनके खातों में अंतरित की जाए। सभी जन-धन खाता धारकों को 750 रुपए* **शेष पृष्ठ 8 पर**

...तो ही जीत सकेंगे जंग

भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री से कहा है कि यदि उपरोक्त सुझाव के अनुरूप स्वीकृति दी जाती है तभी हम कोरोना के खिलाफ छेड़ी गयी जंग जीतने में सफल हो सकते है अन्यथा लाखों परिवारों के लिए जीवन का संकट उत्पन्न होना निश्चित है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि इन मांगों की स्वीकृति शीघ्र अतिशीघ्र प्रदान करने का कष्ट करें ताकि इन वर्गों को बड़ी राहत मिल सके।

कोरोनाः सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से पीएम मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे बात

- देश में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या से राज्य से लेकर केंद्र तक में हलचल तेजे

नई दिल्ली ए.। देश में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या से राज्य से लेकर केंद्र तक में हलचल तेज है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर चर्चा करेंगे। इस दौरान वह कोविड-19 से निपटने के लिए राज्यों की तैयारियों का जायजा लेंगे। साथ ही मुख्यमंत्रियों से उनके राज्य में आ रही दिक्कतों और परेशानियों को भी सुनेंगे। कोरोना के सबसे अधिक संक्रमित मरीज महाराष्ट्र से हैं। यहां अब तक 320 कोरोना संक्रमित सामने आ चुके हैं जबकि 9 की मौत हो चुकी है। इसके अलावा देश के अंदर कोरोना वायरस के कई हॉटस्पॉट भी बनकर तैयार हो गए हैं जो खतरे से कम नहीं। कोरोना से निपटने की तैयारियों को लेकर पीएम मोदी खुद ही फ्रंट फुट से कमान संभाले हुए हैं। इससे पहले उन्होंने मेडिकल प्रफेशनल्स से भी विडियो **शेष पृष्ठ 8 पर**

रसोई गैस सस्ती

नयी दिल्ली (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में जारी गिरावट के बीच देश में रसोई गैस लगातार दूसरे महीने सस्ती हुई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत एक अप्रैल से 61.50 रुपये घटाकर 744 रुपये कर दी गई है। मार्च में इसकी कीमत 805.50 रुपये थी। सब्सिडी वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में इसके अनुरूप कर का हिस्सा कम हो जायेगा। कोलकाता में सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 65 रुपये घटकर 744.50 रुपये, मुंबई में 62 रुपये घटकर 714.50 रुपये और चेन्नई में 64.50 रुपये घटकर 761.50 रुपये रह गयी है।

दिल्ली रिटर्न संदिग्ध राताखार मस्जिद से गेवरा अस्पताल शिफ्ट

- 15 हॉस्पिटलाइज्ड तो 5 आइसोलेट किये गए
- मरकज में रहने वालों से ऐसे बनी वायरस की चेन

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। निजामुद्दीन मरकज में से आये 15 लोगों की सूची प्रशासन को मिली है। इन सभी लोगो को राताखार मस्जिद से गेवरा हास्पिटल शिफ्ट किया गया है। जंहा उन्हें आइसोलेट में रखा जाएगा। इसी तरह कोरबा से ही पांच अन्य लोगो को जो दिल्ली गए थे उनका चिन्हांकन कर उन्हें रशियन होस्टल आइसोलेट किया गया है।

निजामुद्दीन में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित मोबाइल नंबरों के आधार पर सूची कोरबा प्रेषित की गई थी। जिसमें कुछ लोग अपने परिचितों के नंबर इस्तेमाल कर रहे थे। जिसकी वजह से उन्हें ट्रेस करने में परेशानी हो रही।उधर कोरबा के राताखार स्थित एक मस्जिद में दिल्ली के 15 लोगो मिले है। **शेष पृष्ठ 8 पर**

गरमा-गरम

ऐहतियात — सभी सीएमएचओ को निर्देश जारी, करीब 2000 लोग विदेश यात्रा कर लौट चुके हैं प्रदेश

1 मार्च के बाद विदेश से लौटे सभी का होगा कोरोना टेस्ट

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार लगातार ऐहतियाती कदम उठा रही है। इसी क्रम में अब 1 मार्च के बाद विदेश यात्रा से छत्तीसगढ़ लौटे सभी लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। 1 मार्च के बाद विदेश यात्रा से छत्तीसगढ़ लौटे लोगों की संख्या करीब 2000 है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस संबंध के निर्देश प्रदेश के सभी जिलों के सीएमएचओ को दे दिए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में अब तक सामने आए कोरोना पॉजिटिव मरीजों में से अधिकतर की ट्रैवल हिस्ट्री होने के कारण ये फैसला लिया गया है। बता दें कि वर्तमान में एम्स रायपुर में भर्ती तीन युवतियों व रायपुर-कोरबा के एक-एक युवक समेत पांचों मरीज विदेश यात्रा से लौटकर आए हैं। ये सभी ब्रिटेन से लौटकर आए हैं। जबकि **शेष पृष्ठ 8 पर**

इन देशों की यात्रा कर छग लौटे हैं लोग

छत्तीसगढ़ में चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, इटली, सऊदी अरब, दुबई, थाईलैंड व कुछ अन्य देशों की यात्रा कर लौट आए हैं। अकेले ब्रिटेन से ही 73 लोग छत्तीसगढ़ लौटे हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ब्रिटेन से लौटे प्रायः सभी लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा

मरीज के अंतिम दो टेस्ट में से दूसरा पॉजिटिव, अब फिर होगा

एम्स में भर्ती एक कोरोना पॉजिटिव मरीज को जल्द डिस्चार्ज किए जाने की उम्मीद है। लेकिन उसकी एक अंतिम रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद दूसरी फिर पॉजिटिव आ जाने से उसके डिस्चार्ज में विलंब हो रहा है। एम्स सूत्रों के मुताबिक किसी भी कोरोना मरीज को तब ही स्वस्थ माना जाता है और डिस्चार्ज किया जाता है जब दो-दो दिन के अंतराल में उसके दो अंतिम टेस्ट निगेटिव आए। संबंधित मरीज का अंतिम पहला टेस्ट निगेटिव आने से उसके जल्द डिस्चार्ज की उम्मीद जगी है। लेकिन अंतिम दूसरा टेस्ट पॉजिटिव पाए जाने से अब उसके अंतिम दो टेस्ट फिर से कराए जाएंगे।

1 मार्च के बाद विदेश यात्रा कर छत्तीसगढ़ लौटे सभी लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। इसके निर्देश सभी जिलों के सीएमएचओ को दे दिए गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या करीब 2000 है।

डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी, कोविड कमांड सेंटर, छग

देश में 1637 संक्रमित, 38 की मौत, 132 हुए ठीक

नई दिल्ली/नवप्रदेश। कोरोना का कहर देश में लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना संक्रमण के 386 नए मामले सामने आए हैं और मरीजों की संख्या बढ़कर 1637 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी है। मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1637 हो गई है। जबक मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 38 हो गया है। हालांकि इस सबके बीच राहतभरी खबर यह है कि 132 कोरोना पॉजिटिव मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया कि कोरोना से निपटने के लिए नागरिक उड्?डयन मंत्रालय की ओर से लाइफ लाइन उड़ान शुरू की गई है। इसके माध्यम से देशभर में मास्क, पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, वेंटिलेटर आदि जरूरी उपकरण पहुंचाए जाएंगे। मंत्रालय की ओर से यह भी कहा गया है कि लॉक डाउन के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं होना चाहिए।

तबलीगी जमात के साथ राजधानी समेत पांच ट्रेनों में सफर करने वाले हजारों यात्रियों की तलाश में जुटा रेलवे

■ देश में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 1,637 हुई, अब तक 38 की मौत

■ रांची राजधानी समेत 5 ट्रेनों की यात्रियों की जांच की तैयारी

नई दिल्ली (ए.)। निजामुद्दीन मरकज में शामिल तबलीगी जमात के 24 लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद देश के सामने चुनौती और भी बड़ी हो गई है। अब उन लोगों का पता लगाया जा रहा है जो मरकज के कार्यक्रम में शामिल होकर अपने-अपने घरों को लौट रहे जमातियों के संपर्क में आए थे। रेलवे इस बेहद चुनौतीपूर्ण काम को अंजाम देने में जुट गया है।

पांच ट्रेनों के यात्रियों का पता लगाने में जुटा रेलवे

रेलवे उन पांच ट्रेनों के यात्रियों का पता लगाने में जुट गई है जिनमें जमातियों ने दिल्ली से अपने-अपने गंतव्यों तक सफर किया था। इन ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या हजारों में है। ये सभी ट्रेनें 13 से 19 मार्च के बीच दिल्ली से रवाना हुई थीं। इनमें आंध्र प्रदेश को जानेवाली दुरंतो एक्सप्रेस, चेन्नै तक जाने वाली ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस, चेन्नै को ही जानेवाली तमिलनाडु एक्सप्रेस, नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस और एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस शामिल हैं।

रेलवे के पास जमातियों के संपर्क में आए लोगों की वास्तविक आंकड़ा नहीं

हालांकि रेलवे के पास जमातियों के संपर्क में आए लोगों की वास्तविक आंकड़ा नहीं हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि प्रत्येक ट्रेन में लगभग 1,000 से 1,200 यात्री और रेलवे कर्मचारी होते हैं। इन सभी को खतरा हो सकता है। राज्य के अधिकारियों ने कहा कि रेलवे जिला अधिकारियों को यात्रियों की लिस्ट प्रदान कर रहा है जिनको जमात में शामिल लोगों की सूची से मिलाया जा रहा है।

जमात ने देशभर में धर्म प्रचार का कार्यक्रम 'चिल्ला' चला रखा

गृह मंत्रालय ने भी देशभर में तबलीगी जमात से जुड़ी गतिविधियों का ब्योरा दिया है। इसके मुताबिक, जमात ने देशभर में धर्म प्रचार का कार्यक्रम 'चिल्ला' चला रखा था। इसके लिए सैकड़ों देसी-विदेशी प्रचारकों ने देश के अलग-अलग हिस्सों का दौरा किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 21 मार्च तक 824 विदेशी मुसलमान देश के विभिन्न हिस्सों में इस्लाम का प्रचार कर रहे थे जबकि 216 विदेशी निजामुद्दीन मरकज में मौजूद थे। ये विदेशी मुस्लिम इंडोनेशिया, मलेशिया, थाइलैंड, नेपाल, म्यामांर, बांग्लादेश, श्रीलंका और किर्गिस्तान से आकर तबलीग के धर्म प्रचार के काम में जुटे थे।

पाक में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या दो हजार के पार गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बुधवार को दो हजार के पार चली गई जो रेखांकित करना है कि संक्रमण को रोकने के लिए सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में कुल 105 नये मामले सामने आए हैं जिसके साथ संक्रमित लोगों की संख्या 2,039 तक पहुंच गई है। मंत्रालय के मुताबिक सबसे अधिक मामले पंजाब से आए हैं जहां पर कुल 708 कोरोना वायरस संक्रमितों का पता चला है। वहीं सिंध में 676, खैबर पख्तूनख्वा में 253, बलूचिस्तान में 158, गिलगित बाल्तिस्तान में 184, इस्लामाबाद में 54 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में छह मामले सामने आए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि अबतक कोरोना वायरस से 26 लोगों की मौत हुई है जबकि 82 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। 12 लोगों की हालत नाजुक है। संक्रमित लोगों की बढ़ती संख्या से स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि आंशिक बंदी सहित तमाम उपाय वायरस को फैलने से रोकने में अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। पाकिस्तान के अधिकारी संक्रमण को फैलने से रोकने में मुश्किल का सामना कर रहे हैं और लोगों से आपात स्थिति को छोड़ घरों में ही रहने की अपील कर रहे हैं लेकिन कई शहरों में इसका बहुत कम असर देखने को मिल रहा है। लोग सड़कों पर घूम रहें हैं और अधिकारी उन्हें घरों में रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान प्राणघातक वायरस के संक्रमण से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय कोर समिति की बैठक करने वाले हैं।

कोरोना : चीन ने किया लक्षण-मुक्त मामलों का चौंकाने वाला खुलासा

__बीजिंग।__ चीन ने बुधवार को पहली बार जानलेवा कोरोना वायरस के 1,541 ऐसे मामलों का खुलासा किया है जिसमें रोगी के भीतर वायरस के लक्षण दिखाई ही नहीं दिये। इससे देश में कोरोना वायरस संक्रमण का नया दौर शुरु होने को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने मंगलवार को अचानक घोषणा की कि वह ऐसे रोगियों की जानकारी जारी करेगा जिनमें संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिये। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एनएचसी के हवाले से एक बयान में कहा कि चीन ने ऐसे 1,541 रोगियों को सोमवार तक चिकित्सा निगरानी में रख रखा था, इनमें विदेश से आए 205 लोग शामिल थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रमुख चांग जाइल ने कहा चीन बुधवार से ऐसे रोगियों की संख्या और उनकी हालत के बारे में जानकारी प्रकाशित करेगा। एनएचसी के बयान में कहा गया है कोविड-19 से संक्रमित लक्षण-मुक्त रोगियों के कारण संक्रमण और अधिक फैल सकता हैं।

श्रीलंका में एक दिन में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले आए

कोलंबो। श्रीलंका में मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के सबसे ज्यादा 21 मामले सामने आए। इसके बाद देश में इस जानलेवा विषाणु से संक्रमितों की तादाद 143 पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि आने वाले दो हफ्ते काफी अहम रहने वाले हैं। द्वीप राष्ट्र में कोविड-19 से सिर्फएक शख्स की रविवार को मौत हुई है। मृतक 65 वर्षीय मधुमेह का मरीज़ था। वह देश में कोरोना वायरस के दूसरे संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आया था, जो इतावली सैलानियों के संपर्क में आया था। श्रीलंका में मंगलवार को कोविड-19 के 21 और मरीज़ सामने आए, जो एक दिन में सामने आए अबतक के सबसे ज्यादा मामले हैं।

खांसी, छींक से आठ मीटर तक जा सकता है वायरस घंटों तक रह सकता है हवा में : वैज्ञानिक

नयी दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और 'अमेरिका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र' (सीडीसी) के सामाजिक दूरी के मौजूदा दिशानिर्देश पर्याप्त नहीं हैं और खांसी या छींकने से यह वायरस आठ मीटर दूर तक जा सकता है। 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन' में प्रकाशित अनुसंधान के अनुसार डब्ल्यूएचओ तथा सीडीसी ने इस समय जो दिशानिर्देश जारी किये हैं वे खांसी, छींक या श्वसन प्रक्रिया से बनने वाले 'गैस क्लाउड' के 1930 के दशक के पुराने पड़ चुके मॉडलों पर आधारित हैं। अध्ययनकर्ता एमआईटी की एसोसिएट प्रोफेसर लीडिया बूरूइबा ने आगाह किया कि खांसी या छींक की वजह से निकलने वाली सुक्ष्म बूंदें 23 से 27 फुट या 7-8 मीटर तक जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा दिशानिर्देश बूंदों के आकार की अति सामान्यकृत अवधारणाओं पर आधारित है और इस घातक रोग के खिलाफप्रस्तावित उपायों के प्रभावों को सीमित कर सकते हैं।

डॉक्टर के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली का सरकारी अस्पताल बंद

__नयी दिल्ली।__ दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान को एक डॉक्टर के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद एक दिन के लिये बंद कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार सरकार द्वारा संचालित इस संस्थान को संक्रमण मुक्त किया जा रहा है, इसलिये इसे एक दिन के लिये बंद किया गया है।कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया डॉक्टर इसी संस्थान में काम करता है। दिल्ली में मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 23 नये मामले सामने आने के बाद इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 120 हो गई।

तबलीगी पर सोशल मीडिया पर चल रही 'जंग'

■ सरकारी आंकड़े के अनुसार, देश में अब तक 1,637 कोरोना के मरीज

■ इस जानलेवा वायरस के कारण 38 लोगों की हो चुकी है मौत

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात में शामिल लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि होने और इससे 9 लोगों की मौत के बाद सोशल मीडिया और इंटरनेट पर जबरदस्त जंग चल रही है। तबलीगी के पक्ष और विपक्ष जोरदार आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। नेता से लेकर आम आदमी तक सोशल मीडिया पर इसको लेकर ट्वीट कर रहे हैं। आप नेता आतिशी ने ट्वीट कर कहा कि तबलीगी की तरफसे गलती हुई है। पूरे देश में लॉकडाउन लागू होने से पहले ही दिल्ली में पाबंदिया लागू हो गई थीं। पूर्वी दिल्ली बीजेपी सांसद गौतम गंभीर ने तबलीगी जमात का आयोजन करने वालों पर आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि निजामुद्दीन में एकत्र हुए लोग क्या सोचकर वहां गए थे? क्या देश में लॉकडाउन का मजाक चल रहा था? तबलीगी जमात पर मीडिया में चल रही खबरों पर सोशल मीडिया पर लोग गुस्सा दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग आरोप लगा रहे हैं कि वे एकतरफा खबरें दिखा रही है। शौकीन त्यागी नामक एक शख्स ने ट्वीट कर कहा कि कोरोना जैसी महामारी को हिंदू-मुसलमान पर ले ही आए हैं। आरिफा खातून नामक एक यूजर ने ट्वीट किया कि विदेशी वायरस ने जहां हिंदू-मुसलमान का फर्क मिटा दिया, वहीं भारतीय मीडिया वायरस ने हिंदू-मुस्लिम मुद्दा फिर जगा दिया। जस्ट ट्वीट नामक एक यूजर ने लिखा कि भारत में आने से पहले तक कोरोना एक वायरस था, यहां आते ही उसके धर्म का पता लग गया। शुक्रिया मीडिया

दूसरी तरफ#CovidJihad से तबलीगी जमात के विरोध में भी लोग ट्वीट कर रहे हैं। संतोष कुमार गौडा नामक एक ट्विटर यूजर ने लिखा है कि निजामुद्दीन में जमात का आयोजन कोविड जिहाद है। अजय प्रसाद मौर्य नामक एक यूजर ने लिखा कि आप कोविड जिहाद की योजना बना रहे हैं।

सऊदी अरब के मुसलमानों से अपील, हज स्थगित करें

रियाद (ए.)। सऊदी अरब के हज मंत्री ने कोरोना वायरस के चलते उत्पन्न अनिश्चितता के कारण मुसलमानों से इस बार हज की तैयारियां स्थगित करने की अपील की है। इस महीने की शुरुआत में सऊदी अरब ने अपने शहरों में कोरोना वायरस के फैलने के डर के चलते ''उमरा'' तीर्थयात्रा निलंबित कर दी थी। इस अभूतपूर्व कदम के बाद से सालाना हज पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। सऊदी अरब के हज मंत्री मोहम्मद बिन्तऐन ने मंगलवार को सरकार द्वारा संचालित 'अल एखबरिया टेलीविजन' से कहा, ''सऊदी अरब हज और उमरा के इच्छुक लोगों के स्वागत के लिये पूरी तरह तैयार है, लेकिन मौजूदा हालात में इस वैश्विक महामारी के मद्देनजर ...सऊदी अरब मुसलमानों और अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा को लेकर प्रतिबद्ध हैं। लिहाजा हमने सभी देशों के अपने मुस्लिम भाइयों से कहा है कि वे हालात ठीक होने तक हज के लिये इंतजार करें।''

प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के आघात से बाहर लाने के लिये सामाजिक सुरक्षा की दरकार : सरकार

नई दिल्ली (ए.)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिये घोषित देशव्यापी बंदी (लॉकडाउन) के कारण प्रवासी मजदूरों को हुए सामाजिक, मानसिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक तनाव से बाहर लाने के लिये इन मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा दिये जाने की जरूरत पर बल दिया है।

मंत्रालय द्वारा जारी एक दस्तावेज में प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के कारण हुयी वेदना का जिक्र करते हुये इन्हें इस आघात से बाहर लाने के लिये सामाजिक सुरक्षा दिये जाने को जरूरी बताया है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसके तहत बस और रेल सहित सभी यात्री सेवायें बंद होने के कारण दिल्ली सहित विभिन्न महानगरों से प्रवासी मजदूरों ने अपने गृह राज्यों की ओर पैदल ही जाना शुरु कर दिया। इसमें कहा गया है कि प्रवासी मजदूरों के सामने भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधा, रोजी रोटी से हाथ धो बैठने की चिंता के अलावा वायरस के संक्रमण का भय भी मन में बैठ गया है। मंत्रालय ने माना कि कभी कभी उन्हें शोषण के अलावा स्थानीय समुदायों की नकारात्मक टिप्पणियों का भी सामना करना पड़ा। इन परिस्थितियों के मद्देनजर इन्हें मजबूत सामाजिक सुरक्षा की दरकार है जिससे उन्हें इस दंश के कारण हुये भावनात्मक एवं मानसिक आघात से बाहर लाया जा सके।

मंत्रालय ने लॉकडाउन घोषित होने के बाद प्रवासी मजदूरों के सामने पैदा हुयी समस्याओं का जिक्र करते हुये कहा कि अपने मूल निवास स्थान पर पहुंचने के दौरान कुछ दिनों तक इन लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों पर रहना पड़ा। बेहद मुश्किल भरी यात्रा के अनुभवों ने इन मजदूरों को भयभीत मनोदशा में पहुंचा दिया। मंत्रालय ने कहा कि इस स्थिति से बाहर लाने के लिये इन्हें सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सहारे की जरूरत है। मंत्रालय ने इस समस्या के समाधान के रूप में मजदूरों के साथ स्थानीय समुदायों द्वारा इनके प्रति सम्मान, सहानुभूति और करूणामय व्यवहार करने का सुझाव दिया है। साथ ही काम की तलाश में दूसरे शहरों में गये प्रवासी मजदूरों को वापस लौटने पर समाज द्वारा उन्हें पहले की ही तरह न सिर्फ स्वीकारे जाने की जरूरत बतायी है बल्कि स्थानीय लोगों को उनकी हर प्रकार से सहायता करने के महत्व को भी रेखांकित किया है क्योंकि उन्हें एक असामान्य एवं असाधारण परिस्थिति के कारण इस अनिश्चितता के दौर से गुजरना पड़ा।

महामारी को देखते हुए सीएसए ने तैयार किया चार सूत्री कार्यक्रम

जोहानिसबर्ग (ए.)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने दुनिया भर में फैली घातक कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में संगठन से जुड़े सभी लोगों की हर तरह से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये चार सूत्री रणनीति तैयार की है।

दक्षिण अफ्रीका में 16 अप्रैल तक लॉकडाउन है और ऐसे में सीएसए के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी जॉक फॉल ने मंगलवार को वीडियो कान्फ्रेन्स के जरिये योजना तैयार की। इसमें अंतरिम निदेशक ग्रीम स्मिथ ने भी हिस्सा लिया।फॉल ने कहा, ''इस समय स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। हमारी दुनिया में खेल बेहद महत्वपूर्ण चीज है और इससे कई लोगों की आजीविका चलती है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो विश्व अभी इससे भी बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।'' सीईओ ने कहा कि संगठन उनके अंतर्गत आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भलाई के लिये अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है और उसने चार सूत्री योजना बनायी है।फॉल ने कहा, ''कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए हमने चार सूत्री रणनीति बनायी है और इसमें पहली हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दूसरा संदेश पहुंचाने के लिये अपने स्टार क्रिकेटरों का उपयोग करना। हमने अभी तक अपने अभियानों में ऐसा देखा भी है।

महामारी | जानलेवा वायरस से महाराष्ट्र में 9 लोगों की मौत जबकि 39 लोग ठीक होकर घर जा चुके हैं

भारत में कोरोना वायरसः महाराष्ट्र में 300 के पार पहुंचा कोविड-19 का आंकड़ा

■ राजधानी दिल्ली में कोरोना मरीजों की संख्या 120 पहुंच गई

नई दिल्ली (ए.)। देश में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को कोरोना पीड़ितों की संख्या बढ़कर 1,637 हो गई है जबकि इस जानलेवा वायरस ने 38 लोगों की जान ली है। कोरोना के सबसे ज्यादा मामले केरल में आए हैं जबकि महाराष्ट्र में भी आंकड़ा 300 के पार पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली में कोरोना मरीजों की संख्या 120 पहुंच गई है। इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए पूरे देश में 21 दिनों का लॉकडाउन है।

महाराष्ट्र में 300 के पार पहुंचा आंकड़ा

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों का आंकड़ा सरकारी रेकॉर्ड के अनुसार, 302 पहुंच गया है। इस जानलेवा वायरस से राज्य में 9 लोगों की मौत हुई है जबकि 39 लोग ठीक होकर घर जा चुके हैं।

जमात से आंध्र में बढ़े केस

आंध्र प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 21 नए मामले सामने आए जिनमें से 18 व्यक्ति वे हैं जो नई दिल्ली में तबलीगी जमात के आयोजन में शामिल हुए थे। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इसके बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 44 हो गई है। संक्रमण के ताजा मामलों में से 4 विशाखापत्तनम के हैं और यह सभी व्यक्ति 13 और 15 मार्च को दिल्ली के निजामुद्दीन में धार्मिक आयोजन में शामिल हुए थे। संक्रमित व्यक्तियों में से एक मदीना से लौटा है और दो अन्य कर्नाटक में मक्का से लौटे एक संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमित हुए।

झारखंड में पहला मामला

रांची में एक मलेशियाई महिला के कोरोना वायरस से संक्रमित मिलने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को प्रशासन को एहतियात बरतने तथा लोगों से प्रशासन का सहयोग करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में वरीय अधिकारियों को लॉकडाउन के संदर्भ में निर्देश देते हुए कहा कि झारखण्ड के लोगों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। लोग घर में रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। लॉक डाउन का पालन सुनिश्चित होना चाहिए।

एमपी में कोरोना के 66 मामले

इंदौर, उज्जैन एवं भोपाल में 19 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की मंगलवार को पुष्टि होने के साथ ही मध्य प्रदेश में इस घातक वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 66 हो गई। इनमें से 5 और व्यक्ति की मौत हो जाने से प्रदेश में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5 हो गई है। इंदौर में मंगलवार को 17 नये मामले आए, जबकि भोपाल एवं उज्जैन में एक-एक नया मामला सामने आया। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक मिली रिपोर्टों के मुताबिक मध्यप्रदेश में कुल 66 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। इनमें इंदौर के सर्वाधिक 44 मरीज शामिल हैं।

दिल्ली में आंकड़ा 100 के पार

दिल्ली में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस के 23 नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को संक्रमित व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 120 हो गई।

छत्तीसगढ़ में इस वक्त रूका हुआ बाहर का हर व्यक्ति हमारा मेहमान : सीएम भूपेश

■ कोरोना लॉकडाउन : मुख्यमंत्री ने किया आश्रय स्थल का मुआयना

■ देश के विभिन्न हिस्सों के ऐसे जरूरतमंद लोगों ,जो करोना वायरस के कारण रायपुर में फंसे हैं, के लिए कोरोना राहत शिविर-आश्रय स्थल बनाया गया

■ 12 राज्यों और 17 जिलों के 205 लोगों को मिला आश्रय,भोजन,रूकने, चिकित्सा और जरूरी सुविधाएं

रायपुर (नव प्रदेश)। देश के विभिन्न हिस्सों के ऐसे जरूरतमंद लोगों जो करोना वायरस के कारण लॉक डाउन की स्थिति में रायपुर में फंसे हैं, के लिए जिला प्रशासन ने कोरोना राहत शिविर-आश्रय स्थल बनाया गया है । प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बधेल ने आज रायपुर के लाभांडी के इस आश्रय स्थल का मुआयना किया । इस शिविर में 12 राज्यों और 17 जिलों के भटक रहे 205 लोगों को आश्रय,भोजन और सुविधा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने यहां रूके एक -एक व्यक्ति से मुलाकात की और उनसे कहा कि वे राज्य के मेहमान है और उन्हें यहां किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी ,वे निश्चिंता से रहे और अपने घर -परिवार को भी अपनी कुशलता की जानकारी दें।

मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान झारखंड के बलदेव राणा ने बताया कि वे और उनके साथी महाराष्ट्र से लौट रहे थे। उत्तर प्रदेश के देवरिया के श्री रामनाथ शर्मा नौकरी के तलाश में छत्तीसगढ में भटक रहे थे। मध्यप्रदेश के पिपरिया के साधु रामदास त्यागी राजिम मेला के बाद से यहां थे। महाराष्ट्र के श्री गौतम मजदूरी कर रहे थे। गोंदिया के श्रीकांत ट्रासपोर्ट लाईन में होने के कारण यहां फंसे थे और हरियाणा के रामू परिवार की दो महिलाओ और दो बच्चो के साथ यहां पेशी में आये थे। यहां आश्रय लिए लोगों ने बताया कि वे इन्हें भोजन, चिकित्सा, रूकने सहित जरूरी सुविधाएं मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होने झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियो से बातचीत की है और आश्वस्त किया कि उनके राज्यो के लोग छत्तीसगढ में अच्छे से रहेगे। उन्होंने छत्तीसगढ के मजदूरों और नागरिको के उनके राज्यों मे फंसे होने की स्थिति में उनसे हर संभव सहयोग देने का आग्रह भी किया है। यह भी कहा कि ऐसे ही आश्रय शिविर राज्य के सभी जिलो में बनाएं गए है। मुख्यमंत्री के मुलाकात और अवलोकन के दौरान जिले के वरिष्ठ अधिकारी ,स्वयंसेवी संगठन के लोग और स्थानीय पार्षद भी उपस्थित थे, मुख्यमंत्री ने उन्हें इस नेक एवं मानवता के काम में दिन-रात लगकर सेवा करने के लिए साधुवाद दिया और किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस से नागरिकों को सुरक्षित रखने की अपनी मुहिम के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. एस भारतीदासन के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने इन जरुरतमंदॉ, श्रमिको, बेसहारा लोगों को लाभांडी स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वसुविधायुक्त बहु मंजिला भवनों में अलग-अलग फ्लैटों में आश्रय दिया है।

यह पूरी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख, नगर निगम कमिश्नर सौरभ कुमार, जिला पंचायत सीईओ डॉ. गौरव कुमार सिंह की संयुक्त टीम ने मिलकर की है। इस दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी,महिला बाल विकास, वन, स्वास्थ्य,खाद्य सहित अन्य विभाग भी शामिल भी शामिल थे।

जिला पंचायत सीईओ डॉ. गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों की इस टीम ने तीन बसों को लेकर ऐसे लोगों की तलाश में परसो देर शाम रेलवे स्टेशन क्षेत्र पहुंची, जहां से रायपुर स्मार्ट सिटी कार्यालय में स्थापित फूड कंट्रोल सेल से सर्वाधिक भोजन लेने की जानकारी मिली थी। महिला अधिकारियों के दल ने यहों महिलाओं, उनके साथ के दुधमुहे बच्चों, वृद्ध, दिव्यांग समेत ऐसे 75 लोगों को बसों में लेकर लाभांडी स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नवनिर्मित भवन में शिफ्ट किया। नगर निगम के इस भवन में जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पहले से की जा चुकी थीं और इस परिसर में शहर की कई सामाजिक संस्थाओं से मिले सहयोग से दरी, कंबल, चादर, बाल्टी, मंग, साबुन, पेस्ट, ब्रश समेत जरूरी सामान की व्यवस्था पहले से ही की गई थी।

यहां ठहराए गए छोटे बच्चों को असुविधा ना हो इसके लिए रायपुर जिला प्रशासन ने दूध की पर्याप्त व्यवस्था भी तत्काल की । इन आश्रय प्राप्त करने वालो जरूरतमंदो को जरूरी सुविधाओं की देखरेख का जिम्मा जिला प्रशासन ने सामर्थ चेरिटबल और वी द पीपल स्वयंसेवी संगठन को दिया गया है, जो 24 घंटे उनके साथ रहकर उनकी सुविधाओं का ध्यान रख रही है । यहां आश्रय मे सोशल डिसटेशिग कायम रखते हुए उन्हे हर संभव मदद की जा रही है।

रूके नागरिकों मे सबसे अधिक नागरिक मध्यप्रदेश के 27 और झारखंड के 19 है। जिले मे सबसे अधिक बलौदाबाजार के 18 और दुर्ग के13 है। छत्तीसगढ़ के 121 और रायपुर जिले के 40 है।

संकट में फंसे श्रमिकों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार बनी मददगार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन पर लॉकडाउन की वजह से दूसरे राज्यों में मुसीबत में फंसे 7 हजार मजदूरों के भोजन एवं आवास की हुई व्यवस्था की गई है। कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से देश और प्रदेश में निर्मित लॉकडाउन की स्थिति से देश के अन्य राज्यों में मुसीबत में फंसे छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 7 हजार मजदूरों की मददगार छत्तीसगढ़ सरकार बन गई है। इन संकटग्रस्त मजदूर भाईयों की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने न सिर्फसुध ली है बल्कि जिन राज्यों में मजदूर भाई फंसे हुए है, वहां उनके भोजन एवं आवास का भी बेहतर प्रबंध सुनिश्चित कराया है। राज्य के ऐसे मजदूर जो लॉकडाउन की वजह से अपने घर वापस नहीं आ सके है, उनके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन में यथास्थान रहने एवं खाने की व्यवस्था के साथ ही अन्य आवश्यक मदद लगातार मुहैया कराई जा रही है। राज्य के नोडल अधिकारी एवं श्रम सचिव श्री सोनमणि बोरा इस व्यवस्था पर खुद निगरानी रख रहे है। श्री बोरा के दिशा-निर्देशन में श्रम विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारी दूसरे राज्यों के अधिकारियों और नियोक्ताओं से समन्वय स्थापित कर राज्य के मजदूर भाईयों की रखने और खाने का इंतेजाम कर रहे है।

ज्ञातव्य है कि 22 मार्च से लॉकडाउन के कारण छत्तीसगढ़ के 6937 श्रमिक देश के अन्य राज्यों में फंस गए हैं। राज्य शासन ने इसकी सूचना मिलते ही तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित की और राज्य के फंसे हुए श्रमिक भाईयों के लिए यथास्थान रहने और खाने का प्रबंध सुनिश्चित किया। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक 1667 श्रमिक महाराष्ट्र राज्य में लॉकडाउन की वजह से फंसे हुए है। इसी तरह उत्तरप्रदेश में 1348, जम्मू में 1125, तेलंगाना में 878, गुजरात में 381, कर्नाटक में 295, आंध्रप्रदेश में 193, मध्यप्रदेश में 167, तमिलनाडु में 160, केरल में 155, पंजाब में 154 श्रमिक फ से हुए है। यह श्रमिक छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के रहने वाले है। राज्य के श्रमिक भाईयों की संकट की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर आवश्यक मदद दिलाने का आग्रह किया है।

7अप्रैल तक मीटर रीडिंग-बिलिंग पर रोक

निम्नदाब बिजली उपभोक्ताओं के हित में ऊर्जा विभाग का बड़ा फैसला

30अप्रेल तक नहीं लगेगा अधिभार

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वाइरस कोविड-19 की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राज्य शासन द्वारा हरेक स्तर पर तेजी से जन हितेषी फैसला किए जा रहे है।ऐसे ही कदमों के अन्तर्गत माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की ओर से मिले दिषा निर्देषानुसार छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग ने प्रदेष के निम्न दाब उपभोक्ताओं के हित में अनेक अहम फैसला किए हैं। इसके मुताबिक प्रदेष के समस्त निम्नदाब बिजली उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग एवं बिलिंग को 7 अप्रैल 20 तक रोकने का निर्णय लिया गया है, पूर्व में इसे 31 मार्च तक रोकने का निर्णय लिया गया था ।उक्त जानकारी पावरकम्पनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने दी।

आगे उन्होंने बताया कि नए निर्णय के अनुपालन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी ने बिजली मीटर रीडिंग, फीलिंग,नगद भुगतान कार्य को तत्काल प्रभाव से निर्धारित तिथि तक के लिए स्थगित कर दिया है। दरअसल उपभोक्ताओं के परिसर की मीटर रीडिंग , बिलिंग नगदी भूगतान का कार्य स्पॉट बिलिंग अथवा मेनुअली नहीं होने से कोरोना वाइरस के संक्रमण को रोका जा सकेगा। श्री मिश्रा ने जानकारी दी कि प्रदेश के निम्न दाब उपभोक्ताओं के सभी ऑफ्लाइन बिजली संग्रहण केंद्रों को भी 7 अप्रैल 20 तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है, पूर्व में 31 मार्च 20 तक इन्हें बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। निम्न दाब उपभोक्ताओं को 30 अप्रैल 20 तक बिना अधिभार (सर चार्ज) के विभिन्न विल संग्रहण केंद्रों पर बिल भुगतान करने की सुविधा प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही वर्तमान माह(फरवरी-मार्च 20 20 बिलिंग चक्र अनुसार) के बिल को÷ डोर लॉक कोड 03 ÷में बनाए जाने हेतु केंद्रीय स्तर पर कार्यपालकअभियंता (ईआईटीसी) द्वारा सेप सिस्टम को अपडेट करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

विदित हो कि राज्य शासन के ऊर्जा विभाग से मिले दिशा-निर्देशों के अनुसार कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के दौरान बिलिंग मीटर रीडिंग कार्य में हुई देरी से उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की आर्थिक क्षति अथवा परेशानी ना हो इस हेतु पावर कंपनी न्यायोचित कदम उठा रही है।इस बारे उन्होंने बताया कि ऐसे प्रभावित उपभोक्ताओं को पहले औसत खपत के आधार पर बिल जारी किए जाएंगे। वास्तविक खपत के आधार पर आगामी माह में बिल की गणना करते समय ऐसे उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई कम अथवा ज्यादा राशि का समायोजन किया जाएगा। सभी माह के विद्युत देयकों में राज्य शासन की हाफरेट पर बिजली योजना के तहत् 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली की छूट का पूरा-पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाएगा।

खनिज से मिला 6,165 करोड़ का राजस्व

■ 165 करोड़ अधिक राजस्व की प्राप्ति

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार को वित्तीय वर्ष 2019-20 में 6,165 करोड़ रूपए का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार को प्राप्त यह राजस्व निर्धारित लक्ष्य से 165 करोड़ रूपए अधिक है। यह खनिज राजस्व पिछले वित्तीय वर्ष में प्राप्त राजस्व से भी 55 करोड़ रूपए अधिक है। राज्य सरकार को पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 में 6,110 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में रायपुर जिले से 62 करोड़ 56 लाख 40 हजार रूपए, बलौदाबाजार जिले से 244 करोड़ 95 लाख 43 हजार रूपए, गरियाबंद जिले से 2 करोड़ 97 लाख 8 हजार रूपए, धमतरी जिले से 9 करोड़ 15 लाख 14 हजार रूपए, महासमुन्द जिले से 6 करोड़ 4 हजार रूपए, राजनांदगांव जिले से 22 करोड़ 36 लाख 28 हजार रूपए, कबीरधाम जिले से 15 करोड़ 90 लाख 81 हजार रूपए, दुर्ग जिले से 69 करोड़ 68 लाख 82 हजार रूपए, बालोद जिले से 303 करोड़ 20 लाख 80 हजार रूपए, बेमेतरा जिले से 11 करोड़ 70 लाख 79 हजार रूपए और बस्तर जिले से 13 करोड़ 74 लाख 30 हजार रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

नारायणपुर जिले से 44 लाख 69 हजार रूपए, सुकमा जिले से 60 लाख 43 हजार रूपए, कांकेर जिले से 108 करोड़ 98 लाख 48 हजार रूपए, कोण्डागांव जिले से एक करोड़ एक लाख 12 हजार रूपए, दंतेवाड़ा जिले से 2012 करोड़ 61 लाख 27 हजार रूपए, बीजापुर जिले से 78 लाख 90 हजार रूपए, बिलासपुर जिले से 33 करोड़ 38 लाख 50 हजार रूपए, मुंगेली जिले से 3 करोड़ 82 लाख 17 हजार रूपए, कोरबा जिले से 2010 करोड़ 60 लाख 81 हजार रूपए, जांजगीर-चांपा जिले से 44 करोड़ 33 लाख 13 हजार रूपए, रायगढ़ जिले से 495 करोड़ 19 लाख 19 हजार रूपए, जशपुर जिले से 3 करोड़ 13 लाख 38 हजार रूपए, सरगुजा जिले से 323 करोड़ 20 लाख 12 हजार रूपए, बलरामपुर जिले से 68 करोड़ 71 लाख 13 हजार रूपए, सूरजपुर जिले से 58 करोड़ 15 लाख 64 हजार रूपए और कोरिया जिले से 137 करोड़ 77 लाख 40 हजार रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

अपील | विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री ने लिखा पत्र

निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की तीन माह की फीस हो माफ

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निजी शालाओं के विद्यार्थियों की तीन माह की फीस माफ कराने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखे पत्र में विधायक विकास उपाध्याय ने कहा है कि पूरे विश्व में आये कोरोना के संकट से छत्तीसगढ़ राज्य भी पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। शासन द्वारा इस संक्रमण को रोकने सबसे पहले सभी स्कूलों को बंद कराने का निर्णय लिया गया। जिसके चलते पिछ्ले माह से सभी स्कूल पूरी तरह से बंद हैं, तो आगे भी इसे बंद की यथावत स्थिति में ही रखने की जरूरत पड़ेगी। इस बीच सभी पलकों की लॉक डाउन के चलते माली हालत भी

ठीक नही है और इन स्कूलों में लिया जाने वाला मासिक शुल्क की रकम भी भारी भरकम होती है। बच्चे आज पूरी तरह से अपने घरों में बंद हैं जिनका स्कूलों के शैक्षणिक या ट्रेवल गतिविधियों से कोई जुड़ाव नही है ऐसे में जब इन प्राइवेट स्कूलों का विद्यार्थियों के किसी भी गतिविधियों में कोई योगदान नही है, बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा मोबाइल में मेसेज कर, फोन कर स्कूल की फीस व अमानवीय तरीके से स्कूल के ट्रेवल की फीस भी जमा करने दवाब डाला जा रहा है। जो कि मानवीय दृष्टिकोण से पूर्णतह गलत है।अतः आपसे निवेदन है कि मानवीय आधार पर इस बात की उन पलकों को राहत दी जाये कि मार्च माह से लेकर मई माह तक कि उनकी सम्पूर्ण फीस को पूरी तरह से माफकर छूट दी जाए जो कि एक तरह से कोरोना संकट के इस विषम परिस्थिति में स्कूलों के प्रबंधन द्वारा दिया जाने वाला छूट एक तरह से दान स्वरूप यहाँ के पलकों के लिये साबित होगा।

आप प्रदेश के एक संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं और आपके द्वारा सभी वर्ग के लोगों को किसी न किसी माध्यम से राहत देने लगातार प्रयास किया जा रहा है, तो आपसे निवेदन है कि इस महत्वपूर्ण माँग को भी इस श्रेणी में सम्मिलित करते हुए प्रदेश के लाखों पलकों को राहत देने आवश्यक आदेश जारी करने का कष्ट करेंगे। मुख्यमंत्री इस माँग को पूरा करते हैं तो प्रदेश के कई लाख पलकों को इस संकट की घड़ी में राहत मिलेगी।

हथकरघा संघ ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम में सहायता के लिए 21 लाख दिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मार्यादित रायपुर ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में कोरोना वायरस के संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सहायतार्थ इक्कीस लाख रूपए की राशि जमा कराई है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने अनेक कदम उठाए हैं, राज्य में लॉकडाउन के दौरान कमजोर वर्ग के लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। राज्य शासन द्वारा मजदूरों, वेघरवार लोगों, प्रवासी मजदूरों सहित अन्य पीड़ित लोगों का हर संभव सहयोग और सहायता की जा रही है। इस कार्य में अनेक संस्थाओं, व्यक्तियों ने सहयोग देने कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री ने हथकरघा संघ को सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

राज्य सरकार की अपील : संयम और सतर्कता बरतें

■ भ्रामक सूचना फैलाई तो होगी कड़ी कार्यवाही

रायपुर। राज्य शासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि एक अप्रैल को लोगों को अप्रैल फूल बनाने में किसी भी तरह की अफवाह या भ्रमक समाचार नहीं फैलाने का आग्रह किया है। भ्रामक समाचार फैलाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य शासन ने अपील की है कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लाकड़ाउन किया गया है। सभी नागरिक अपने घरों मे रहें। कोरोना एडवाइजरी का अक्षरशः पालन करें। अति आवश्यक कार्य या राशन सामग्री की खरीदी के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित छूट समय में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सामग्री खरीदी की जाए। लॉकडाउन में धारा 144 का उल्लंघन होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक अप्रैल को आमतौर पर अप्रैल फूल दिवस ,एक-दूसरे को मूर्ख बनाने की परम्परा है परंतु वर्तमान में कोरोना संकट और लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए इस दिन कोई भी ऐसी बात या अफ्वाह नहीं फैलाई जाए जिससे लोगों को कठिनाईयों का सामना करना पड़े। प्रदेशवासी सूचनाओं के आदान प्रदान में पूरी सर्तकता और गंभीरता बरतें ।लोगों को इस बात के लिए भी जागरूक किया जाए कि अनजाने में उनकी एक गलती प्रशासन और लोगों के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। ऐसी हरकतें वर्तमान परिस्थिति में बर्दश्त नही की जा सकती। ऐसे लोगों से कड़ाई से निपटा जाएगा। इन लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए गए हैं।

न्यूज गैलरी

ओटीपी नंबर पूछकर 2 लाख 10 हजार की धोखाधड़ी

रायपुर। एटीएम कार्ड का ओटीपी नंबर पूछकर एवं कार्ड का क्लोन बनाकर फर्जीवाड़ा करने वालों की संख्या में दिनोंदिन वृद्धि हो रही है। अभनपुर थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भागीरथी सिन्हा आयु 31 वर्ष पिता सखाराम सिन्हा निवासी शिक्षक नगर अभनपुर से मोबाइल धारक मारूति गैरेज मौदहापारा ने पांच रुपये गुगल पर फोन सर्च करने के नाम पर ऑनलाइन पांच रुपये भुगतान करने की बात कही। प्रार्थी द्वारा ऑनलाइन ओटीपी नंबर आरोपी के पूछने पर बताया गया जिसके आधार पर आरोपी ने एक्सिस अभनपुर के प्रार्थी के खाते से तीन बार में 2 लाख दस हजार रुपये की राशि का आहरण कर धोखाधड़ी की। उक्त मामले में अभनपुर थाने ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला कायम किया है।

लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने से भैंस की मौत, एक घायल

रायपुर। तेज रफ्तार वाहन चालकों द्वारा आये दिन सड़क दुर्घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। अभनपुर थाने से मिली जानकारी के अनुसार सूमो क्रमांक सीजी 03 /5620 के चालक द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाकर झांकी पेट्रोल पंप के पास एक भैंस को टक्कर मारी जिसके चलते भैंस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं कुलदीप तिर्की नामक एक व्यक्ति राह से गुजरते हुए जीप द्वारा उसे ठोकर मारने पर घायल हो गया। अभनपुर थाने ने आरोपी सूमो चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 279 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

बार लायसेंस फीस अब 15 तक होगा जमा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग ने नोवल कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए वर्ष 2020-21 की बार लायसेंस की फीस जमा कराने की अवधि को 15 अप्रैल तक तक बढ़ाए जाने के साथ ही बीते 22 मार्च से लॉकडाउन की अवधि पर बार एवं क्लब के लिए मदिरा के उठाव के लिए निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत मात्रा से भी छूट प्रदान किए जाने का आदेश जारी किया है। वर्ष 2020-21 की एफएल 3, एफएल 3 क, एफएल 4 एवं एफएल 4 क हेतु निर्धारित लायसेंस फीस को जमा किए जाने हेतु लायसेंसियों को 15 अप्रैल तक का समय दिया गया है।

बेवजह तफरी करना युवक को पड़ा भारी, हुआ गिरफ्तार

रायपुर। कोरोना वायरस के चलते इस समय पूरे देश एवं प्रदेश में कड़ा लाकडाउन लगाया गया है। बार-बार प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री एवं विभिन्न माध्यमों से जिसमें प्रमुख रूप से अस्पताल के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा लोगों से स्वयं की सुरक्षा के लिए घरों में रहने के लिए कहा जा रहा है। बावजूद इस महामारी की गंभीरता को नहीं समझते हुए कुछ लोग मनमानी करने पर उतर गये हैं। सिविल लाइंस थाने से मिली जानकारी के अनुसार राजातालाब नईबस्ती निवासी जाकिर हुसैन दोपहिया वाहन से राजभवन की ओर से आता हुआ बेरिकेट पर रोका गया। पूछताछ करने पर बेरिकेट में तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा उक्त युवक से पूछताछ करने पर युवक का जवाब था वह अपनी मर्जी से घूम रहा है जो करना है कर लो। उक्त बात सुनने पर ड्यूटी में तैनात उपनिरीक्षक अजय झा ने उक्त मामले की शिकायत सिविल लाइंस थाने में की युवक के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 एवं 269 के तहत मामला कायम कर गिरफ्तार किया गया है। ज्ञातव्य है कि बार-बार पुलिस प्रशासन द्वारा बेवजह घूमने वालों को समझाइश दी जा रही है। बावजूद इसके प्रशासनिक व्यवस्था में सहयोग करने के बजाय कुछ लोग आम दिनों की तरह अपनी मनमर्जी कर महामारी को बढ़ाने पर अमादा है।

संपादकीय

धर्म नहीं पूछता कोरोना

भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 350 तक पहुंच गई है। इसके पहले प्रतिदिन 100 से 200 के बीच ही कोरोना संक्रमण के मामले सामने आते रहे है। यह पहली बार हुआ है कि एक दिन में 350 मामले सामने आए है। इसकी वजह देश की राजधानी नई दिल्ली के निजामुद्दीन की एक मस्जिद में हुआ मरकज है। जिसमें तबलीगी जमात के तीन हजार से अधिक लोग शामिल हुए थे और इसमें 200 से अधिक विदेशों से आए धर्म गुरू थे जो अपने साथ कोरोना वायरस लेकर आए थे। उनकी वजह से ही वहां के लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए और फिर विभिन्न प्रदेश में फैल गए। जिनमें से कुछ लोगों की मौत भी हो गई। अब सरकार इस मरकज में शामिल लोगों की पता साजी कर रही है। और उन्हें पकड़कर अस्पताल ले जा रही है। कुछ जगहों पर सरकार की इस कार्रवाई का भी विरोध किया जा रहा है। गौरतलब है कि देश में लॉकडाउन घोषित होने के पहले से ही नई दिल्ली की सरकार ने किसी भी कार्यक्रम में 50 से अधिक लोगों के जमा होने पर रोक लगा दी थी। किन्तु इस जमात के लोगों ने सरकार की बंदिशों को ठेंगा दिखा दिया। और अपना कार्यक्रम जारी रखा। वे यह भूल गए कि कोरोना वायरस जाति या धर्म नहीं देखता वह सभी को अपनी चपेट में ले लेता है। भारत में कोरोना का सक्रंमण फैलने के पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अनेक वीआईपी लोगों ने होली न मानाने की घोषणा की थी। ताकि कोरोना वायरस का संक्रमण न फैले पुरे देश में इस बार होली फिकी रही और लोगों ने कोरोना के खतरे को भांप कर एहतियात बरती। देश के सभी प्रसिद्ध मंदिर बंद रखे गए यहां तक की नवरात्रि पर्व भी लोगों ने अपने घर में ही मनाया। लेकिन नई दिल्ली में जहां न सिर्फ राज्य सरकार है बल्कि केन्द्र सरकार भी है। वहां मरकज के नाम पर तबलीगी जमात तमाम पाबंधियों को धता-धता रहा। दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस की चेतवानी को नजर अंदाज करता रहा। एक दिन पूर्व ही सरकार ने वहां से लगभग दो हजार जमातियों को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा है। जबकि इसके आयोजक यह झूठ बोलते रहे कि वहां बहुत ही कम संख्या में लोगा बाकी है। बहरहाल एक धर्म गुरू सहित कई लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर दिया गया है। लेकिन पूरे देश में कोरोना का खतरा बढ़ाने वाले इन जाहिलों के खिलाफ जो धाराएं लगाई गई है वह बेहद मामूली। इसके तहत उन्हें ज्यादा से ज्यादा दो साल तक की ही सजा मिल पाएगी और बहुत संभव है कि वे बड़ा वकील कर सजा पाने से भी बच जाए। सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के खिलाफ और इनकी हिमायत करने वालों के खिलाफ भी राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज करें। इसके साथ ही सरकार यह भी कानून बनाए कि आगामी एक दशक तक विदेशों से किसी भी धर्मगुरू को भारत में आकर अपने धर्म का प्रचार करने की अनुमति न मिले।

मिनी मुंबई में तेजी से बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव मामले

अस्पताल से भागा कोरोना पॉजिटिव 5 घंटे तक रहा बाहर

राजु कुमार

> इंदौर में कई जगहों पर खरीददारी के लिए लोगों की भीड़ लगती रही है। प्रशासन लगातार सख्ती बढ़ाता जा रहा है, लेकिन मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इंदौर के कई ऐसे मरीज हैं, जिन्होंने न तो विदेश की यात्रा की थी और न ही विदेश यात्रा करने वालों के सीधे संपर्क में आए थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यहां सामुदायिक स्तर पर कोरोना का फैलाव हो रहा है। जन स्वास्थ्य अभियान से जुड़े वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अमूल्य निधि का कहना है, ''सरकारी अस्पतालों में रूटीन स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन करना ही मुश्किल रहा है। अस्पताल पहले से ही ओवर लोडेड हैं। आपातकालीन बीमारियों कैंसर, दिल, किडनी के मरीजों और प्रसव कराने वाली महिलाओं की संख्या कम नहीं हो सकती हैं। इनको अस्पताल ले जाने में दिक्कत हो रही है।

मध्यप्रदेश का इंदौर शहर कोरोना को लेकर हाई अलर्ट पर है। यहां तेजी से पॉजिटिव केस बढ़ रहे हैं। इंदौर में कोरोना की रोकथाम में हुई लापरवाही ने लोगों को चिंता में डाल दिया है। शनिवार-रविवार की रात एक बड़ी प्रशासनिक लापरवाही सामने आई, जब एम.आर. टी.बी. अस्पताल से एक कोरोना पॉजिटिव मरीज और दो कोरोना संदिग्ध मरीज अस्पताल से भाग गए। इससे इंदौर में सामुदायिक स्तर पर कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इस मरीज का 5 घंटे तक खुले में बाहर रहने के कारण प्रशासन से लेकर आम जन तक चिंतित हैं। उसके संपर्क में आए लोगों की पहचान करना भी एक चुनौती है। यद्यपि वह जिन-जिन इलाकों से गुजरा है, उन इलाकों को इंदौर नगर निगम ने सैनेटाइज कर दिया और प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए इंदौर को तीन दिन के लिए पूरी तरह लॉक डाउन कर दिया। इस दरम्यान जरूरी सेवाओं के लिए भी लोगों को घर से बाहर नहीं निकलना हैं। जरूरी सेवाओं घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

मध्यप्रदेश में सबसे पहले जबलपुर में कोरोना के केस आए थे। उसके बाद भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी और फिर इंदौर व उज्जैन में पॉजिटिव केस सामने आए। अन्य जगहों पर पॉजिटिव केस बहुत ही कम हैं, लेकिन इंदौर में बहुत तेजी से मामले सामने आए और यहां के अस्पताल में दो मरीजों की मौत भी हो गई है। अभी तक प्रदेश में सामने आए आधे से ज्यादा मामले इंदौर के हैं। इंदौर में लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के लिए अधिकारियों की विशेष टीम का भी गठन किया था। ऐसे में अस्पताल से मरीज के भागने जैसी लापरवाही चौंकाने वाली है। प्रारंभिक पूछताछ में मरीज ने बताया कि वह अस्पताल की अव्यवस्था से नाराज था। उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा

था। इस पॉजिटिव मरीज के अलावा दो अन्य संदिग्ध मरीज भी भाग गए थे, जिसमें से एक खुद अस्पताल वापस आ गया और दूसरे संदिग्ध को प्रशासन ने पकड़ कर अस्पताल पहुंचाया।

इस लापरवाही से पहले इंदौर में एक और बड़ी लापरवाही 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दिन भी देखने को मिली थी, जब दिन भर घरों में रहने के बाद शाम 5 बजे कई चौराहों पर लोग इकट्ठा होकर थाली, ताली और शंख बजाने लगे थे। सड़कों पर बढ़ती भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने डंडे की फटकार भी लगाई थी। 28 मार्च को मुख्यमंत्री ने इंदौर कलेक्टर और पुलिस उप महानिरीक्षक का तबादला भी कर दिया है। इसके लिए उस दिन की प्रशासनिक लापरवाही को भी कारण बताया जा रहा है। उस घटना पर वरिष्ठ पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्र का कहना है, ''22 मार्च को इंदौर में 5 बजे के बाद ऐसा नजारा था, मानो कोरोना पर विजय मिल गया है। मोदी भक्ति में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं सहित आम लोगों ने भी शहर को जोखिम में डालने का काम किया था। लोग न तो इस वायरस की गंभीरता को समझ रहे हैं और न ही इसे वैज्ञानिक ढंग से समझने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में लॉक डाउन के बावजूद अलग-अलग कारणों से इंदौर में जुटती भीड़ खतरे को बढ़ा रही है।''

इंदौर में कई जगहों पर खरीददारी के लिए लोगों की भीड़ लगती रही है। प्रशासन लगातार सख्ती बढ़ाता जा रहा है, लेकिन मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इंदौर के कई ऐसे मरीज हैं, जिन्होंने न तो विदेश की यात्रा की थी और न ही विदेश यात्रा करने वालों के सीधे संपर्क में आए थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यहां सामुदायिक स्तर पर कोरोना का फैलाव हो रहा है।

जन स्वास्थ्य अभियान से जुड़े वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अमूल्य निधि का कहना है, ''सरकारी अस्पतालों में रूटीन स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन करना ही मुश्किल रहा है। अस्पताल पहले से ही ओवर लोडेड हैं। आपातकालीन बीमारियों कैंसर, दिल, किडनी के मरीजों और प्रसव कराने वाली महिलाओं की संख्या कम नहीं हो सकती हैं। इनको अस्पताल ले जाने में दिक्कत हो रही है। हार्ट अटैक में कोई क्या करें। इनके सबके लिए सरकार ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की है।

जब ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, तो उन्हें दुविधाओं का सामना करना पड़ता है कि वे पहले कोरोना का मरीज देखें या फिर इन इमर्जेंसी मामलों को देखें। ऐसे में किसी मरीज पर कम ध्यान दे पाना एक स्वाभाविक घटना हो सकती है। सरकार कोरोना को लेकर रोज हेल्थ बुलेटिन निकाल रही है, लेकिन उसमें यह जिक्र ही नहीं है कि कितने मैन पावर बढ़ाए गए, कितनी अधोसंरचना विकसित की गई और सेवाओं में किस तरह का सुधार किया गया है। रीवा एवं कटनी जिले से सूचना आ रही है कि वहां स्वास्थ्य कर्मियों के लिए मास्क तक नहीं हैं। ऐसे मौके पर सरकार द्वारा किए जा रहे तबादला और पदस्थापना भी सही नहीं है, क्योंकि इसका भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। सरकार को केरल का मॉडल अपनाना चाहिए और सरकारी एवं गैर सरकारी दोनों स्तर पर समन्वय होना चाहिए।'' **(संवाद)**

विचार

कोरोना और घरेलू नुस्खे

भारत की केंद्रीय सरकार और प्रांतीय सरकारें जिस मुस्तैदी से कोरोना-युद्ध लड़ रही हैं, वह हमारे सारे दक्षिण एशिया के राष्ट्रों के लिए अनुकरणीय है। मुझे खुशी है कि अब हमारे सरकारी टीवी चैनलों ने शरीर की प्रतिरोध-शक्ति बढ़ानेवाले घरेलू नुस्खों का प्रचार शुरु कर दिया है। यह बात मैं तालाबंदी की घोषणा के पहले से लिख रहा हूं और टीवी चैनलों पर बोल रहा हूं। मेरे पारिवारिक सदस्यों और मुझे फोन करनेवाले सभी मित्रों से मैं कह रहा हूं कि आप काढ़ा बनाइए। उसमें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अदरक, निंबू, तुलसी, हल्दी, दालचीनी, काली मिर्ची, गिलोय, नीम, जीरा शहद आदि डालकर खूब उबालिए। फिर घर के सभी सदस्यों और नौकरों-चाकरों को आधा-आधा कप पिला दीजिए। यह काढ़ा किसी भी संक्रामक जीवाणु से लड़ने में आपकी मदद करेगा। वह कोरोना हो या उसका बाप हो। इससे आपको किसी भी प्रकार की हानि तो हो ही नहीं सकती। इसी आधार पर मेरा अंदाज है कि भारत में कोरोना उसी तरह नहीं फैल सकता, जैसा कि वह इटली, फ्रांस, अमेरिका और स्पेन में फैला है। इन देशों में पिछले पचास साल में कई बार जाकर मैं रहा हूं। इन देशों के खाने में हमारे मसालों का उपयोग नहीं के बराबर होता है। हमारे मसाले ही हमारी औषधि हैं। हमारे गांवों के गरीब और आदिवासी भी इन मसालों से भली-भांति परिचित हैं। इन्हें घरेलू नुस्खे कहा जाता है। मुझे खुशी है कि केरल से कश्मीर तक सारी सरकारें बाहरी मजदूरों के खाने और रहने के इंतजाम में पूरी तरह जुटी हुई हैं। लेकिन इसके बावजूद वे हजारों की संख्या में अपने गांवों की तरफ भाग रहे हैं। वे सिर्फ खाने और सोने के लिए ही नहीं, अपने परिजनों के साथ यह डरावना समय बिताने के लिए भाग रहे हैं। इसीलिए मैंने कहा था कि सिर्फ तीन दिन के लिए इन लगभग पांच करोड़ प्रवासी मजदूरों को रेलों और बसों की सुविधा दे दी जाए। कुछ मुख्यमंत्रियों ने इस सुझाव पर अमल करना शुरु भी कर दिया था। अब ये लोग पुलिस के डर के मारे शहरों में ही टिके रहेंगे। पता नहीं, अब क्या होगा ? सरकार ने यह बड़ा जुआ खेल लिया है। केंद्र सरकार ने यह अच्छी घोषणा कर दी कि यह तालाबंदी तीन महिने के लिए नहीं है। इसी डर के मारे लोग अपने गांवों की तरफ भाग रहे थे और सर्वत्र जमाखोरी शुरु हो गई थी। यदि हमें कोरोना को हराना है तो लोगों के दिल से डर को पहले हटाना है।

कोविद -19 और हम सब कुछ बदल जाने वाला है

दीपा पुंजानी

> एक दिन में 14 घंटे का देशव्यापी कर्फ्यू रामबाण नहीं हो सकता। वर्तमान लॉकडाउन कितना प्रभावी होगा, अभी देखा जाना बाकी है। सरकार ने वायरस के हमले की तैयारी में काफी समय गंवा दिया, जिसमें हमारे डॉक्टरों और हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षात्मक कवर का प्रावधान करना शामिल था। यहां तक कि हमारे स्वच्छता कर्मचारियों को भी संरक्षित करने की आवश्यकता है। डॉक्टरों के लक्षण और अभी भी काम करने के लिए मजबूर होने की खबर, असहाय प्रवासियों को अपने मूल स्थानों पर लंबे समय तक चलने के जोखिम, सिस्टमिक विफलता को उजागर करने वाले दो उदाहरणों में से हैं। गोवा में, आवश्यक वस्तुओं को लॉकडाउन में तीन दिनों के बाद उपलब्ध कराया गया था। बंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। अन्य जगहों पर, आपूर्ति श्रृंखला के टूटने और पुलिस द्वारा लक्षित की जा रही डिलीवरी की शिकायतें हैं। अन्य मानव अधिकारों का उल्लंघन चरम पर हैं।

कोविद -19 ने जो मानवीय संकट पैदा किया है, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। इसने भविष्य के लिए हमारी दुनिया बदल दी है और सामान्य स्थिति बहाल होने के बाद भी इसकी गूँज गूंजती रहेगी। एक समाज के रूप में हम आदेशों का पालन करने में बहुत निपुण हो गए हैं। वे अब आदेशों की तरह होते भी नहीं हैं। उन्हें अनुरोधों और विकल्पों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन हमें खुद को मूर्ख नहीं बनाना चाहिए। जब 1.3 बिलियन लोगों का देश कोविद -19 के प्रकोप की प्रतिक्रिया के रूप में खुद पर जनता कर्फ्यू लगाता है, तो स्वास्थ्य की तुलना में कुछ अधिक दांव पर है। अब, जैसा कि हम 21-दिवसीय लॉकडाउन से गुजर रहे हैं जो कर्फ्यू से बोलने में अलग लगता है, पर प्रभाव के लिहाज से अलग नहीं हैं। हमें वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सुरक्षा सावधानियों के प्रति उतना ही सतर्क रहने की आवश्यकता है, जितना कि हमें अपने अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए, मुख्य रूप से जीवन और स्वतंत्रता के हमारे अधिकार के बारे में।

यहां तक कि अगर ये उचित प्रतिबंध के संकेत के साथ आते हैं, तो कल्पना की कोई भी खिंचाव जनता कर्फ्यू 'के दिन और अब वर्तमान लॉकडाउन में बताई गई पुलिस क्रूरता के उदाहरणों को सही नहीं ठहरा सकती है। हमारे समाज के कई हाशिए के तबके के लोग खामियाजा भुगत रहे हैं। कोई भी व्यक्ति जो इन उपायों की विलुप्ति के बारे में क्षमाप्रार्थी है या उच्च-तीक्ष्णता के साथ इसका समर्थन करता है, या जो दावा करता है कि सरकार के पास असीम ज्ञान है और वह जानता है कि जो सबसे अच्छा है, उसने स्वेच्छा से उन सिद्धांतों के साथ भागीदारी की है जो हमारे सभ्य समाज के कामकाज के लिए पवित्र हैं और लोकतंत्र के लिए भी। सरकार ने कभी नहीं सोचा कि बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और बुनियादी सुविधाओं के लिए वे वास्तव में कितने तनाव में हैं। हमारी संगरोध सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं और फिर भी लोगों को हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में एक चरम अविश्वास के साथ भय उभरने वाले अपने कार्यों के लिए दंड और अपशगुन का सामना करना पड़ता है।

कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने की आवश्यकता है - इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन सामाजिक हस्तक्षेप सहित कोई भी हस्तक्षेप, जो एक चर्चा का विषय बन गया है, अलगाव में नहीं हो सकता है, या इससे भी बदतर, भव्यता,

अनुचित भय की अभिव्यक्ति के रूप में नहीं हो सकता है, जो सोशल मीडिया पर झूठ और अर्ध-सत्य द्वारा उकसाया जा रहा है। स्व-संगरोध निवारक संगरोध एक लक्जरी है जिसे हमारे अधिकांश लोग बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं या इसे संभव भी नहीं कर सकते हैं। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को और परीक्षण करने चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। हमारे घनी आबादी वाले देश में, हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुसज्जित, मजबूत, सस्ती और यहां तक कि जहां आवश्यक हो, मुफ्त होने की आवश्यकता है। आने वाले महीनों में व्यवधानों से निपटने के लिए हम तैयार नहीं हैं। बहुत खराब परिस्थितियों में रहने वाली गरीब आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाली है।

एक दिन में 14 घंटे का देशव्यापी कर्फ्यू रामबाण नहीं हो सकता। वर्तमान लॉकडाउन कितना प्रभावी होगा, अभी देखा जाना बाकी है। सरकार ने वायरस के हमले की तैयारी में काफी समय गंवा दिया, जिसमें हमारे डॉक्टरों और हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षात्मक कवर का प्रावधान करना शामिल था। यहां तक कि हमारे स्वच्छता कर्मचारियों को भी संरक्षित करने की आवश्यकता है। डॉक्टरों के लक्षण और अभी भी काम करने के लिए मजबूर होने की खबर, असहाय प्रवासियों को अपने मूल स्थानों पर लंबे समय तक चलने के जोखिम, सिस्टमिक विफलता को उजागर करने वाले दो उदाहरणों में से हैं। गोवा में, आवश्यक वस्तुओं को लॉकडाउन में तीन दिनों के बाद उपलब्ध कराया गया था। बंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। अन्य जगहों पर, आपूर्ति श्रृंखला के टूटने और पुलिस द्वारा लक्षित की जा रही डिलीवरी की शिकायतें हैं। अन्य मानव अधिकारों का उल्लंघन चरम पर हैं।

असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र पहले से ही बुरी तरह प्रभावित हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं और घोषित कल्याणकारी पैकेज पर्याप्त होने की संभावना नहीं है। इससे भी बदतर, यहां तक कि औपचारिक अर्थव्यवस्था को कुछ क्षेत्रों को दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित होने के बाद ठीक होने में लंबा समय लगेगा। हम आसानी से भूल जाते हैं कि हमारे पर्यावरण अधिकार मानव अधिकार हैं। जब आदिवासी और कार्यकर्ता इन अधिकारों के लिए लड़ने के लिए खड़े होते हैं तो उन्हें अक्सर राज्य मशीनरी द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया जाता है। हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकार हमारे पर्यावरण और भूमि अधिकारों से जुड़े और अविभाज्य हैं। गहरी असमानता और सामाजिक अन्याय का सीधा संबंध स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल और भूमि के संसाधनों से संभव नहीं है, जो कि जंगल या खेत में हो। इसके अलावा, भरोसेमंद सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच न होना स्थिति को और खराब करता है। आज जब कोविद -19 ने हमारे विश्व व्यवस्था को झकझोर रखा है, तो हमें यह सोचने की जरूरत है कि ये चीजें कितनी जटिल हैं। **(संवाद)**

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कोरोना से जंग नही आसान इतना तो

कोरोना से जंग नही आसान इतना तो हल्के में मत लीजिए, कलयुगी रावण महामारी लिए लक्ष्मण रेखा पार मत कीजिए । जान है तो जहां है, जानते सब नजदीकियों के दर्द,आफत जानिए, मुफलिसों पर मरहम, सब चाहते दिहाड़ी पलायन,सियासत न कीजिये। **सुरेश वैष्णव**

जब से तुमसे मैं घिरा हूं, मुश्किलों में ही

जब से तुमसे मैं घिरा हूं, मुश्किलों में ही फंसा हूं । दुनिया से क्या लेना

मुझको, तेरी जुल्मों पे फ़िदा हूं । तुम हवाओं के शिवाले, मैं चरागों का खुदा हूं । ज़ीस्त की कश्ती में बैठे, मौत की मैं सोचता हूं । मरने से पहले सितमगर, तेरा दर्शन चाहता हूं ।
डा: संजय दानी

ख़ास पाती | बेवजह घर से निकलने की ज़रूरत

बेवजह घर से निकलने की ज़रूरत क्या है..? मौत से आंख मिलाने की ज़रूरत क्या है ? सबको मालूम है बाहर की हवा है क़ातिल... यूँ ही क़ातिल से उलझने की ज़रूरत क्या है ?? ज़िन्दगी एक नियामत है, इसे सम्हाल के रख... श्मशानों को सजाने की ज़रूरत क्या है ??? दिल बहलने के लिए घर मे वजह हैं काफ़ी... यूँ ही गलियों मे भटकने की ज़रूरत क्या है ???? घर मे रहिये सुरक्षित रहिये आप का जीवन अनमोल है।। **रितु दुबे**

बहुत खुशनसीब है हम की हमें हमारे

बहुत खुशनसीब है हम की हमें हमारे घर मे लॉक डाउन किया गया है, विश्व का पहला लॉक डाउन सीता जी का हुआ था जब रावण ने अशोक वाटिका में उन्हें कैद किया। एक तिनके के सहारे माँ सीता ने वो दिन कैसे व्यतीत किये होंगे। जहाँ न राम का संदेश था न कोई सुविधा। पूरा 12 महीने यानी एक साल तक,तिनके को भाई मान कर माँ ने वो दिन निकाले ये तो 21 दिन है निकल ही जायेंगे। धैर्य रखें और ईश्वर भजन करें। **संध्या चतुर्वेदी**

छत्तीसगढ़ी में एक कहावत हे घुरवा

छत्तीसगढ़ी में एक कहावत हे घुरवा के दिन बहुरथे मैंने बहुत पहले भविष्यवाणी की थी कि देख लेना रोड किनारे की जमीन दो कौड़ी का भी नहीं रहेगा सड़क से दूर की जमीन की कीमत अनमोल हो जायेगा। मुझे लगता है कि इस बात को मैं जिते जी ही देख लूंगा जबकि मेरी उम्र नौ जुलाई दो हजार बीस में पैंसठ वर्ष की हो जायेगी.....। **रमेश वर्मा**

तोड़ के रख देगी तेरी यह जुदाई

तोड़ के रख देगी तेरी यह जुदाई मुझको सोचा न था मिलेगी इस कदर बेवफाई मुझको आबादी के झुरमुट में इस कदर खुदको तन्हा पाया गले लगाने आई है आज फ़क़त पुरवाई मुझको। **सोनिया राय**

त्रिशंकू महानगरों के बीच दम तोडते

त्रिशंकू महानगरों के बीच दम तोडते सपने त्रिशंकू सा जीवन न गाँव का बांशिदा न शहर का हाथ के छाले लग गये ताले ओसरे पर फुटपाथ पर बढती आबादी खेतों में बंजरता पसरी जवान आते सपनों की कीमत चुकाते बूढ़े लौटते बिना लाठी के सहारे महानगरों की सडके लबरेज है गाँव की पसीने से गाँव की खेती सोई है खामोशी से। **सरिता सैल**

अफ़सोस है कि कुछ लोग ऐसे वक्त

अफ़सोस है कि कुछ लोग ऐसे वक्त में भी राजनीति कर रहे, और प्रधानमंत्री की कमियां गिना रहे,,,, ऐसे लोगों से एक सवाल है कि वो खुद क्या कर रहे हैं, देश और समाज के लिए,??? संकट की घड़ी में सबकी समान जिम्मेदारी होती है, मिलकर देश और समाज के लिए काम करना होता है, न कि सामने वाले के किये कार्यों में कमी निकालनी होती है !! **उपासना पाण्डेय दीक्षित**

कहते हैं की अगर हम एक हाथ

कहते हैं की अगर हम एक हाथ से दान देते हैं तो हमारे दूसरे हाथ को भी पता नहीं चलना चाहिए ,किन्तु यहां तो मानो लगता है जैसे कोई प्रतियोगिता चल रही है । ईस्वर सद्बुद्धि दें ऐसे लोगों को । गुप्त दान में यदि आप 1रुपया भी देते है तो उसका अलग ही आनद है किंतु गर उसी को दिखा कर देते हो तो उस दान का महत्व ही नही रह जाता । **संजय कुमार गिरी**

QUIZ TIME

1) किस राज्य सरकार द्वारा स्कूली छात्रों के लिए 'मधु ऐप्प' लॉन्च किया गया?
(क) बिहार (ख) पंजाब (ग) ओडिशा

2) FSSAI द्वारा किस रेलवे स्टेशन को देश का प्रथम 'ईट राइट स्टेशन ' प्रमाणित किया गया है? (पटना / मुम्बई सेण्ट्रल)

3) किसको भारत में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान के रूप में चुना गया है?

4) भारत का पहला डिजाइन विकास केन्द्र 'फैशनोवा' कहाँ लॉन्च किया गया?

5) पुरस्कार का नाम बताए जिसे गणित के क्षेत्र में दिया जाता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) ओडिशा (2) मुम्बई सेण्ट्रल (3) श्री माता वैष्णो देवी श्राइन (4) सूरत (5) फील्ड्स मेडल पुरस्कार

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में दो अप्रैल की प्रमुख घटनाएँ इस प्रकार हैं... 1559- इटली के जेनोआ क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया। 1679- मुगल शासक अकबर ने जजिया कर समाप्त किया। 1720 - पेशवा बालाजी विश्वनाथ का निधन। 1849- ब्रिटिश पंजाब की स्थापना हुई। 1891- गोवा के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी टी. बी. कुन्हा का जन्म। 1902- लॉसएंजिल्स में पहला मोशन पिक्चर थियेटर खुला। 1902- शास्त्रीय गायक बड़े गुलाम अली ख़ाँ का जन्म। 1905- मिस्र की राजधानी काहिरा और दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर के बीच रेल यातायात शुरू हुआ। 1921- प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपने नए सापेक्षता के सिद्धांत विषय पर न्यूयार्क शहर में व्याख्यान दिया।

निगम क्षेत्र के वॉलिंटियर पहुंचा रहे हैं घरों तक सामान

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। लॉक डाउन होने के कारण जो व्यक्ति घरों से बाहर नहीं निकल कर पा रहे हैं तथा जिन्हें राशन दवाई एवं सब्जियों की अत्यंत आवश्यकता है वह अब इस कार्य के लिए नियुक्त जोन के नोडल अधिकारी तथा वॉलिंटियर को सीधे संपर्क कर ऐसी सामग्री या प्राप्त कर सकते हैं। वॉलिंटियर के कार्य में कुछ महिलाएं भी शामिल है जो इस कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रही है। जैसे ही लोगों से मांग की सूची प्राप्त होता है वैसे ही वॉलिंटियर तत्काल रुप से सेवा देने के लिए सतर्क हो जाते हैं और सामग्री घरों तक पहुंचा देते हैं। लोगों ने भी कहा शुक्रिया वॉलिंटियर इस कठिन परिस्थिति में घर पहुंच सेवा मिल रही है। क्षेत्र में वॉलिंटियर सक्रिय रुप से कार्य कर रहे हैं। जोन क्रं. 1 क्षेत्र के जुनवानी मकान क्रं.19 के भागा बाई साहू के यहां दवाई, आर्यनगर कोहका एवं नेहरू नगर ब्लॉक नंबर 27 में राशन सामग्री, नेहरू नगर पूर्व में केके श्रीवास्तव के यहां सूखा राशन, सुपेला में चंदा कोटवानी के यहां राशन, जुनवानी ग्रीन वैली में सुरेश शर्मा के यहां राशन, वार्ड 8 मे सब्जी, वार्ड क्रं. 12 में जरूरतमंदों को खाना वितरण, राधिका नगर में राशन सामग्री। इसी प्रकार जोन क्रमांक 2 क्षेत्र में वार्ड 10 शांति नगर में सब्जी, वार्ड क्रं. 26 में राशन, जोन क्रं. 3 क्षेत्र के सेक्टर 2 में राशन सामग्री, वार्ड क्रं.50 एवं वार्ड क्रं.23 में राशन सामग्री पहुंचाई गई। जोन क्रं. 4 क्षेत्र के खुर्सीपार में ठेला चलाने वाले लोगों को वॉलिंटियर के द्वारा राशन पहुंचाया गया। जोन क्रं. 5 क्षेत्र के वार्ड क्रं. 65 सड़क नंबर 29, वार्ड नंबर 67 सेक्टर 2 एवं सेक्टर 6 में राशन सामग्री वालंटियर द्वारा पहुंचाई गई। इसके अलावा भी अन्य स्थलों पर लोगों की मांग अनुसार अति आवश्यक सामग्री पहुंचाने का कार्य वॉलिंटियर के द्वारा किया जा रहा है। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले विभिन्न जोन क्षेत्रों के रहवासियों के लिए जो लॉक डाउन होने के कारण घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे बुजुर्ग है। असहाय है या बाहर से आकर रह रहे हैं और कोई सामग्री या दवाइयां लाने वाला नहीं है ऐसे जरूरतमंदों को होम डिलीवरी के माध्यम से सामग्री पहुंचाने का कार्य निगम क्षेत्र में नियुक्त किए गए वॉलिंटियर कर रहे हैं। जो कि पार्षदों के माध्यम से उनसे समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। पार्षदों को भी वॉलिंटियर की सूची प्रदान कर दी गई ताकि जरूरतमंदों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इसके अतिरिक्त इससे फीडबैक लेने के लिए तथा मानिटरिंग करने के लिए लिए प्रत्येक जोन क्षेत्र के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। होम डिलिवरी की सुविधा प्रदान करने जोन क्रं. 1 क्षेत्र के लिए रेवती रमन शर्मा, जोन क्रं.2 क्षेत्र के लिए श्वेता वर्मा, जोन क्रं.3 क्षेत्र के लिए पुरुषोत्तम सिन्हा, जोन क्रं.4 क्षेत्र के लिए शंकर सुमन मरकाम तथा जोन क्रमांक 5 क्षेत्र के लिए श्वेता महेश्वर पर भी संपर्क कर सकते हैं। वॉलिंटियर को कार्य के दौरान उन्हें मास्क पहने सुरक्षा उपायों को अपनानेए समय.समय पर हाथ को बार बार धोने लोगों से दूरी बनाए रखने की हिदायत दी गई है।

गरीब, भूखे को चिन्हित कर पहुँचाएं भोजन : वोरा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने आज निगम कार्यालय में वार्डो से उपस्थित होने वाले जनप्रतिनिधियों को उनके द्वारा दिए गए संख्या के अनुसार उन्हें उनके वार्डो के गरीब परिवारों व भूखे लोगों के लिए भोजन वितरण किया। इस दौरान अधिकारियों से कहा पूरे 60 वार्डो में ऐसे असहाय और मजदूर रहते है जो लॉकडाउन में यहाँ तक नहीं आ सकते है। उनके वार्ड पार्षदों से उनकी संख्या प्राप्त कर चिन्हित करें और उन तक भोजन पहुँचाने की व्यवस्था रखें। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों से कहा लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंस का पालन करें। उन्होंने कहा कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जारी लॉकडाउन में सभी प्रकार की सेवाएं बंद हैं। हम जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि हमारे वार्ड का कोई भी नागरिक, मजदूर भूखा ना रहें। उनके परिवार को अनाज राशन प्राप्त हो। निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन के निर्देशानुसार अधिकारी कर्मचारी भोजन वितरण करने बैठे हैं। पार्षद अपने वार्ड के ऐसे लोगों की सूची और संख्या निगम अधिकारी के पास दिये है, जिसके आधार पर गरीब लोगों के लिए भोजन प्राप्त कर सकते है। आज नयापारा वार्ड, राजीवनगर, किल्लामंदिर वार्ड, गिरधारीनगर, मोहननगर वार्ड 13, गायत्री मंदिर वार्ड 25, पोलसायपारा वार्ड 27, पचरीपारा, आजाद, कसारीडीह, गुरुघासीदास वार्ड, उरला वार्ड 58 सहित 1500 लोगों के लगभग गरीबों को आज यहाँ से भोजन वितरण किया गया।

न्यूज गैलरी

सांसद सरोज ने दी एम्स के डॉक्टरों को बधाई

भिलाई। राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय ने छग एम्स में कोविड.19 के दो मरीजों के सकुशल स्वस्थ होने पर सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को बधाई दी है। एम्स छत्तीसगढ़ की केंद्रीय प्रतिनिधि एवं सांसद पाण्डेय ने सभी चिकित्सक व कर्मचारियों को कहा कि इस महामारी से लड़ने में आपका योगदान अतुलनीय है और हम सभी आपके अपने कार्य के प्रति समर्पण से कृतज्ञ हैं। इस महामारी से लड़ने में विशेष रूप से डॉ अजय बेहरा, डॉ अतुल जिंदल तथा डॉ संजय नेगी तथा नर्सिंग स्टाफ में शांता टोप्पो योगदान महत्वपूर्ण रहा है सभी के योगदान से कोविड.19 के अन्य मरीज़ों के भी जल्द से जल्द सकुशल होने की कामना करती हूँ राज्य सरकार अपनी ओर से जनता के लिए आवश्यक वस्तु की पूर्ति करेगी इसलिए राज्य सरकार के निर्देशों का भी पालन करना है।

पूर्ण तरीके से बंद हो शराब : खिलेश

दुर्ग। पूरे भारत मे कोरोना वाइरस संक्रमण के मद्देनजर 14 अप्रैल तक लॉकडाउन की घोषणा की गयी थी जो की एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। पूरे देशवासियों के लिए जिसका पालन भारत के सभी राज्य एलअर रहे है। इसी कड़ी मे भीड़भाड़ वाले इलाके मे कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए शराब दुकानों को भी 14 अप्रैल तक बंद है। जिला उपाध्यक्ष शिवसेना खिलेश निर्मलकर ने मुख्यमंत्री से अपील की है 25 दिन तक यंहा की जनता जब बिना पिये रह सकती है तो नशा मुक्ति केंद्र भेजकर या धीरे-धीरे बंद करने वाली बात उचित होगा।

बीएसपी ब्लास्ट फर्नेसों ने वित्त वर्ष 2019- 20 में दर्ज किए नए रिकॉर्ड

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। वित्तवर्ष 2019-20 में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग ने न केवल अपने नए ब्लास्ट फर्नेस-8 से उत्पादन में कुछ नए मापदंड स्थापित किए हैं, बल्कि सुधार के लिए एक सतत प्रक्रिया के माध्यम से तकनीकी-आर्थिक मापदंडों में महत्वपूर्ण सुधार किया है। वित्तवर्ष 2019-20 में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने अपने वार्षिक 2.36 मिलियन टन हॉट मेटल का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। जो पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 के 1.82 मिलियन टन के उत्पादन से कहीं अधिक है। ब्लास्ट फर्नेस-8 ने वित्तवर्ष 2018-19 में हासिल किए गए 525 किलोग्राम, प्रति टन हॉट मेटल (टीएचएम) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करते हुए, हॉट मेटल के 450 किलोग्राम/प्रति टन हॉट मेटल (टीएचएम) के सर्वश्रेष्ठ वार्षिक कोक दर भी प्राप्त किया। बीएफ8 ने अपने सर्वश्रेष्ठ वार्षिक कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) दर 66.8 किग्रा/टीएचएम हासिल किया, जो पिछले वित्तवर्ष 2018-19 में हासिल की गई 16 किग्रा/टीएचएम की सर्वश्रेष्ठ सीडीआई दर से कहीं अधिक है। भिलाई इस्पात संयंत्र का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने मार्च 2020 में 219570 टन सर्वश्रेष्ठ मासिक हॉट मेटल उत्पादन करने की उपलब्धि हासिल की है। इसके पूर्व जनवरी 2020 में 217278 टन सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड था।

संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेसों ने वित्तवर्ष 2019-20 में तकनीकी-आर्थिक मापदंडों को बनाए रखते हुए वार्षिक कोक दर 463 किलोग्राम प्रति टन प्राप्त किया, जो पिछले वित्तवर्ष 2008-09 में हासिल की गई कोक दर 491 किलोग्राम/टीएचएम से कम रहा। संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस ने वार्षिक सीडीआई दर 61 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल दर्ज की, जो पिछले वर्ष की सीडीआई दर 42 किलोग्राम/टीएचएम थी, जिसे वित्तवर्ष 2014-15 में हासिल किया गया था। ब्लास्ट फर्नेस ने वार्षिक हॉट ब्लास्ट टेम्परेचर 1000 डिग्री सेंटीग्रेट का रिकॉर्ड हासिल किया है, जो कि पिछले वर्ष के हॉट ब्लास्ट टेम्परेचर 971 डिग्री सेंटीग्रेट से अधिक है, जिसे वित्तवर्ष 2002-03 में हासिल किया गया था। ब्लास्ट फर्नेस-8 एवं अन्य ब्लास्ट फर्नेसों के प्रचालन और रखरखाव कर्मियों तथा सहयोगी विभागों और अन्य सहायक एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों ने उत्पादन और उत्पादकता के रिकॉर्ड बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

भवन निरीक्षण कर किया अधिग्रहित

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के पहल पर आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर निगम अधिकारियों ने निगम क्षेत्र के कंवर समाज भवन, परमेश्वरी भवन एवं कर्मा भवन का निरीक्षण कर उसे लॉकडाउन तक के लिए अधिग्रहित किया ताकि वहां क्षेत्र के बेघर, घुमंतु एवं बाहर से आए व्यक्ति जिनका रहने का ठिकाना नहीं है तथा जो लॉकडाउन के कारण फंसे है उनके रहने एवं भोजन का कोई साधन नहीं है ऐसे लोगों को वहां ठहराया व भोजन की व्यवस्था की जा सके। जोन आयुक्त रमाकांत साहू ने सभी पूर्व पार्षदों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, स्वच्छता दीदियो एवं सामाजिक संस्थाओं एवं वार्डों के जागरूक नागरिकों से अनुरोध किया है कि उनके आस पास जो भी बेघर, घुमंतु एवं बाहर से आये ऐसे व्यक्ति जिनका रहने को कोई ठिकाना नही है तथा जो लॉकडाउन के कारण यहां फंसे हुए है, उनकी जानकारी तुरंत निगम को दे ताकि निगम उनके रहने, खाने पीने की व्यवस्था कर सके।

बाजार क्षेत्रों को किया सैनिटाइज

दुर्ग। निगम द्वारा शंकर नगर, गायत्री मंदिर वार्ड, मीलपारा वार्ड, गांधी चौक, हटरी बाजार क्षेत्र को टैंकर से दवाई का छिड़काव कर वार्ड को सेनेटाइज किया। वहीं विभिन्न वार्डो में उपयोग हो रहे सार्वजनिक शौचालयों को सेनेटाइज किया। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त द्वारा स्वास्थ्य विभाग, कर्मशाला विभाग को निर्देशित किया गया है कि वार्डो को सेनेटाइज करते समय वार्ड पार्षद को सूचित कर उनके बताए स्थानों पर दवाई का छिड़काव कराए। अनेक वार्डो का सुलभ शौचालय, सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग हो रहा है।

मजदूर परिवारों को राशन व राहत राशि दे सरकार : जंघेल

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। रायपुर नाका वार्ड 47 व 48 में रहने वाले गरीब मजदूरों के परिवारों को सरकारी दुकानों से मुफ्त राशन और आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष देवकुमार जंघेल ने कलेक्टर को पत्र भेजकर कहा है कि इन दोनों वार्डो मे उड़ीसा मूल के सैकड़ों परिवार निवास करते हैं। ये परिवार रोजी.मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। लॉकडाउन के कारण इन परिवारों की आमदनी का कोई जरिया नहीं है। जंघेल ने कहा कि रिक्शा चालाकर या मजदूरी करके जीवन यापन करने वाले कई परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है।

इन परिवारों को तत्काल राहत राशि और सरकारी राशन दुकानों से राशन दिलाना जरूरी है। लॉकडाउन के एक हफ्ते बाद इन गरीब मजदूरों के घर पर रखा सीमित राशन खत्म हो चुका है। जंघेल ने हर परिवार को कम से कम दो हजार रूपए की राहत राशि देने और राशन दुकान से चावल व अन्य सामग्री मुफ्त में दिलाने की मांग की है।

तीन माह की स्कूल फीस न लेने जिलाध्यक्ष तुलसी ने की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। जिलाध्यक्ष तुलसी साहू ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर आगामी शैक्षणिक सत्र को जुलाई माह से प्रारम्भ करने की मांग की है। कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश और प्रदेश लाक डाउन होने के कारण बाजार और यातायात के साधन प्रभावित है। बसे बंद है दुकानें बंद है न पुस्तके और न कापी स्टेशनरी के समान उपलब्ध है। ऐसे में छात्र स्कूल कैसे जा सकेंगे और बिना कापी किताब के कैसे पढ़ाई कर सकेंगे। इस स्थिति में निजी शैक्षणिक संस्थाए अप्रैल माह में स्कूल प्रारम्भ कर मोबाईल के माध्यम से अध्ययन प्रारम्भ करने और स्कूल फीस वसूलने की तैयारी में है। लॉक डाउन की वजह से कारोबार और रोजगार के साधन बंद होने के कारण गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के सामने भरण पोषण की समस्या विकराल हो गई है। गरीब अभिभावकों के सामने स्कूल की फीस पटाने की समस्या खड़ी हो गई है। जब कोरोना जैसे संक्रमित बीमारी से राहत नही मिलती तब तक शैक्षणिक सत्र बंद रखने की मांग मुख्यमंत्री से की गई है। ऐसे स्थिति में अप्रैल, मई और जून माह की फीस स्कूल वाले न ले सके इसके लिए मुख्यमंत्री तत्काल प्रभाव से प्राचार्यो को आदेश जारी करे। ताकि गरीब परिवार को इस संकटकाल की स्थिति में राहत मिल सके। पत्र के माध्यम से कक्षा पहली से 8वीं, 9वीं और 10वीं के छात्रों को जनरल प्रमोशन देने के लिए धन्यवाद दिया है।

कोरोना वायरस के अपील का व्यापक असर

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। विश्वव्यापी कोरोना महामारी से प्रभावित जरुरतमंद एवं गरीब मजदूरों को राशन सामग्री उपलब्ध कराने नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू के अपील का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। स्वयं संस्थाओं एवं दानदाताओं के अलावा निगम विभिन्न वार्डो के महिला समूहो एवं व्यापरी इस विपदा की घड़ी में सेवाभाव कार्य हेतु निगम के साथ जुड़ने लगे है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आज 1 अप्रैल 2020 से पीडीएस खाद्य सामग्री

का वितरण शासकीय उचित मूल्य के दुकानों के माध्यम से माह अप्रैल एवं मई का वितरण किया जा रहा है। इसको मद्देनजर रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर नगर निगम रिसाली के समस्त पीडीएस भवनो को को सेनेटाइज किया गया तथा सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने के हेतु चूना से गोल घेरा बनाकर मार्किंग किया गया। साथ ही साथ निगम के स्वास्थ्य अमले के द्वारा पीडीएस भवनों के आस.पास मैलाथियान कीटनाशक दवाई, ब्लीचिंग पाउडर, मलेरिया आईल का छिड़काव किया गया एवं रात्रि में किंगफाग कीटनाशन धुंआ का छोड़ा गया। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू द्वारा रिसाली निगम के सभी पीडीएस भवनों का आकस्मिक निरीक्षण कर सभी बीपीएल एवं एपीएल कार्डधारियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का आग्रह किया गया। निगम कर्मियों द्वारा कार्डधारियों को हाथ धुलवा कर भवन में खाद्य सामाग्री लेने हेतु प्रवेश कराया गया।

लापरवाही... शहर के कई वार्डो में सफाई दुरुस्त न होने पर विधायक भड़के

वोरा ने की शहर के सुख समृद्धि की कामना

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। विधायक अरूण वोरा ने शहर के कंडरा पारा, पोलसाय पारा, अस्पताल वार्ड, गुरु घासीदास वार्ड समेत कई स्लम बस्तियों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। गंदगी देखकर वोरा ने जिम्मेदार अफसरों पर नाराजगी जताई। वोरा ने निगम अफसरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पूरे देश में रोज कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में शहर में सफाई जैसी व्यवस्था दुरस्त रखने अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। वोरा ने साफ-सफाई और सेनिटाइजर से पूरे शहर में स्प्रे करने की व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए। वोरा ने निगम आयुक्त से चर्चा करते हुए कहा कि सेनिटाइजेशन में लगी गाड़ियों की संख्या बढ़ाएं। निरीक्षण के दौरान वोरा ने लोगों को इकट्ठा होते देख उन्हें घर पर लौटने कहा। वोरा ने नागरिकों से कहा कि कोरोना से बचने के लिए लोग अपने घरों से बाहर न निकलें। वोरा ने लॉकडाउन के दौरान शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में व्यवस्था दुरस्त रखने के लिए बेहतर व्यवस्था करने कहा है। वोरा ने अफसरों को निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जाना चाहिए। लोगों को सस्ती दर पर राशन देने की व्यवस्था के लिए अनाज की सप्लाई में किसी भी तरह की लेटलतीफी या कोताही न हो। वोरा ने निगम अफसरों से कहा कि निराश्रित लोगों के लिए भोजन व्यवस्था के साथ ही 1 अप्रैल से राशन दुकानों में गरीबों को दो माह का मुफ्त राशन देने की व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने राशन दुकानों में अव्यवस्था न होने देने और राशन दुकानों में भी सोशल डिस्टेंसिंग का फार्मूला अपनाने के निर्देश दिए।

दुर्गा अष्टमी पर चंडी मंदिर में प्रार्थना की

इससे पहले विधायक अरूण वोरा ने दुर्गा अष्टमी के अवसर पर चंडी मंदिर पहुंचकर शहर की सुख.समृद्धि की कामना करते हुए देश.दुनिया में फैले कोरोना वायरस के संक्रमण से समाज को सुरक्षित रखने की प्रार्थना की। वोरा के साथ ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अलताफ अहमद, नंदू महोबिया, पप्पू श्रीवास्तव मौजूद रहे। वोरा ने सभी नागरिकों को दुर्गा अष्टमी के अवसर पर शुभकामनाएं दी।

महामारी के इस विषम परिस्थिति में भी जरूरतमंद लोगों हेतु दिया दान

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। महापौर व विधायक देवेंद्र यादव की अपील पर शहर के समाजसेवी लोग जनता की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज गेट एकेडमी के संचालक उमेश ढंढे ने जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए 3 लाख रुपए दान में दिया है। वहीं समाजसेवी श्रीनिवास खेड़िया द्वारा 25 हजार रुपए और नवयुवक मित्र मंडल खुर्सीपार द्वारा 50 हजार रुपए एवं कामर्स गुरु डॉ. संतोष रॉय 51 हजार रुपए दान किए। इसी प्रकार शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति बलबिर शेरगिल ने जरूरमंद लोगों को राशन दान कर सहयोग प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के कारण लॉक डाउन है। ऐसे में इस कोरोना वायरस से निपटने और जरूरतमंद लोगों को इस विपरित

परस्थिति में मदद करने के लिए कई समाज सेवी अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं और समाज के वे जरूरतमंद लोगों। जिन्हे मदद की जरूरत है। उन्हें मदद करने के लिए अपना भरपूर सहयोग दे रहे है। महापौर व विधायक ने फेसबुक व अन्य माध्यम से अपील की है कि शहर के जिम्मेदार नागरिक इस विषम परिस्थिति में मदद करें। महापौर की अपील पर आज गेट एकेडमी के संचालक उमेश ढंढे, नवयुवक मित्र मंडल खुर्सीपार, शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति बलबिर शेरगिल, ने राशन दान में दिया है। इन सभी महानुभावाओं का महापौर ने धन्यवाद दिया और आभार व्यक्ति किया है। इस अवसर पर निगम कमिश्नर ऋतुराज रघुवंशी, स्वास्थ्य विभाग के चेयरमेन लक्ष्मीपति राजू, लोकनिर्माण विभाग के चेयरमेन नीरज पाल, विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर, राजस्व अधिकारी अशोक द्विवेदी, सुमित पवार आदि उपस्थित रहे।

सूरजपुर पुलिस ने सीमा पर बैरियर लगाकर कर रही वाहनों की सघन जांच

- बनारस रोड़ पर चंदौरा पुलिस ने 2 वाहनों में पकड़े 127 लोग
- रायपुर से उत्तरप्रदेश व झारखण्ड के लिए रवाना हुए थे
- पुलिस ने वाहन चालकों पर कार्यवाही कर दोनों वाहन की जप्त

सूरजपुर। जिले की पुलिस ने अंतरजिला सीमा पर बैरियर लगाकर नाकाबंदी किया हुआ है। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर राजेश कुकरेजा के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मी बैरियर पर 24 घंटे तैनात रहकर आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघनता से जांच पड़ताल कर केवल मेडिकल वाहन, अनुमति प्राप्त वाहन, जरूरी वस्तु के परिवहन में लगे वाहनों को ही चेक कर आने-जाने दिया जा रहा है।

सोमवार 30 मार्च को जिला सूरजपुर के चंदौरा पुलिस ने बनारस रोड़ पर फिक्स प्वाईन्ट पर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी इसी दौरान अम्बिकापुर की ओर से अल्ट्रा ट्रक (स्वराज माजदा) वाहन क्रमांक जीजे 19 एक्स 6934 आते दिखा जिसे रोककर चेक किए जाने पर वाहन के डाला में तीरपाल ढक कर चालक सहित 22 लोग सवार थे ट्रक चालक से पूछताछ किए जाने पर बताया कि रायपुर से मउ उत्तरप्रदेश जा रहे थे। इसी प्रकार दूसरे मामले में अम्बिकापुर की ओर से ट्रक कन्टेनर क्रमांक एनएल 01 एए 3328 आया जिसे रोककर चेक किया गया, कन्टेनर का पीछे का दरवाजा आधा खुला था जिसके डबल छत उपर नीचे चालक सहित 105 लोग सवार थे। पूछताछ पर वाहन चालक ने बताया कि रायपुर से रवाना होकर झारखंड जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शासन के तालाबंदी के आदेश के बावजूद बाहरी लोगों को सड़क मार्ग से लेकर आने के संबंध में वाहन चालकों से वैध पास परमिट पेश करने हेतु नोटिस दिए जाने पर कोई वैध पास परमिट प्रस्तुत नहीं किया गया। लॉकडाउन के बावजूद कोरोना वायरस के संक्रमण को जानते हुए शासन-प्रशासन के आदेशों का अवहेलना कर मानव जीवन स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को संकट उत्पन्न करने का कार्य ट्रक एवं कन्टेनर चालक के द्वारा करने पर मौके से दोनों वाहनों को जप्त कर दोनों वाहन चालकों के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के तहत् मामला पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने सभी लोगों को प्रशासन के द्वारा बनाए गए आश्रय स्थल में सुपुर्दनामे पर दे दिया है जो अभी प्राथमिक व माध्यमिक शाला धोंधा व रेवटी में रूके हुए है। उन्होंने बताया कि प्रशासन के द्वारा इनके रहने व खाने की व्यवस्था कराई है। डॉक्टरों की टीम ने सभी का स्वास्थ्य परीक्षण भी कर लिया है।

न्यूज गैलरी

40 मजदूरों को लेकर परिवहन, ट्रक जब्त, चालक पर कार्यवाही के निर्देश

कवर्धा। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने लॉकडाउन के दौरान 40 मजदूरों को लाने वाले ट्रक चालक कर अपराध पंजीबद्ध करने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि आज अनुविभागीय अधिकारी विपुल गुप्ता और डिप्टी कलेक्टर विनय कश्यप, पुलिस विभाग की टीम ने कवर्धा बेमेतरा बॉर्डर दशरंगपुर में 40 मजदूरों को अवैध रूप से परिवहन करते हुए एक ट्रक को पकड़ा। ट्रक को जब्त करके लाकडाउन के नियमो का उल्लंघन करने पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। कलेक्टर ने सभी मजदूरों को लिए भोजन व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। साथ ही उन सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कराने कहा गया है।

आगंतुक श्रमिको के लिए मूलभुत सुविधा मुहैया कराया

बेमेतरा/साजा। जिला बेमेतरा अंतर्गत कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण के रोकथाम हेतु छ0ग0 शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार अन्य राज्य एवं अन्य जिले से आगंतुक श्रमिको के लिए आवश्यक मूलभुत सुविधा (राहत शिविर, पानी एवं खाने की व्यवस्था, मेडिकल जांच इत्यादि) की व्यवस्था जिला मुख्यालय में किया गया है। जिला प्रशासन के द्वारा पहल किया जाकर विभिन्न दान-दाताओं के माध्यम से प्राप्त राशि को एकत्रित किया गया है। जिला बेमेतरा से संबंधित श्रमिक जो कि अन्य राज्यों में पलायन हुए है एवं लॉक डाउन होने के कारण छ0ग0 आने में असमर्थ है, उनके लिए विभिन्न स्तरों जैसे प्रेस, सोशल मिडिया, जन प्रतिनिधी, टोल फ्री नंबर से प्राप्त जानकारी के आधार पर विभिन्न श्रमिकों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया जाकर उनके स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्थिति की जानकारी लिया गया। अन्य राज्यों में निवासरत श्रमिकों से बैंक खाता संबंधी जानकारी एकत्रित किया जाकर 456 श्रमिको को 132 श्रमिक खातों के माध्यम से को कुल राशि- 1,54,000 (एक लाख चौवन हजार रूपये) NEFT के माध्यम से भुगतान किया गया। जिला प्रशासन अन्य राज्यों के श्रमिकों से निरंतर संपर्क स्थापित कर उनके कल्याण हेतु प्रयासरत है। कोई भी श्रमिक हमारे राज्य के भीतर या बाहर वर्तमान स्थितियों के परिपेक्ष्य में किसी भी प्रकार की समस्या में होने पर जिला हेल्पलाईन नंबर - 07824222103 एवं श्रम विभाग के जिला बेमेतरा के हेल्पलाईन नंबर - 7247679978 एवं 9977937722 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास के 7 पर्यवेक्षकों का वेतन रोका

कवर्धा। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने मंगलवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के 7 पर्यवेक्षकों का आगामी आदेश तक उनके वेतन आहरण पर रोक लगा दी है। ये सभी पर्यवेक्षक बिना अनुमति के अपने-अपने मुख्यालय से बाहर है। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी के रिपोर्ट के आधार पर यह कार्यवाही की है। जिनके ऊपर कार्यवाही हुई यह पर्यवेक्षक प्रेमलता साहू परिवेक्ष कुण्डा, भारती पाल पण्डरिया, दुर्गेश्वरी नंदनी ठाकूर बोड़ला, शकुन्तला टेकाम बोड़ला, मिलापा श्याम कवर्धा, सतरूपता सोनी कवर्धा, दिप्ती मरकाम दशरंगपुर में पदस्थ हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण को पूर्ण रूप नियंत्रण करने के .ष्टि से पूरे प्रदेश को लॉकडाउन किया गया है।

जरूरतमंदों तक पहुंचाई गई खाद्य सामग्री

सक्ती। छत्तीसगढ़ समेत पूरा विश्व इन दिनों कोरोना वायरस से प्रभावित है। छत्तीसगढ़ शासन ने इसे महामारी घोषित करते हुए पूरे प्रदेश में हाईअलर्ट जारी किया है, जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के सदस्य काम पर नहीं जा पा रहे हैं। इस वजह से उनके समक्ष भोजन एवं आर्थिक समस्या उत्पन्न हो रही हैं। जिसे ध्यान में रखते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ सुभाष राज के निर्देश पर नायब तहसीलदार शिवकुमार डंगसेना मुख्य नगरपालिका अधिकारी शेख जफर खान के द्वारा शक्ति नगर के अनेकों गरीब परिवारों में घर पहुंचकर गरीबों को पूजन सामग्री दाल चावल साबुन हल्दी मिर्च मसाला तेल का किट बनाकर उन्हें पहुंचाया गया नगर में पूरी तरह से लॉक डाउन से जो ऐसे गरीब परिवार जो प्रतिदिन रोजी मजूरी करते थे और उनका काम धंधा पूरी तरह से बंद हो जाने के कारण कहीं से भी आय का स्रोत नहीं होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमा का कलेक्टर ने किया अवलोकन

चालकों और उनके हैल्परों का भी स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए

- लाकडॉउन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करे

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। राज्य शासन द्वारा नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी संक्रामक बीमारी के पूर्ण रोकथाम के लिए पूरे प्रदेश में लॉकडाउन किया गया है। कबीरधाम जिला प्रशासन द्वारा कबीरधाम जिले में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को जोड़ने वाली सभी प्रमुख मार्गो की सीमा को सील कर दिया गया है। इस प्रमुख मार्गो में रायपुर-जबलपुर मार्ग और पंडरिया से बागाज मार्ग प्रमुख है। इसके अलावा कवर्धा-राजनांदगांव, कवर्धा-मुंगेली मार्ग, बेमेतरा मार्ग की सीमा भी सील कर दी गई है। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने आज देर शाम पुलिस अधीक्षक बीएस ध्रुव के साथ लॉकडाउन के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था का जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ की अंतिम सीमा

चिल्फी-धवाईपानी सीमावर्ती क्षेत्र का पहुंचे। निरीक्षण के दौरान बोडला एसडीएम विनय सोनी, एसडीओपी अजित ओगरे, नयाब तहसीलदार अमन चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने जिले और प्रदेश के अंतिम सीमा क्षेत्र में तैनात सभी कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण के पूर्ण रूप से रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन का कड़ाई से पालन करे। लॉकडाउन तक किसी भी प्रकार के पब्लिक सेवा से जुड़ी वाहनों के आने-जाने की अनुमति ना दे। इस दौरान सिर्फ खाद्यान्न से जुडी मालवाहन वाहनों को ही आने'और जाने दे। इसके अलावा सब्जियों भरे वाहनों को भी ना रोका जाए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि खाद्यान्न समाग्रियों की आपूर्ति में लगे मालवाहक के चालकों और उनके हैल्परों का भी पूरी गंभीरता से स्वास्थ्य परीक्षण करे। उन्होने यह भी निर्देश देते हुए कहा कि किसी दूसरे राज्यों अपने निजी वाहनों में इस जिले में आने वाले व्यक्तियों का भी पूछताछ करें और उन्हे प्रवेश की अनुमति ना दें।

कलेक्टर ने बोडला एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ से विकासखण्ड में निवासरत होम क्वारेन्टाईन के लिए चिंन्हांकित व्यक्तियों की जानकारी ली। उन्होने होम क्वारेन्टाईन का कड़ाई से पालन कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि दूसरे राज्यों से आने वाले ग्रामीणजन स्वाथ्य विभाग द्वारा चिन्हांकित व्यक्तियों को होम क्वारेन्टाईन में रखने के लिए कहा गया है। ऐसे चिन्हांकित व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों को आगामी 28 दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलने दे, और ना ही उनक घर पर कोई उनके रिश्तेदार ना आ सके। ग्राम पंचातय के संरपच और सचिवों की नगरानी में ऐसे परिवारों को रखे। उन्होंने एसडीएम को बीच-बीच में ऐसे ग्राम पंचायतों का निरीक्षण करने के लिए कहा है।

कलेक्टर ने कबीरधाम की सीमा पर कड़ी निगरानी के दिए निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कबीरधाम जिले के कलेक्टर श्री अवनीश कुमार शरण ने कोरोना के बढ़ते प्रकरणों के देखते हुए छत्तीसगढ़ की अंतिम सीमा चिल्फी-धवाईपानी और पंडरिया के बागाज मार्ग पर कड़ी चैकसी रखने के कड़े निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री शरण ने बोडला और पंडरिया अनुविभागीय राजस्व, पुलिस को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि दूसरे राज्यों अथवा अन्य जिलों से आने वाले श्रमिकों, व्यक्यिों अथवा परिवारो को कबीरधाम जिले की सीमा पर ही रोके। इसी तरह दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, मुगेली मार्गों पर भी कड़ी निगरानी रखे। उन्होने कहा कि बिना अनुमति के कबीरधाम जिले से जाने वाले व्यक्तियों और श्रमिकों के प्रवेश पर भी रोक लगाए। अनुमति लेकर मेडिकल इमरेंजी के लिए जिले के बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी।

पेंशनरों के खातों में भेजी गई मार्च माह की पेंशन राशि

कवर्धा। अपने आजीविका के साधन में सदुउपयोग करने वाले पेंशनधारियों को मार्च माह की पेंशन राशि का भुगतान मंगलवार को को ही कर दिया गया है। कैबिनेट मंत्री व विधायक मो. अकबर ने राज्य सरकार से प्रदत्त होने वाले पेंशन राशि को 31 मार्च तक भुगतान किये जाने हेतु दूरभाष पर निर्देश दिया गया है प्रदत्त निर्देश अनुसार नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने पेंशनधारियों को 31 मार्च तक मार्च माह का पेंशन राशि प्रदान किये जाने हेतु विभाग प्रमुख के माध्यम से सभी पेंशनधारियों के खातों में पेंशन राशि ट्रांसफर कर दिया गया है।

नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस संक्रमण के कारण रोजी-मजदूरी करके अपना परिवार चलाने वालें को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कोई भी परिवार भूखा न रहे इसके लिए कैबिनेट मंत्री व विधायक मो.अकबर के निर्देशानुसार सभी जरूरतमंद गरीब परिवार तक राशन पहुंचाया जा रहा है जिला प्रशासन के साथ-साथ नगर पालिका द्वारा भी हर संभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंनें बताया कि ऐसे स्थिति में शहर के वृद्धा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा सहित अन्य पेंशन योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों के खातों में मार्च महिना का पेशन राशि 31 मार्च तक प्रदान किये जाने हेतु विभाग प्रमुख को निर्देशित किया गया था।

करोना महामारी से बचाने सेनेटाइजर का छिड़काव

सक्ती। शहर को करोना महामारी से बचाव के लिए नगर पालिका द्वारा पूरे नगर में सेनेटाइजर का छिडकाव किया गया जिससे बिमारी में रोकथाम लग सके शासन प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस से बचने के लिए हर प्रकार से उपाय किए जा रहे हैं इसके तहत 31 मार्च को शक्ति नगर के अनेकों चौक चौराहों सहित प्रत्येक वार्डों में से टाइगर का छिड़काव किया गया सड़क पूरी साफसफाई कचरे का उठाव किया गया वही नालियों की सफाई सहित ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव साथ-साथ किया गया मुख्य नगर पालिका अधिकारी जफर खान के द्वारा बताया गया कि करोना वायरस के चलते पूरे शहर में रोकथाम के लिये प्रतिदिन नगर के नालियों में ब्लीचिंग

पाउडर का छिडकाव किया जा रहा है और पहले हमारे पास छोटी छोटी मशीनें थी जिससे सेनेटाइजर का छिडकाव किया जा रहा था परंतु पूरे नगर में इसका छिडकाव नही हो पा रहा था इसी के लिये नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुषमा दादू जायसवाल जो वंदना इण्डस्ट्रीज के डायरेक्टर है उनके द्वारा स्वयं के इण्डस्ट्रीज से पानी टेंकरनुमा बडी मशीन लगाकर एक ऐसा उपकरण तैयार किया गया है जिससे प्रतिदिन नगर के सभी गली चैक चैराहों में सेनेटाइजर का छिडकाव हो सकता है । वही नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सुषमा दादू जायसवाल के द्वारा बताया गया कि । नगर पालिका सक्ती में अब हमारे पास इतनी बड़ी मशीन हो गई कि सोडियम हाइड्रोक्लोराईड से पूरे सक्ती शहर को सेन्टेराइस किया जा सकता है आज से पूरे सक्ती को स्प्रे करने का काम शुरू किया गया है।

दिलराज प्रभाकर ने की मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 माह की सैलरी देने की घोषणा

कवर्धा। पूरा देश आज कोरोना जैसे महामारी बिमारी से जुझ रहा है। इस महामारी से आमजन को बचाने भारत में लॉकडाउन भी किया जा चुका है। वहीं राज्य सरकार सहित समाजसेवी सस्थांन व आमजन भी ऐसी स्थिति में एक दूसरे की मद्द भी कर रहे है। कोई गरीबो को राशन दे रहा है तो कोई मास्क का वितरण कर रहा है। सुरक्षा को लेकर लगे पुलिस जवान भी आमजनो का सहयोग करते हुए पशुओ का भी ध्यान रख रहे है ।

कोरोना वायरस: पुलिस अधीक्षक लोगों को संक्रमण एवं बचाव की दी जानकारी

सूरजपुर। मंगलवार 31 मार्च 2020 को *पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री राजेश कुकरेजा* ने थाना प्रभारी विश्रामपुर कपिलदेव पाण्डेय एवं उनकी टीम को लेकर पैदल मार्च करते हुए फल, सब्जी, किराना दुकान, दूध डेयरी के दुकानदार एवं ग्राहकों को समझाईश दिया गया कि लोगों से कम से कम मिले एवं एक दूसरे से 6 फीट की दूरी बनाते हुए ही बात करें, लगातार अपने हाथों को सैनिटाइज करें ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक ने सड़क में आने-जाने लोगों को रोककर अनावश्यक बाजार में घूमते हुए पाए जाने पर कार्रवाई करने हेतु हिदायत भी दी गई एवं इस बात से अवगत कराया गया कि यदि आवश्यक वस्तु लेना हो तो घर से एक व्यक्ति ही बाहर आए लोगों को जागरूक करने में *एसपी* लगातार अपनी टीम के द्वारा नागरिकों को जागरूक कर रहे हैं और साथ ही साथ खुद भी जगह-जगह पर जिले के जाकर प्रचार प्रसार करते हुए इस बात से लोगों को अवगत करा रहे हैं कि संक्रमण का एक मात्र इलाज है लोगों से दूरी, लोगों को इस बात से भी अवगत कराया कि किसी भी प्रकार से जल्दबाजी ना दिखाएं अधिक से अधिक सामान खरीद कर घर में रखने की आवश्यकता नहीं है, आवश्यक वस्तुएं बाजार में सभी के लिए उपलब्ध रहेंगी।

सूरजपुर पुलिस होम क्वारेंटाइन किए गए नागरिकों को नियमित कर रही चेक

सूरजपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विदेश अथवा दूसरे राज्यों सहित अन्य जिलों से आए हुए नागरिकों को होम क्वॉरेंटाइन किया गया है ताकि संक्रमण न फैल सके। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर राजेश कुकरेजा के निर्देशन में जिले में होम क्वॉरेंटाइन किए गए नागरिकों को थाना-चौकी की पुलिस नियमित रूप से उनके घर जाकर सतर्कता बरतते हुए उन्हें चेक कर रही है साथ ही उनके पड़ोसियों से सतत सम्पर्क बनाए हुए है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जिन नागरिकों को होम क्वॉरेंटाइन किया गया है वे अपने घरों से बाहर न जाए, अपने घर पर ही रहे, इसके लिए पुलिस के जवानों को उसके निवास के आसपास तैनात किया गया है।

महुआ शराब परिवहन करते 2 पकड़ाए, सलका-उमेश्वरपुर पुलिस की कार्यवाही

सूरजपुर। मंगलवार 31 मार्च को चौकी प्रभारी सलका-उमेश्वरपुर गणेश राम चौहान को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम उमेश्वरपुर से पार्वतीपुर की ओर 2 व्यक्ति मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 सीजेड 6694 में एक प्लास्टिक के डब्बे में महुआ शराब बिक्री करने हेतु जा रहे है। चैकी प्रभारी ने सूचना से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस टीम के साथ मुखबीर की सूचना तस्दीक व कार्यवाही हेतु रवाना होकर पार्वतीपुर मेन रोड़ जंगल के पास घेराबंदी लगाई तभी मोटर सायकल में दो लोग आते दिखे जिन्हें रोकने का इशारा किए जाने पर भागने लगे जिन्हें पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ पर अपना नाम अजय विश्वकर्मा पिता पारस उम्र 28 वर्ष एवं अजय सिंह पिता धनीराम सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी उमेश्वरपुर का रहने वाले है।

मिसाल बिलासपुर के गांधी चौक में बेवजह घुमने वालों को पुलिस ने लगाया था तिलक

पंडरिया में पुलिस वालो ने बेजुबान जानवरों के लिए बनाया रोटी बॉक्स

नवप्रदेश संवाददाता

पंडरिया। बिलासपुर के गांधी चैक मे जहां बेवजह घुम रहे लोगो के माथे पर तिलक लगाकर पुलिस वालो ने बेवजह घुमने से मना करते हुए कोरोना जैसे महामारी से बचने संदेश दिया था वही आज पंडरिया के गांधी चैक में पंडरिया पुलिस के द्वारा बेजुबान जानवरो के लिए रोटी का बक्सा तैयार किया गया जिसमें नगर वासी रोटी दान कर रहे है। और सुरक्षा के लिए लगे पुलिस जवान इन मावेशियो को देखते ही रोटी खिलाने आगे बढ रहे है। कोरोना वायरस के महामारी से जो लॉकडाउन की स्थिति बनी हुई है उसे ध्यान मे रखकर आम जन सहित मावेशियो का भी पुरा ध्यान

रखने यथक प्रयास किया जा रहा है। फलस्वरूप लॉकडाउन को लोगो का पुरा समर्थन भी मिल रहा है। ज्ञात हो कि थाना पंडरिया द्वारा मंगलवार से बेजुबानों के लिये दो रोटी कार्यक्रम की शुरुवात की गई, वर्तमान लॉकडाउन के कारण शहर के बेजुबान जीव गंभीर परिस्थितियों से गुजर रहे है। अभी शहर के सभी होटल, भोजनालय बन्द है, जिससे उनके लिये भोजन की व्यवस्था नही हो पा रही है,जिसे देखते हुय लॉकडाउन तक गांधी चैक के पास थाना पंडरिया द्वारा रोटी बॉक्स रखा गया है, जिसमे लोगो से अपील की गई कि अतिआवश्यक कार्य, मेडिकल, राशन हेतु यदि घर से निकलना पड़े तो घर से साथ मे 02 रोटी या बिस्किट का पैकेट लेते आये और बॉक्स मे डालते जाये, जिसे थाना की पेट्रोलिंग टीम घूम-घूम कर शहर के भूखे बेजुबानों को खिला देगी। क्योकि अभी लॉकडाउन कारण लोग चाहकर भी इनकी सेवा नही कर पा रहे है। साथ ही थाना टीम द्वारा पेट्रोलिंग पार्टी एंव थाना का नम्बर भी लोगो को दिया गया,जिससे घर से ही लोग बेजुबानों के लिये भोजन उपलब्ध करा दे, जिसे पेट्रोलिंग टीम इक्ठा करके बेजुबानों को बाँट देगी।

आज जंहा विश्व महामारी के भय से भयाक्रांत है। ऐसे में इन बेजुबानों का सुध लेने वाला कोई नही है, थाना पंडरिया के इस अभिनव प्रयास का क्षेत्र के लोगो द्वारा सराहना की जा रही है। गौरतलब है कि थाना पंडरिया द्वारा शहर के संवेदनशील लोगो की टीम हैल्पिंग हैंड्स पंडरिया बनाई गई है जिसके द्वारा लगातार ऐसे परिवार जो इन विकट परिस्थितियों मे अपना राशन नही जुटा पा रहे है उनकी जानकारी लेकर जरूरत की साम्रगी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

न्यूज गैलरी

ईमलीपारा अस्थाई राहत शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं प्रभावी नियंत्रण हेतु सम्पूर्ण जिले में धारा-144 (1) प्रभावी होने एवं लॉकडाउन होने के कारण बेघर-बार व्यक्तियों तथा प्रवासी श्रमिकों को भोजन, कपड़े एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिला मुख्यालय कांकेर के ईमलीपारा में अस्थाई राहत शिविर का संचालन किया जा रहा है, जिसका अवलोकन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री के.एल. चौहान द्वारा आज शाम को किया गया तथा राहत शिविर में रह-रहे श्रमिकों से बातचीत कर उन्हें उपलब्ध सुविधाओं एवं भोजन इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। श्रमिकों ने जिला प्रषासन द्वारा की गई व्यवस्था पर संतुष्टि जताया। कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके, आदिवासी विकास विभाग के उपायुक्त विवेक दलेला, तहसीलदार कांकेर मनोज मरकाम तथा नायब तहसीलदार गैंदलाल साहू भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि ईमलीपारा स्थित निर्माणाधीन छात्रावास में अस्थाई राहत षिविर बनाया गया है, जहां पर कवर्धा, बिलासपुर, बेमेतरा, मुंगेली इत्यादि जिलों के श्रमिकों को रखा गया है तथा उनके खाने-पीने इत्यादि की व्यवस्था जिला प्रषासन द्वारा की जा रही है।

होम आइसोलेशन की अवधि 14 से बढ़कर 28 दिन हुई

काँकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए अन्य देष एवं प्रदेष से आये हुए नागरिकों को होम आइसोलेषन में रहने की अवधि को 14 दिन से बढ़ाकर अब 28 दिन कर दिया गया है। उक्त आषय की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके द्वारा दी गई, साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति होम आइसोलेषन में है, वे होम आइसोलेषन में ही बने रहे।

7 तक बंद रहेगा पंजीयन कार्यालय

भाटापारा। लाक डाउन के चलते प्रदेश सरकार ने अब सभी पंजीयन कार्यालय को एतिहायत के तौर पर 7 अप्रैल तक बंद करने का निर्णय लेते हुए उक्ताशय का आदेश जारी कर दिया है। पूर्व में पंजीयन कार्यालय को 31 मार्च तक बंद करने का निर्णय लिया गया था,जिसे शाशन ने बढ़ाते हुए अब 7 अप्रैल कर दिया है।

गृह मंत्री ने उड़ीसा और यूपी में फंसे लोगों का हाल चाल लिया

भाटापारा। ओडिशा के राउरकेला और उत्तरप्रदेश के लखनवु में लाक डाउन के चलते श्रमिको के खान पान और रुकने की व्यस्था को लेकर वहा के ग्रहमन्त्रियो से चर्चा कर उन्हें समुचित सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। पूर्व विधायक प्रतिनिधि विकास जोशी ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया की उड़ीसा रावर केला में एस पी एस इंजीनियरिंग वर्क्स में दुर्ग जिले के लगभग 20 श्रमिक बंधु कार्यरत थे और कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन में फंस गये अपने फसने की सुचना गृहमंत्री के पुत्र जितेन्द्र साहू को फ़ोन मे बात कर मदद की माँग की उनके पुत्र ने गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के संज्ञान मे बात लाया तुरंत उन्होने ओडिशा के गृहमंत्री दिव्य शंकर मिश्रा से फ़ोन मे बात कर उनके व्यस्थापन का आग्रह किया था, जिस पर ओड़िशा के गृहमंत्री श्री मिश्रा गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को आश्वश्त किया है की छत्तीसगढ़ के हमरे श्रमिकों साथियों का ओडिशा मे पुरा ध्यान रखा जायेगा तथा उन्हे किसी भी प्रकार की असुविधा नही होगी।

सीएम की पहल पर जम्मू-कश्मीर में फंसे छत्तीसगढ़ के एक हजार मजदूरों के ठहरने और भोजन की हुई व्यवस्था

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से जम्मू-कश्मीर में फंसे छत्तीसगढ़ के एक हजार मजदूरों के ठहरने-भोजन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लॉकडाउन के कारण जम्मू-कश्मीर में छत्तीसगढ़ के एक हजार मजदूर फंसे होने की सुचना आज सुबह प्राप्त हुई। जिस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तत्काल श्रम विभाग के सचिव सोनमणि बोरा को इन मजदूरों के लिए आवश्यक व्यवस्था के लिए निर्देशित किया। जिस पर श्रम विभाग के सचिव श्री बोरा ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव श्री बी.व्ही.आर. सुब्रमण्यम से बात की और छत्तीसगढ़ के इन श्रमिकों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था का अनुरोध किया, जिस पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ के फंसे इन एक हजार श्रमिकों के ठहरने-भोजन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है।

स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा भोजन, राशन उपलब्ध कराने की नियमित जानकारी दें : कलेक्टर,

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जनक प्रसाद पाठक ने जिले के सभी एसडीएम को पत्र जारी कर कोविद-19 के संक्रमण को रोकने लागू लाकडाऊन के कारण जिले में प्रभवितों को स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे भोजन, सूखा भोजन की नियमित जानकारी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम को जारी पत्र में कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लाकडाऊन के कारण जिले में प्रभावित बेघरबार ब्यक्तियों, श्रमिक और प्रवासी श्रमिकों के लिए शासन द्वारा भोजन प्रदान करने का निर्देश जारी किया गया है।

पिकअप में लादकर ले जा रहा था 19 मजदूर चालक गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 को गंभीरता से लेकर लाक डाउन और धारा 144 का उल्लंघन रोकने लगी शहर पुलिस को 19 मजदूरो को महाराष्ट्र से झारखण्ड ले कर जा रहे एक पिकप वाहन चालक को पकड़ा है और सभी मजदूरो कोहोम करेंटइन् पर रखा गया है।पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा 188 के तहत कार्यवाही की है।

उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए हुए शहर थाना प्रभारी महेश धुव ने बताया की विकास कुमार यादव पिता सुरेश कुमार यादव उम्र 32 साल पता बुडिया डावर थाना चौपरन जिला हजारीबाग राज्य झारखण्ड ने अपने वाहन क्रमांक MH 04 JU 1894 में पीछे की ओर लगभग 19 व्यक्ति को बैठाकर महाराष्ट्र मुबंई से झारखंड के विभिन्न जिलों में छोडने के लिए के ले जा रहा था जो जान बुझकर शासन के आदेश का उल्लंघन करते हुए जन स्वास्थ्य एवं जनहित के दृष्टिकोण से अत्यंत हानि कारक है चूंकि भारत सरकार ने नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 को फैलने से रोकने के लिए दिनांक 24/03/2020 को संपूर्ण भारत में लाकडाउन का घोषणा किया गया है जिसमे जरूरी सेवा , राशन , मेडिकल इत्यादि को छोडकर शेष कार्य में प्रतिबंध लगाया गया है जिसका अक्षरशः पालन कराने शासन प्रशासन का अहम जिम्मेदारी है जबकि कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा जानबुझकर भी जन स्वास्थय को हानि पहुंचाने के दृष्टिकोण दुर्व्यापार का कृत्य करते है आरोपी के विरूद्ध धारा 188 भादवि और महामारी अधनियम 1897 की धारा 03 के तहत कार्यावाही किया गया उसे सख्त से सख्त निर्देश देकर होम क्वारेन्टाइन पर रखा गया है ।

उक्त घटना की सूचना श्रम विभाग को सूचना दी गई है 20 लोग के लिए आवास -भोजन का उचित व्यवस्था किया गया है संबंधित राज्य के हेल्प लाईन नंबर में विधिवत सूचना दे दी गई है।

टंगिया मारकर पत्नी की हत्या बेटी घायल, आरोपी हिरासत में

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम लेवई में एक पंच ने किसी अज्ञात कारण वश अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी,बीच बचाव करने आई पुत्री के सिर पर भी उसने वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है जिसे रायपुर रिफ़र किया गया है।पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

उपरोक्त सम्बन्ध में ग्रामीण थाना प्रभारी श्रीमती अंकिता शर्मा से मिली जानकारी अनुसार यहाँ से लगभग 4 किमी दूर ग्राम लेवई में सोमवार की शाम हत्या की वारदात हो गई। बताया जाता है की ग्राम लेवई के छेदी लाल धुव ने अपनी पत्नी सविता धुव के ऊपर किसी वाद विवाद के उसके सिर पर कुल्हाड़ी से सांघातिक वॉर कर दिया,पिता द्वारा माँ के ऊपर किये गए वॉर को रोकने की कोशिश कर रही पुत्री परमेश्वरी को भी पिता ने वॉर कर घायल कर दिया,,इस एका एक हुई घटना की खबर आसपास के लोगो को लगने के बाद घायल माँ और बेटी को कोटवार और सरपंच की मदद से भाटापारा सामुदायिक भवन लाया गया और ग्रामीणों ने ग्रामीण पुलिस को घटना से अवगत कराया। अस्पताल में घायल माँ और पुत्री का प्रारम्भिक इलाज कर उन्हें रायपुर रिफ़र किया गया जहा पत्नी सविता की मौत हो गई,जबकि पुत्री का इलाज जारी है। ग्रामीण पुलिस अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही कर रही है।आरोपी वार्ड क्रमाक 12 का पंच बताया जाता है तथा उसकी मानसिक स्थिति ठीक भी नही है।

गंडई में क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाया गया

गंडई पंडरिया । कलेक्टर राजनांदगांव जय प्रकाश मौर्य के आदेश की पालनार्थ कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु संपूर्ण देश में लाकडाउन किया गया है । इसके बचाव के लिए गंडई में भी व्यापक तैयारी की जा रही जिसके चलते कोरोना से रोकथाम व बचाव हेतु गंडई के आदिवासी बालक छात्रावास को क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाया गया है । क्वॉरेंटाइन सेंटर के संचालन हेतु कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है जिसके अनुसार महेश ठाकुर, व्याख्याता, गंडई, सहयोगी कर्मचारी संतोष शर्मा सहायक शिक्षक गंडई , सुबह 7:00 से दोपहर 2:00 बजे तक , ओमप्रकाश सोनी व्याख्याता गंडई, सहयोगी कर्मचारी संतोष झारिया, शिक्षक, गंडई ,दोपहर 2:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक इसी प्रकार किशोर तिवारी, शिक्षक, गंडई, सहयोगी कर्मचारी शिव नारायण धनगर , रात्रि 10:00 से सुबह 7:00 तक रहेंगे । उपरोक्त आदेश मुख्य नगरपालिका अधिकारी खुमान सिंह कश्यप द्वारा जारी किया गया है आदेश तत्काल प्रभावशील है।

गांव वाले बीच रास्ते मे बैरिकेट्स बनाकर कर रहे सघन निगरानी

■ गांवों में दिखने लगा बंद का असर

गंडई पंडरिया। कोरोना वाइरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर देश में 21 दिनों का लॉकडाउन किया गया है। लोगो मे बढ़ते संक्रमण से बचाव करने के लिए नाना प्रकार के इंतजाम शासन प्रशासन द्वारा की जा रही है। इसी कड़ी में गंडई नगर के सीमा में लगे हुए गांव के लोग भी इस महामारी से लड़ने के लिये सतत तैयार हैं।

ग्राम पंचायत बुढासागर के सरपति ने गांव में जागरुकता दिखाते हुए अपने गांव के बॉर्डर को चारों तरफ से बंद कर रखा है ताकि बाहरी लोग गांव में प्रवेश न कर सके। सरपंचपति जति राम पटेल ने गांव में लगभग 13 सौ मास्क का निःशुल्क वितरण किया है और अन्य राज्यों में काम करने वाले लोगों की गांव वापसी होने की जानकारी लगते ही कोटवार को लगभग 23 व्यक्तियों का नाम दिया है ताकि समय से पहले इस महामारी को रोका जा सके।

बुढासागर के अलावा ग्राम पंचायत कटंगी, ग्राम पंचायत ढाबा, ग्राम बिरखा सहित अन्य पंचायतों में भी अपने स्तर से रोड़ को शील किया गया है। जिसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है। हालांकि अभी चना, गेंहू फसल की कटाई का वक्त है। कुछ किसान डरे सहमे किसानी कार्य को सुबह से दोपहर 12 बजे तक निपटा रहे हैं। ग्राम बिरखा के नव जवानों ने अनोखी पहल किया है। गांव के दोनों छोर को कटीले तार से घेरा लगा कर लोहे का गेट भी लगाया है और साथ ही प्रवेश वर्जित का बोर्ड बी लगाया है।

बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन कमेटी ने दी सहायता कोष में राशि

किरंदुल । आज पूरा हिंदुस्तान कोरोना की कहर से झूझ रहा है और कोरोना पीड़ितो के सहयोग हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जनता से अपील की गई और पीएम के अपील पर भारत के कोने कोने से सभी वर्ग के लोग अपने सामर्थ्य अनुसार सहयोग कर रहे है आपको बता दें संकट को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री मैं समस्त भारत में 21 दिन बहुत लॉक डाउन कर दिया है और सभी अपने अपने स्तर से असहाय गरीब मजदूर परिवारों को समर्थ अनुसार हेल्प कर रहे हैं लोगों की मदद के लिए आगे और इसी कड़ी में लौह नगरी किरंदुल की बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की संचालन कमेटी द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में एक लाख रु तथा प्रधानमंत्री राहत कोष में एक लाख रु सहयोग राशि जमा की गई संचालन कमिटी की ओर से अमरीक सिंह आर सी ना हक रविंद्र सोनी मनोज सिंह राकेश सिंह गौतम भा न प्रताप सिंह तपन दास आदि मौजूद थे।

पार्षद दिलीप ओगरे ने वार्ड को सेनेटाइज करवाया

गंडई पंडरिया। देश में कोरोना वायरस के रोकथाम व बचाव हेतु प्रयास किया जा रहा है ।कोई वायरस के इलाज हेतु दवाई नहीं बना है ।बचाव के लिए घर में रहने के अलावा कोई विकल्प नही है । बाजार में सेनेटाइजर और मास्क नही मिल रहे है या महंगे है इस समस्या के निदान हेतु पार्षद दिलीप ओगरे ने अपने घर में ही सेनेटाइजर बनाया और मास्क बनवाया । अपने वार्ड क्रमांक 15 में स्वयं उपस्थित होकर सेनेटाइज किया । वार्ड के नाली में दवा का छिड़काव भी कराया । ओगरे ने वार्ड वासियों को मास्क और डिटाल साबुन वितरण भी किया ।वार्डवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि घर से बाहर ना निकले । पुरे परिवार गर्म पानी पिये ।हाथों को लगातार हर एक घंटे में साबुन से 20 सेकंड तक बहते हुए पानी से धोये । गर्म पेय जैसे चाय, काफी पीने की अपील की है । वार्ड में बेवजह बाहर बिलकुल ना निकले ।

फायर ब्रिगेड की मशीन से होगी दवाई का छिड़काव

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जनक प्रसाद पाठक के मार्गनिर्देशन में कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम के लिए जिले में सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे है। स्वच्छता एवं साफ सफाई के संबंध में निर्देश जारी किया गया है। आम नागरिकों को सोशल डिस्टेंश मेंटेन करने, बार-बार हाथ धोने तथा केन्द्र व राज्य सरकार के निर्देशों को कड़ाई से पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रह है। इसी कड़ी में फायर ब्रिगेड की मशीन का उपयोग कीटनाशक दवाई का उपयोग छिड़काव के लिए किया जा रहा है। मशीन के द्वारा नगरीय क्षेत्रों में नालियों में दवाई का छिड़काव किया जाएगा। इस मशीन के साथ ऑडियो सिस्टम भी लगाया गया है। जिसके माध्यम से आम जनता को सोशल डिस्टेंस मेंटेन करने, स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी एडवाइजरी का पालन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम के लिए नियुक्त जिला स्तरीय नोडल अधिकारी श्री तीर्थराज अग्रवाल ने कल 30 मार्च को कलेक्ट्रेट परिसर से इस मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला सेनानी श्री आर पी मानवटकर सहित होमगार्ड के सैनिक उपस्थित थे।

कमिश्नर और आईजी ने राजस्व, स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली

जांजगीर चांपा। बिलासपुर संभाग के कमिश्नर श्री भरत लाल बंजारे और आईजी श्री दीपांशु काबरा ने स्वास्थ्य, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने बैठक में कोरोना वायरस 2019 के संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक, पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल माथुर, सीएमएचओ डा आर एस बंजारे उपस्थित थे। कमिश्नर श्री बंजारे ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग की एडवायसरी का कड़ाई से पालन कराया जाय । जिला अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुसार अपनी तैयारी पूर्ण रखें। लाकडाउन के दौरान खाद्य सामग्री, दवाई सहित आवश्यक सामग्री की आपूर्ति निरंतर बनी रहे, यह सुनिश्चित करें। अति आवश्यक सेवाओं के संचालन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लाकडाउन के कारण अन्य राज्यों में फंसे जिले के लोगों की मदद के लिए, वहां के प्रशासन से संपर्क में करें। इसी प्रकार अन्य जिलों से या अन्य राज्यों के प्रवासी लोगों को भी भोजन, राशन, दवाई आदि आवश्यक सामाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के आपसी समन्वय से कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने का हर संभव प्रयास करना हम सबकी पहली प्राथमिकता है। आईजी श्री दीपांशु काबरा ने कानून व्यवस्था की जानकारी एवं डियूटी कर रहे अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक सावधानी बरतने की हिदायत दी।

कम्युनिटी सर्विलेंस के लिए बनेगी टीम, कलेक्टर ने दिए निर्देश,

जांजगीर चांपा। कलेक्टर जनक प्रसाद पाठक ने कम्युनिटी सर्विलेंस कार्य के संपादन के लिए टीम गठन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इस संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा है कि सक्रिय कम्युनिटी सर्विलेंस कार्य के संपादन के लिए टीम का गठन करें । इस कार्य के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तीर्थराज अग्रवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के सुपरविजन में विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ नगरी प्रशासन, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम बनायी जाएगी। टीम द्वारा सक्रिय कम्युनिटी सर्विलेंस कार्य संपादित किया जाएगा। होम आइसोलेशन और होम क्वॉरेंटाइन वाले घरों के समीप 50 घरोंध्संस्था में घर-घर भ्रमण कर राज्य द्वारा निर्धारित प्रपत्र में जानकारी एकत्र की जाएगी। एकत्र किए गए जानकारी को जिला सर्विलेंस सेल को प्रेषित की जाएगी।

मदद | कांचेका व व्यापारियों की कलेक्टर ने ली बैठक

विधायक ने कोरोना संकट में 1 लाख 31 हजार रूपये मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया

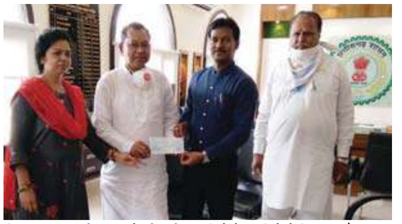

कांकेर। कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिशुपाल शोरी एवं उनकी धर्मपत्नि विमला शोरी द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए कलेक्टर श्री के.एल. चौहान को आर्थिक सहायता संबंधी चेक प्रदान किये गये। विधायक श्री शोरी ने अपनी ओर से 01 लाख 10 हजार रूपये एवं उनकी धर्मपत्नि ने 21 हजार रूपये का चेक कलेक्टर को सौंपा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भुपेश बघेल ने संकट के इस समय में सहायता करने की अपील प्रदेशवासियों से की गई है। जिला प्रशासन द्वारा भी गरीब, बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए खाद्यान्न सामग्री दान करने की अपील जिले के नागरिकों से किया गया है।

अत्यावश्यक खाद्य सामग्रियों की पर्याप्त आपूर्ति

कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शिशुपाल शोरी एवं कलेक्टर श्री के.एल. चौहान की मौजूदगी में आज चेंबर ऑफकामर्स एवं किराना व्यपारियों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अत्यावश्यक खाद्य सामग्रियों के आपूर्ति पर विचार विमर्श किया गया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में खाद्य सामग्री एवं अत्यावश्यक समग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा निरंतर आपूर्ति की जा रही है। सब्जियों की भी पर्याप्त आपूर्ति होने की जानकारी दी गई। बैठक में चेंबर ऑफकामर्स के अध्यक्ष दिलीप खटवानी, महामंत्री गफ्फार मेमन तथा राजकुमार फब्यानी भी उपस्थित थे।

शासन-प्रशासन का सहयोग करने विधायक ने की अपील: विधायक श्री शिशुपाल शोरी ने नोवल कोरोना वायरस कोविड-19 को राष्ट्रीय आपदा बताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन का सहयोग करें। जिले में धारा-144 प्रभावशील है, साथ ही लॉक डाउन भी किया गया है। अतः अत्यावश्यक होने पर ही घर से निकलें, अन्यथा घर से बाहर न निकलें।

छत्तीसगढ़ सरकार ने संकटग्रस्त मजदूरों की सहायता के लिए जारी किए 3.80 करोड़ रूपए

■ मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मण्डल ने सभी जिलों के लिए जारी की राशि

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य शासन के श्रम विभाग द्वारा संकटग्रस्त और जरूरमत श्रमिकों की सहायता के लिए 3 करोड़ 80 लाख रूपए की राशि जारी की गई है। यह राशि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा प्रदेश के सभी जिलों को जारी की गई है।

इस राशि का उपयोग नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) से उत्पन्न परिस्थितियों में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मण्डल के संकटग्रस्त और जरूरतमंद पंजीकृत श्रमिकों को तत्कालिक सहायता जैसे उनके भोजन, अस्थायी रूप से ठहरने की व्यवस्था, चिकित्सा, परिवहन, दुर्घटना आदि में आवश्यकतानुसार उन्हें सहुलियत प्रदान करने में किया जाएगा।

मंडल द्वारा जारी राशि में रायपुर, बलौदा-बाजार, बिलासपुर, महासमुन्द, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बस्तर, सरगुजा, दुर्ग और राजनांदगांव के सहायक श्रमायुक्त को 20-20 लाख रूपए जारी किया गया है। इसी तरह गरियाबंद, धमतरी, मुंगेली, कोण्डागांव, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, जशपुर, बालोद, बेमेतरा और कवर्धा के श्रम पदाधिकारी को 10-10 लाख रूपए की राशि जारी की गई है।

■ न्यूज गैलरी

उचित मूल्य दुकानों में हितग्राही ले रहे सोशल डिटेंस से राशन

धमतरी। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अनेक उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिले की सभी उचित मूल्य दुकान एवं गोडाउन में सतर्कता एवं प्रारंभिक सावधानियां बरती जा रही हैं। जिला खाद्य अधिकारी श्री बसंत कोर्राम ने बताया कि जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे राशन वितरण इ्द्धद्ध के समय हितग्राहियों को करबद्ध होने तथा कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित् करें।

रेडक्रास वोलेंटियर्स ने सोशियल डिस्टेंस बनाये रखने किये सेवा कार्य

धमतरी। रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा धमतरी द्वारा कोरोना के रोकथाम के लिए माननीय कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री रजत बंसल के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत एवं उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता गाँधी एवं सीएमएच्ओ डॉ डी के तुर्रे के मार्गदर्शन , जिला संगठक प्रदीप कुमार साहू के नेतृत्व में आकाश गिरी गोस्वामी काउंसलर एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के वॉलिंटियर्स ने पुरानी मंडी पहुँच कर सुबह किसान बाजार तथा पुरानी मंडी में ही लगने वाले गोल बाजार के सब्जी विक्रेताओं को शिफ्ट किया गया है, वहां पहुंचकर रेडक्रास वोलेंटियर्स ने सभी सब्जी विक्रेताओं , सभी ग्राहकों एवं खरीददारों को पर्याप्त दूरी बनाए रखने हेतु अपील की साथ ही उपस्थित सभी ग्राहकों एवं विक्रेताओं को मास्क पहनने हेतु प्रेरित किया। सभी सब्जी विक्रेताओं के सामने ग्राहकों के खड़े रखने हेतु चुना एवं पेंट गोला व वर्गाकार घेरा बनाया गया।

उचित मूल्य पर आवश्यक सामग्री बेचने प्रशासन का सहयोग करें

धमतरी। वैश्विक आपदा का पर्याय बन चुका नोवेल कोरोना वायरस कोविद-19 के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 25 मार्च से 24 अप्रैल तक लॉकडाउन का आदेश जारी किया गया है। इसी तारतम्य में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रजत बंसल ने मंगलवार 31 मार्च को दोपहर नगर के थोक किराना व्यापारियों को आहूत कर बैठक ली तथा उनसे आवश्यक सामग्रियों को उचित मूल्य पर बेचने तथा प्रशासन का हरसंभव सहयोग करने की बात कही। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि संकट के आसन्न दौर में सर्वाधिक प्रभाव निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ा है, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। जिनकी आय प्रतिदिन की मजदूरी पर निर्भर करती है।

निगम क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों को दो वक्त का भोजन वितरण शुरू

■ शहरवासियों, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से इन परिवारों को खिलाया जा रहा भोजन

राजनांदगांव। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगर निगम राजनांदगांव द्वारा शहर वासियों, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से लॉकडाउन की स्थिति में जरूरतमंद परिवारों को दो वक्त का भोजन वितरण शुरू कर दिया गया है। सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम स्कूल, लखोली स्कूल परिसर, बल्देव प्रसाद मिश्र उच्चतर माध्यमिक शाला बसंतपुर, मोतीपुर स्कूल परिसर, चिखली स्कूल परिसर तथा गोंडवाना समाज भवन रेवाडीह सहित चार अन्य स्थानों अर्थात दस स्थानों में भोजन के दो हजार पैकेट बांटे गए। इनके अलावा आशा नगर और आई एस डी पी पेंड्री में भी लोंगों को भोजन बांटा गया।

हर दिन जरूरतमंद लोगों एवं परिवारों को दो समय (दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तथा शाम 6 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक) भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इन सभी स्थानों में प्रभारी अधिकारियों और सहयोगी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। आयुक्त नगर निगम द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण एवं बचाव के लिए लॉक डाउन होने के कारण तथा दुकान, फैक्ट्री, अन्य निर्माण कार्य बंद होने के कारण बहुत सारे परिवारों के सामने दो वक्त का भोजन जुटाना कठिन हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वीडियों कांफ्रेसिंग में दिए गए निर्देशों एवं कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के निर्देशों के परिपालन में इन सभी परिवारों के लिए दो समय के भोजन के प्रबंध नगर निगम प्रशासन, राजनांदगांव शहरवासियों, स्वैच्छिक संगठनों तथा सामाजिक संगठनों के सहयोग से किए जा रहे हैं। इन स्थानों में दूसरे राज्यों से आए मजदूरों एवं उन लोगों के लिए भी भोजन की व्यवस्था की जाएगी, जो लॉकडाउन होने के कारण अपने घर, प्रदेश नहीं जा पाए।

नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा म्यूनिसिपल स्कूल स्थित गांधी सभागृह में भोजन तैयार कर विभिन्न स्थलों में वितरण करने की व्यवस्था की गई है। जिसके लिए प्रभारी सहायक अभियंता संदीप तिवारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। भोजन वितरण के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कर्मचारी गांधी सभागृह में प्रथम पाली सुबह 11 बजे एवं द्वितीय पाली शाम 5 बजे उपस्थित होकर निर्धारित स्थल पर भोजन पैकेट वितरण प्रभारी अधिकारी के निर्देशानुसार करेंगे।

नगर निगम आयुक्त चंद्रकांत कौशिक ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को संबंधित स्थल पर भोजन व्यवस्था से संबंधित दायित्वों का निर्वहन कोरोना संक्रमण के बचाव के आवश्यक उपायों एवं सावधानियों के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मनरेगा अंतर्गत तमाम कार्य शुरू कराने के आदेश जारी

देवभोग। देश मे कोरेना वायरस संक्रमण के बीच मनरेगा मांग आधारित एकता को मद्देनजर रखते हुए आज राज्य में तालाब गहरीकरण डबरी निर्माण भूमि सुधार मेड़बंदी कुंआ निर्माण सहित मनरेगा अंतर्गत तमाम कार्य शुरू कराने के आदेश जारी किया गया। ताकि रोजमररा जीवन गुजर-बसर करने वाले गरीब लोग अपने घर परिवार को आसानी से चला पाए। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते देवभोग ब्लॉक में मनरेगा का काम 10 से 12 पंचायत के गिने-चुने मजदूरों को छोड़कर बाकी में काम शुरू नहीं हो पाया क्योंकि मनरेगा विभाग के जिम्मेदार अपने कार्यालय से निकलकर पंचायत में मनरेगा कार्य शुरू करने का जहमत नहीं उठाया जिसके चलते 54 पंचायत के 45 हजार से ज्यादा महिला पुरुष मजदूरों को दैनिक वस्तुओं की व्यवस्था करने के लिए और भी मशक्कत करनी पड़ेगी मतलब अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आम मजदूरों को भुगतना पड़ेगा क्योंकि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते गांव गांव के मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है! पिछ्ले 9 दिनों से लॉक डाउन के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है! जबकि अधिकारियों की बैठक लेकर शासन द्वारा जारी गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए मजदूरों से काम करवाना है! शासन की गाइडलाइन सर कम से कम एक 1 मीटर के अंतराल मैं काम किया जाए कार्यस्थल पर सैनिटाइजर से हाथ धोने की व्यवस्था करने के अलावा एक मजदूर का फावड़ा एक ही व्यक्ति इस्तेमाल करने जैसे अन्य गाइडलाइन जारी किया है।

ब्रह्माकुमारी संगठन ने तैयार किया 800 बैड का आईसोलेशन

महासमुंद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से महामारी के रूप में विश्व भर में फैल रहे कोरोना वायरस से बचाव को लेकर प्रशासन की ओर से 800 बैड का आईसोलेशन तैयार किया गया। यह बात उपखंड अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार गोस्वामी ने मीडियाकर्मियों से मुखातिब होते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम को आगे आकर प्रशासन को सहयोग दिया। जिसके तहत शान्तिवन तलहटी के पास सिरोही रोड पर किवरली गांव में मान सरोवर परिसर में 800 बैड का अत्याधुनिक आईसोलेशन तैयार किया गया है। जो संभवतः राज्य में पहला उपखंड होगा जिसमें कोरोना वायरस से बचाव को लेकर अत्याधुनिक सुविधाओंयुक्त आईसोलेशन तैयार करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा की गई यह पहल अपने आप में सराहनीय ही नहीं अनुकरणीय भी है। महामारी के प्रकोप से बचने के लिए ऐसी कठिन परिस्थितियों में आगे आकर सहयोग प्रदान करने का मानवीय पहलू का एक ज्वलंत उदाहरण है।

25 नये स्प्रे मशीन से वार्डो की गलियों में सेनेटाईज कार्य प्रारंभ

राजनांदगांव। महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख द्वारा गत सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम के लिये किये जा रहे कार्यो की समीक्षा बैठक में वार्डो के तंग गलियों में सेनेटाईजन किये जाने 25 नग स्प्रे मशीन क्रय किये जाने के निर्देश दिये गये थे। निर्देश के अनुक्रम में 25 नग नये स्प्रे मशीन क्रय किया गया। जिसे गत दिनों महापौर श्रीमती देशमुख की उपस्थिति में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य अमला को वार्डो की गलियों में सेनेटाईज करने प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य गणेश पवार, विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी सदस्य राजेश गुप्ता चंपू एवं प्र.स्वास्थ्य अधिकारी अजय यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। महापौर श्रीमती देशमुख ने बतायी कि नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम के लिये युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

विधायक एवं पालिका अध्यक्ष ने वॉटर टूविस्टर को किया रवाना

महासमुंद। नोवल कोरोना वायरस (कोविड 19) के चलते पिछले सप्ताह भर से पूरे छत्तीसगढ़ में लॉक डाउन से जनजीवन थम सा गया है। वहीं इस संक्रमण से बचाव के लिए शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई के साथ सैनिटाइजर छिड़काव किया जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक विनोद चंद्राकर ने नगर पालिका को इस महामारी से निपटने के लिए विधायक निधि से 7 लाख रुपए दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने उक्त निधि से सैनिटाइजर छिड़काव के लिए 10 वॉटर टूविस्टर मशीन का क्रय किया गया है। जिससे बुधवार को पालिका के स्वास्थ्य विभाग को नगर में सैनिटाइजर छिड़काव के लिए रवाना किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने इसके लिए विधायक विनोद चंद्राकर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वॉटर टूविस्टर से वार्डों में सैनिटाइजर करने में मदद मिलेगी। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर के वार्डों में कई ऐसे गली मोहल्ले हैं जहां फॉयर ब्रिगेड वाहन प्रवेश नहीं कर पाता है।

पैदल घर लौट रहे 39 मजदूरों की सेहत जांच, सभी सामान्य

महासमुंद। घर जाने के लिए साधन नहीं मिलने पर मजदूर पैदल ही निकल पड़े हैं। मंगलवार को रेलवे ट्रैक के किनारे चलकर घर जा रहे 39 मजदूरों को आरपीएफने पकड़ा। इन मजदूरों में 29 रायपुर और 10 मध्यप्रदेश से जा रहे थे। 29 मजदूरों में से 20 रायपुर के गोगांव के आयल मिल में काम करते हैं, जो बलांगीर जा रहे थे। इसी तरह 9 कांटाबांजी जा रहे थे। उपरोक्त सभी छोकरानाला के पास एक प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते हैं। सभी की सेहत जांचने करने के बाद सामुदायिक भवन में रखा गया है। हालांकि इनमें कोविड 19 से पीड़ित होने जैसे लक्षण नहीं मिले हैं। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के सागर जिले के निवासी 10 मजदूर बागबाहरा में एक निजी टेलीकॉम कंपनी में केबल बिछाने का काम कर रहे थे।

कोरोना वायरस संक्रमण से सुरक्षा के लिए पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट डॉक्टर के लिए कवच की तरह कार्य करेगा

राजनांदगांव। पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट कोरोना वायरस से प्रभावित मरीज के इलाज के दौरान डॉक्टर की सुरक्षा के लिए मददगार बनेगा। विश्वभर में कोरोना वायरस कोविड-19 से प्रभावित मरीजों के लिए इलाज एवं सेवा के दौरान डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टॉफ ने कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए सेवा की है। ऐसी विकट परिस्थितियों में डॉक्टर और उनकी टीम दिन रात कोरोना वायरस से प्रभावित मरीजों के बीच रहते हैं, ऐसे में पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट उनके लिए एक कवच की तरह कार्य करेगा जिससे वे कोरोना वायरस संक्रमण के दुष्प्रभाव से दूर रहेंगे।

हमारे देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या को देखते हुए चिकित्सकों ने आगे बढ़कर अपना दायित्व निभाया है। चिकित्सा सेवा से जुड़े डॉक्टर, नर्स एवं स्टॉफ में जिस निष्ठा एवं समर्पण से कार्य किया वह अमूल्य है। छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या 7 हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश में लॉकडाउन किया है, जिससे संक्रमण की स्थिति काफी हद तक नियंत्रित है। राजनांदगांव जिले में कोरोना वायरस से प्रभावित मरीजों की सेवा एवं उपचार में डॉक्टर एवं उनकी टीम 24 घंटे 7-7 दिन की शिफ्ट में लगातार लगी हुई है। जिले में विदेश भ्रमण से आने वाले एवं कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आने वाले कुल 129 लोगों आईसोलेट किया गया है। सभी लगातार मेडिकल चेकअप भी किया जा रहा है। वर्तमान में सभी स्वस्थ है। सभी आईसोलेट किए गए घरों के बाहर स्टीकर भी लगाया गया है। साथ ही होम आईसोलेट घर से बाहर घुमते कोई भी नजर आए तो घर में तालाबंदी कर चाबी संबंधित क्षेत्र के थानों में जमा कर दी जाएगी। जिले में 200 आईसोलेशन बेड है इसके साथ ही 21 वेन्टीलेटर है, कुल आईसीयू बेड 45, वर्तमान 20 आईसीयू बेड, 39 डीफेब्रीलेटर, 78 सिरिंज पंप, 100 हाई फ्लो मास्क, कोविड-19 ओपीडी में चार डॉक्टर, एक टेक्नीशियन की ड्यूटी, 120 बेड के आईसोलेशन वार्ड में 6 डॉक्टर, 3 कन्सलटेन्ट, आईसीयू में 6 डॉक्टर, दो नर्स की ड्यूटी लगी हुई है और लोगों के स्वास्थ्य की जांच डॉक्टर की टीम निरंतर कर रही है। ऐसे में पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट किट उनके लिए रक्षक की तरह कार्य करेगा।

सर्दी-खांसी-बुखार की जांच हजारों ने कराई, नहीं मिले संक्रमित

महासमुंद। जिला चिकित्सालय में शहरी क्षेत्रों के आलावा विभिन्न विकासखंडों से आए ग्रामीण अंचलों में कोने-कोने से आए लोगों में अब तक 5080 मरीजों को सर्दी एवं खांसी की शिकायत थी। इनके साथ बुखार की परेशानी झेल रहे मरीजों का आंकड़ा 1562 रहा, इनमें सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहे 18 संदिग्ध मरीजों की जांच भी की गई। लेकिन, किसी में भी कोरोना वायरस संक्रमण की तरह लक्षण होने की पुष्टि नहीं हुई। विभाग का जिला स्तरीय आंकलन भी इस बात को स्वीकार करता है कि अलग-अलग स्थानों से संदिग्ध प्रकरणों की जांच के लिए नमूने राजधानी भेजे गए थे। लेकिन, अब तक के आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब एक भी प्रकरण नहीं मिला है जिसे कोविड 19 से पीड़ित माना जा सके। उल्लेखनीय है कि देश व प्रदेश स्तर पर वायरस संक्रमण का फैलाव की जानकारी मिलते ही जिले में एहतियात के तौर पर कई महत्वपूर्ण कदम उठा लिए गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बस-ट्रक ऑपरेटरों का...

आशय का प्रस्ताव परिवहन तथा वन मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा रखा गया था। इस प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री बघेल द्वारा बस-ट्रक ऑपरेटरों के हित को ध्यान में रखकर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मंत्रिमंडल सहित तत्परता से सहमति प्रदान कर दी गई। कैबिनेट की बैठक में मंत्रिमंडल द्वारा इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव और इसमें लिए गए निर्णय को राज्य के परिवहन व्यवसाय के क्षेत्र में राहत पहुंचाने वाला एक सराहनीय कदम बताया गया। छत्तीसगढ़ सरकार के इस राहत भरे महत्वपूर्ण फैसले से राज्य में संकट की घड़ी में बस और ट्रक ऑपरेटरों को काफी लाभ मिलेगा।

सीएम ने असंगठित..

प्रतिमाह की राशि आगामी 3 माह तक उनके खातों में अंतरित की जाए। इसमें महिला, पुरुष, जीरो बैलेन्स अथवा अप्रचलित खाते सभी शामिल हो। संगठित क्षेत्र के सभी कामगारों जिन्हें 15 हजार प्रतिमाह से कम राशि प्राप्त होती हो, उनकी भविष्य निधि की संपूर्ण राशि आगामी तीन माह तक केंद्र सरकार द्वारा वहन करने और उसमें किसी भी तरह की पूर्व शर्त नहीं रखने का अनुरोध किया है।

कोरोना: सभी राज्यों के...

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की थी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने कोरोना से निपटने के लिए पूरे देश में 21 दिन तक लॉकडाउन की घोषणा की थी। इस दौरान जब इसके उल्लंघन की तस्वीरें सामने आई तो पीएम ने नाराजगी भी जाहिर की थी। उन्होंने सभी राज्यों से सख्ती से लॉकडाउन का पालन कराने की अपील भी की थी।

दिल्ली रिटर्न संदिग्ध...

भी को गेवरा हास्पिटल आइसोलेट के लिए भेज गया है। वही खबर आ रही है कि रामसागर पारा के कोरोना संक्रमित युवक के दोस्त जांजगीर चम्पा जिले में रहने वाले को भी उसके घर मे आइसोलेट किया गया है। वह कोरबा के युवक को लंदन से लौटने पर अपनी कार में अकलतरा से कोरबा छोड़ा था। इसके अलावा एक ड्राइवर और उसके परिवार समेत सात लोगो को भी होम आइसोलेशन में रखा गया है।

11 मार्च के बाद...

मंगलवार को डिस्चार्ज किया गया भिलाई का युवक दुबई से लौटा था। वहीं राजनांदगांव में भर्ती मरीज थाईलैंड से लौटा है और बिलासपुर में भर्ती महिला मरीज सऊदी अरब से लौटी है। प्रदेश में अब तक कोरोना पॉजिटिव पाए गए 9 मरीजों में से एक ही ऐसा निकला है, जिसकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जगदलपुर

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 70/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां./खण्ड/2020 जगदलपुर, दिनांक 28.02.2020

निविदा आमंत्रण सूचना-संशोधन क्रमांक-01

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 70/व.ले.लि./का.अभि./लो.स्वा.यां./जगदलपुर दिनाक 28.02.2020 के समय सारिणी के अनुसार निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि दिनांक 25.03.2020 के अपरान्ह 5.30 बजे तक थी अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा के समय सारिणी में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

1.0 समय सारिणी :-

क्र.	विवरण	पूर्व निर्धारित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
1.1	निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिए खंड कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.03.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक	20.04.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
1.2	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	26.03.2020 अपरान्ह 5.30 बजे के पश्चात	21.04.2020 अपरान्ह 5.30 बजे के पश्चात
1.3	निविदा प्रपत्र स्पीड पोस्ट से जमा करने की अंतिम तिथि	28.03.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक	23.04.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
1.4	निविदा खुलने की तिथि व समय	30.03.2020 अपरान्ह 3.30 बजे से	24.04.2020 अपरान्ह 3.30 बजे से

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

जी-78205/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
जगदलपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

निर्देशक बनना चाहते थे अजय देवगन

मुम्बई (वार्ता)। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन ने अपने दमदार अभिनय से सिने प्रेमियों को अपना दीवाना बनाया है लेकिन कम लोगों को पता होगा कि वह पहले निर्देशक बनना चाहते थे। अजय का मूल नाम विशाल देवगन है। उनका जन्म दिल्ली में दो अप्रैल 1969 को हुआ था उनके पिता वीरू देवगन हिंदी फिल्मों के नामी स्टंटमैन थे जबकि उनकी मां वीणा देवगन ने एक-दो फिल्मों का निर्माण किया था। घर में फिल्मी माहौल के होने कारण अजय की रूचि भी फिल्मों की ओर हो गयी और वह फिल्म निर्देशक बनने का सपना देखने लगे। उन्होंने स्नातक की पढ़ाई मुंबई के मिठी भाई कॉलेज से पूरी की। इसके बाद वह फिल्म निर्देशक शेखर कपूर के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम करने लगे। इसी दौरान उनकी मुलाकात कुक्कु कोहली से हुयी जो उन दिनों नई फिल्म 'फूल और कांटे' के निर्माण में व्यस्त थे और एक ऐसे अभिनेता की तलाश में थे जो रूमानी भूमिका के साथ-साथ एक्शन दृश्य भी कर सके। इस दौरान उन्होंने अजय के बारे में सुना कि वह एक्शन और नृत्य करने में माहिर है और उन्होंने उनसे फिल्म का नायक बनने की पेशकश की।

अक्षरा सिंह का गाना एक लाख का लहंगा ने मचाया धमाल

मुंबई,(वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह

के नये गाने 'एक लाख का लहंगा' ने धमाल मचा दिया है। अक्षरा सिंह के नये गाने एक लाख का लहंगा' है, को सोनी म्यूजिक रीजनल ने अपने यू-ट्यूब चैनल से रिलीज किया है। इस गाने को महज कुछ ही घंटों में एक लाख व्यूज मिल चुका है। गाने का लिरिक्स आर आर पंकज और म्यूजिक विनय विनायक का है। अक्षरा का कहना है, एक लाख का लहंगा' चार्ट बस्टर होने वाला है। इस गाने की मेकिंग बेहद अलग और ताजातरीन है। इसलिए मुझे इस गाने से काफी उम्मीदें हैं। अक्षरा ने कहा कि मेरा गाना खासकर उन सभी लोगों का भी मनोरंजन करने वाली है, जो कोरोना वायरस के खिलाफ लॉकडाउन के बाद घर में हैं। स्वस्थ हैं, मैं सबों के स्वस्थ होने की कामना करती हूँ।

कोरोना खत्म होते ही सबसे पहले ये काम करेंगी दीपिका

दीपिका पादुकोण अपने मम्मी, पापा और बहन के बहुत करीब हैं जो उनसे दूर बैंगलोर में रहते हैं। दीपिका एक अच्छी बेटी की तरह, वह हर बार यह सुनिश्चित करती है कि जब भी उन्हें उसकी आवश्यकता होती है, वह उनके लिए हाजिर रहती हैं। अब हाल ही में दीपिका ने बताया कि लॉकडाउन के खत्म होने के बाद वह पहली चीज क्या करेंगी। तो दीपिका ने कहा, 'मैं सबसे पहले अपने मम्मी-पापा से मिलने जाऊंगी क्योंकि मैं असल में उनसे मिलने के लिए बैंगलोर जाने वाली थी और फिर अपने शेड्यूल (शकुन की फिल्म) के लिए रवाना होने वाली थी क्योंकि इसकी शूटिंग के लिए 2 महीनों के लिए बाहर जाने वाले थे। इसलिए उनसे मिलना चाहती थी। तो मुझे लगता है कि ये सब खत्म होने के बाद सबसे पहले मैं उनसे मिलने जाउंगी।' दीपिका ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में कहा, 'लॉकडाउन के लिए रणवीर सिंह एक बेहतरीन इंसान हैं। रणवीर करीब 20 घंटे सोते हैं और उसके अलावा बचे हुए चार घंटों में हम फिल्म देखते हैं और एक्सरसाइज करते हैं।' दीपिका ने बताया कि रणवीर इस खाली वक्त को बहुत एन्जॉय कर रहे हैं। दीपिका ने कहा था, 'रणवीर किचन में कभी नहीं जाते हैं, लेकिन मैं इटेलियन और कॉन्टिनेंटल अच्छा बना लेती हूं। हालांकि मुझे हमेशा से ही खाना बनाने से डर लगता था। इस खाली वक्त में मैं भारतीय खाना बनाना सीखना चाहती हूं। वहीं अब मैं धनिया-पुदीना और बेसन-आटा का अतंर भी समझना चाहती हूं।'

कोरोना के विरूद्ध जंग में आगे आई माधुरी-करीना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित, करीना कपूर और निर्देशक रोहित शेट्टी ने कोरोना वायरस के खिलाफलड़ाई में डोनेशन दिया है। कोरोना वायरस के कारण भारत सहित पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है और सभी इसके बचाव के लिए अपने स्तर पर कोशिश में लगे हुए हैं। देश की इस मुश्किल घड़ी में बी-टाउन इंडस्ट्री के सेलेब्रीटिज डोनेशन दे रहे हैं। माधुरी दीक्षित ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दी है। उन्होंने अपने पोस्ट में और फैंस से कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में अपना-अपना योगदान देने की अपील भी की है। माधुरी ने ट्विटर पर लिखा, हम सभी को मानवता के लिए हाथ मिलाना चाहिए ताकि इस लड़ाई से जीता जा सके।

कम नहीं हैं अनन्या पांडे की कजन, बोल्ड तस्वीरों से मचा रही हैं तहलका

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की कजन अलाना पांडे बोल्ड तस्वीरों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। खूबसूरती के मामले में किसी भी सेलिब्रिटी से कम नहीं हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। स्टनिंग और हॉट तस्वीरों के चलत अलाना पांडे इंटरनेट सेंसेशन बन चुकी हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की है, जो जमकर वायरल हो रही हैं। अलाना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बोल्ड तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में वो सफेद रंग की बिकिनी में नजर आ रही हैं। फैन्स को उनका अंदाज काफी पसंद आ रहा है। उनकी तस्वीरों को खूब लाइक और शेयर किया जा रहा है। फैन्स उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि अलाना पांडे का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी बोल्ड फोटोज भरा पड़ा है। आए दिन वो सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड बिकिनी तस्वीरें शेयर कर छाई रहती हैं। अलाना पांडे का हॉट अंदाज इंटरनेट पर फैन्स के बीच बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। अलाना ने सोशल मीडिया पर अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग तैयार कर ली है। इंस्टाग्राम पर उनके 5 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। रिपोट्र्स की मानें तो इस समय अलाना फेमस फैशन डिजाइनर मोनिशा जयसिंग के बेटे युदी जयसिंह के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों को कई बार साथ में टाइम स्पेंड करते देखा जा चुका है। अलाना पांडे की तस्वीरों को देखने के बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि बोल्डनेस के मामले में वो अपनी बहन अनन्या से कहीं आगे हैं।

आईपीएल 13वें को लेकर क्रिकेटरों की शंका दूर करने के बनाए व्हाट्सऐप ग्रुप

नई दिल्ली (ए.)। कोविड-19 महामारी के चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन पर सवालिया निशान लग गया है। आईपीएल का आगाज 29 मार्च को होना था, लेकिन कोरोनावायरस संक्रमण के बढ़ते हुए खतरे के बीच इसे 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा मुश्किल लग रहा है कि इस साल आईपीएल खेला भी जा सकेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आठों फ्रेंचाइजी टीम मिलकर इस पर अभी कोई फैसला नहीं ले सके हैं और इस बीच इसमें हिस्सा लेने वाले क्रिकेटर्स भी काफी परेशान हैं। फ्रेंचाइजी टीमों और उनके क्रिकेटरों के बीच कम्यूनिकेशन के लिए अब व्हाट्सऐप ग्रुप बनाए गए हैं। एक फ्रेंचाइजी टीम के अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ी मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए जवाब चाहते हैं, लगातार मीडिया में अलग-अलग तरह की खबरें आ रही हैं, इसलिए मैनेजमेंट को लगा कि इसका एक तरीका यह है कि फ्रेंचाइजी टीम के अधिकारियों और खिलाड़ियों का एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया जाए, जिस पर आईपीएल को लेकर तमाम चर्चाएं हो सकें।

'खिलाड़ियों के पास होनी चाहिए पूरी जानकारी'

एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'बाहर के लोगों की सुनकर और आधी-अधूरी जानकारी लेकर कोई फायदा नहीं, इससे बेहतर उनके पास आईपीएल को लेकर एकदम सही जानकारी होनी चाहिए।' बीसीसीआई आईपीएल के लिए अक्टूबर-नवंबर के शेड्यूल के बारे में भी सोच रहा है, लेकिन यह तभी मुमकिन है जब आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप स्थगित हो। हालांकि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया जा सका है।

कोविड-19 का बुरा असर खेल की दुनिया पर

कोविड-19 महामारी से दुनियाभर में 8.5 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं, भारत की बात करें तो यहां 1300 से ज्यादा इसके मामले सामने आ चुके हैं। पूरी दुनिया में 42,000 से ज्यादा लोग इस महामारी के चलते अपनी जान गंवा चुके हैं। इस महामारी के चलते 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स, 2020 यूरो कप जैसे बड़े टूर्नामेंट्स स्थगित किए जा चुके हैं, जबकि इस साल अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है।

लॉकडाउन में अपने कुत्ते के सामने दिनेश कार्तिक ने किया ऐसा डांस

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस का प्रकोप पूरी दुनिया में छाया हुआ है। इस वैश्विक महामारी की वजह से दुनियाभर के लोगों को घर में बैठना पड़ा रहा है। कोविड-19 की वजह से दुनियाभर में क्रिकेट इवेंट्स पर भी ब्रेक लगा हुआ है।

29 मार्च से वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होने वाला आईपीएल 2020 भी 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित किया जा चुका है, लेकिन हालात को देखते हुए इस टूर्नामेंट को हो पाना संभव नहीं लग रहा है। ऐसे में सभी क्रिकेटर्स भी अपने परिवार के साथ घर में वक्त बिता रहे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया के जरिये खिलाड़ी अपने फैन्स से बातें कर रहे हैं और उनका मनोरंजन भी कर रहे हैं। फिटनेस और वर्कआउट के साथ-साथ भारतीय क्रिकेटर घर के काम भी कर रहे हैं। इसके साथ ही वह अपने पालतू कुत्तों के साथ भी जमकर मस्ती कर रहे हैं। केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, विराट कोहली, युजवेंद्र चहल जैसे कई क्रिकेटर अक्सर अपने पालतू कुत्तों के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते रहते हैं। इसी कड़ी में दिनेश कार्तिक ने भी अपने पेट डॉग के साथ एक वीडियो शेयर किया है।

यह वीडियो काफी मजेदार है। इस वीडियो में दिनेश कार्तिक अपने पेट डॉग के सामने कुछ अजीबो-गरीब सा डांस करते हुए आगे बढ़ते हैं। जैसे ही कार्तिक अपने कुत्ते की तरफबढ़ते हैं, वह डरकर वहां से भाग जाता है।

कोरोना वायरस के कहर के बीच देश में संक्रमित मरीजों की संख्या 1600 पार कर गई है। महाराष्ट्र में बुधवार सुबह 18 और पॉजिटिव मामले सामने आए। इस तरह राज्य में अब तक 320 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। इससे पहले बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 146 नए मामलों के सामने आने के बाद इनकी संख्या बढ़कर मंगलवार को 1,397 हो गई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश भर में महामारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 35 हो गया है।

कोरोना को देखते हुए द. अफ्रीका क्रिकेट ने तैयार किया चार सूत्री कार्यक्रम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया भर में फैली घातक कोविड-19 महामारी के खिलाफलड़ाई में संगठन से जुड़े सभी लोगों की हर तरह से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार सूत्री रणनीति तैयार की है।

दक्षिण अफ्रीका में 16 अप्रैल तक लॉकडाउन है और ऐसे में सीएसए के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी जॉक फॉल ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेन्स के जरिये योजना तैयार की। इसमें अंतरिम निदेशक ग्रीम स्मिथ ने भी हिस्सा लिया। जॉक फॉल ने कहा, ''इस समय स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। हमारी दुनिया में खेल बेहद महत्वपूर्ण चीज है और इससे कई लोगों की आजीविका चलती है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो विश्व अभी इससे भी बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।''

ईसीबी ने काउंटी क्रिकेट के लिए किया करोड़ों का ऐलान

लंदन (ए.)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए छह करोड़ 10 लाख पाउंड के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। ईसीबी ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए 28 मई तक के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि पर पहले ही रोक लगा रखी है। बोर्ड ने कहा कि वित्तीय मदद के रूप में शुरुआती चार करोड़ पाउंड की राशि तुरंत दी जाएगी, जोकि प्रथम श्रेणी काउंटी और काउंटी क्रिकेट बोर्ड के लिए होगी। बाकी की राशि उन काउंटी को दी जाएगी जो 2020-21 के दौरान सुविधाओं को पाने के योग्य नहीं थे। इसके अलावा, इंग्लैंड के मैचों की मेजबानी के लिए जो काउंटी ईसीबी को भुगतान करते थे और कोरोनावायरस के कारण अगर वे मैच आयोजित नहीं हो पाते हैं तो उसे भी चार महीने के लिए माफ कर दिया जाएगा।

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने कहा, हमारा मानना है कि यह बेहद चुनौतीपूर्ण और मुश्किल समय है। इंग्लैंड एंड वेल्स में अपने स्तर पर क्रिकेट परिवार के सभी सदस्यों को तत्काल सहयोग पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, हम इस बात से अच्छी तरह से अगवत हैं कि कोविड-19 के कारण स्थिति आगे और मुश्किल होगी और इससे पूरे वित्तीय नुकसान का अनुमान लगाने में महीनों लगेंगे। खेल पर पड़ने वाले सभी तरह के प्रभाव का सामना करने के लिए हम अपने पार्टनरों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

पति विराट संग क्वारंटाइन में मस्ती कर रही हैं अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस की कहर से हर कोई डरा हुआ है। इस बीमारी से लगभग सभी देश परेशान है। इस महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले ऱखा है। दुनिया के साथ ही साथ ही साथ भारत भी इस परेशानी से जूझ रहा है। ऐसे में सरकार ने पूरे देश को 14 अप्रैल तक लॉक डाउन कर दिया है। इस लॉक डाउन की वजह से सभी बॉलीवुड कपल को एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने का मौका मिल गया है। सभी बॉलीवुड सलेब्स क्वारंटाइन होकर अपनी फैमिली के साथ एन्जॉय कर रहे हैं। इतना ही नहीं सभी अपने हाथों से घर की सफाई करते हुए अपने फैंस को मोटिवेट भी कर रहे हैं। इसी बीच अनुष्का शर्मा ने अपने पति और इंडियन क्रिकेट के कप्तान विराट कोहली और अपने डॉग के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर किया है। इस फोटो को शेयर करते हुए अनुष्का ने दिल छू लेना वाला मैसेज भी लिखा है।

फोटो में विराट अनुष्का की बाहों में दिख रहे हैं । दोनों के चेहरे पर प्यार भरी स्माइल है और दोनों अपने डॉगी को प्यार से सहलाते हुए नजर आ रहे हैं। विराट-अनुष्का को देखकर लग रहा है कि दोनों अपने लवर डॉगी से कुछ कह रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए अनुष्का ने कैप्शन में लिखा, 'मैं बस सभी को बताना चाहता हूं कि मैं उन सभी के लिए कितना दर्द महसूस करती हूं जब मैं उन पीड़ितों को देखती हूं। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं में यथासंभव मदद करना चाहती हूं। जो भी पीड़ित हैं मेरी दुआएं उनके साथ हैं। वे जल्द से जल्द ठीक हो जाए। इस समय में मुझे यह अहसास हुआ की जीवन बिताने के लिए अन्न, पानी तथा घर ये तो महत्वपूर्ण हैं ही, लेकिन सबसे अधिक महत्व स्वास्थ अच्छा होना चाहिए। इस क्वारंटाइन में घर में रहकर अपना समय अपने फैमिली के साथ बिताइए।

आपको बता दें कि कोरोना वायरस खिलाफ जारी जंग जीतने के लिए अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने पीए-सीएम केयर फंड में 3 करोड़ का डोनेशन दिया है। विराट और अनुष्का के दान की खबर सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स जहां एक तरफ दोनों की जमकर तारीफकर रहे हैं तो वहीं दान की गई राशि के बारे में भी जानने को काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

कबीरधाम जिले में तीन ट्रकों का अवैध प्रवेश, तीनों चालको पर जुर्म दर्ज

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कोरोना वायरस के रोकथाम और नियंत्रण के लिए जारी लॉकडाउन में कबीरधाम जिले की सीमा में अवैध रूप से प्रवेश कराने वाले तीन ट्रक चालकों पर अपराध पंजीबद्ध कर ट्रक जब्त कर लिया गया है। तीन अलग-अलग सीमावर्ती क्षेत्र चिल्फी, पोलमी और दशरंगपुर में तीन ट्रक के अवैध परिवहनों पर कार्यवाहीं हुई है। वाहन चालको पर अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। कलेक्टर श्री अवनीश कुमार शरण ने जिले अथवा जिले के बाहर खाद्यान्न सामाग्रियों से जुड़ी ट्रकों के परिवाहनों की अनुमति दी है। जब्त एक ट्रक में टैंकर लोड़ था। वही दो अन्य ट्रकों में कुछ मजदूर को अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में लॉक डाउन किया गया है। कबीरधाम जिले में कलेक्टर श्री शरण द्वारा खाद्यान्न समाग्री अथवा उनके जुडे खाली वाहनों के मुमेंट की ही अनुमति दी गई है।कवर्धा अनुविभागीय अधिकारी श्री विपुल गुप्ता ने बताया कि जिले के अंतिम सीमा क्षेत्र कवर्धा-बेमेतरा मार्ग के दशरंपुर चौकी में ट्रक क्रमांक एमपी 04 जीए 2899 को जब्त किया गया है और वाहन चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है। यह डिप्टीकलेक्टर श्री विनय कश्यप और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई है। ट्रक में लगभग 30-से 35 श्रमिक सवार थे। सभी श्रमिकों का स्वास्थ्य अमले द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है।

बोडला अनुविभागीय अधिकारी श्री विनय सोनी ने बताया की चिल्फी पुलिस ने चिल्फी के पास ट्रक क्रमांक जीजे, 03 ऐ जेड 6339 को जब्त किया गया है। वाहन चालक बृजेशा सिंह परिहार के खिलाफ अपराध पंजीबंद्ध किया गया हैं। पुलिस टीम के मुताबिक ट्रक में लगभग 10 श्रमिक अवैध रूप से सवार थे। पंडरिया अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रकाश टंडन ने बताया कि पोलमी बैरियर में कुकदूर पुलिस टीम ने ट्र के अवैध परिवहन पर कार्यवाहीं की है। पुलिस के मुताबिक ट्रक क्रमांक केआर 34 बी 6264 में टैंकर लोड था। लॉकडाउन के दौरान जिले में खाद्यान्न समाग्रियों से जुड़ी वाहनों के जिले में प्रवेश की अनुमति है।

न्यूज गैलरी

बीजापुर में पांच सदस्य पत्रकारों की टीम ने 1000 मास्क निशुल्क वितरण किया

बीजापुर। बीजापुर में पांच सदस्य पत्रकारों की टीम ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए मास्क वितरण कर लोगों को बहार न निकले और समय-समय पर साबुन या सेनेटयजर से हाथ धोने ,जरूरत मंद समान के लिए घर से एक ही व्यक्ति बहार निकलने की अपील की। रोकथाम में लगे स्वास्थ्य विभाग की टीम, पुलिस बल, यातायात विभाग, एजुकेशन सिटी निर्माण कार्य में लगे लेबार - मिस्त्रीओं एवं मजदूरों और विभिन्न मोहल्लावासियों को निःशुल्क मास्क बांटने का कार्य किया गया है। जिला कलेक्टर बीजापुर को पांच सदस्य पत्रकारों की टीम ने विधिवत एक आवेदन पत्र देकर धारा 144 का पालन करते हुए लॉकडॉउन की स्थिति में बिना किसी दिक्कत के इस कार्य को किया गया। इस दौरान हमारी पांच सदस्य पत्रकारों की टीम समैया पागे, राजेश झाड़ी, बसंत मामडीकर, रामचंद्र एरोला, रत्तू तेलाम, सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित थे।लगातार इस महामारी में लोगों की सेवा का कार्य किया गया रहा है।

कोरोना से लोगों को रोकने के लिए एनएमडीसी, सीएसआर विभाग सक्रिय

बचेली। कोरोना महामारी से बचाव हेतु एनएमडीसी सीएसआर विभाग लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से तैयार हैंड सेनिटाइजर और सर्जिकल मास्क वितरण किये जा रहे है। आपको बता दे की एनएमडीसी बचेली ग्रामीण क्षेत्र में मास्क एवं हैंड सेनिटाइज़र तो दे ही रहा है वही किरंदुल और नगरनार भी इस तरह की सेवा प्रदान कर रहे है। ग्रामीणों को विशेष रूप से सैनिटाइज़र प्रदान किया जा रहा है जो सब्जी और अन्य सामान बेचने / खरीदने के लिए बाजार का दौरा कर रहे हैं। सीएसआर विभाग के हेड सुनील उपाध्याय द्वारा ग्रामीणों को कोरोना संक्रमणों से बचने के लिये उचित दिशा निर्देश के साथ साथ साबुन से हाँथ धोने की तकनीक के बारे में बताया गया। एनएमडीसी द्वारा साबुन, मास्क सेनेटाइजर और प्रशिक्षण प्रदान करके आस-पास के गाँवों तक भी मदद पंहुचाई जा रही है । इसके अलावा, एनएमडीसी, बचेली ने सरकार को मास्क और सैनिटाइज़र भी प्रदान किया है। बचेली में अधिकारी जो आपातकालीन ड्यूटी पर हैं उन्हें भी सीएसआर विभाग द्वारा सुरक्षा सामग्री प्रदान की जा रही है। एनएमडीसी सीएसआर बचेली के इस प्रयास को ग्रामीणों, उनके नेताओं, स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन दंतेवाड़ा ने भी सराहा है।

शुष्क दिवस घोषित

बीजापुर। कलेक्टर केडी कुंजाम ने छग आबकारी अधिनियम की धारा 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण में आम जन को सुरक्षित रखने के उददेश्य से बीजापुर जिले में संचालित समस्त देशी-विदेशी मदिरा दुकानों को 01 अप्रैल से 07 अप्रैल 2020 तक 07 दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। उक्त अवधि में जिले के समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकाने बंद रहेगी।

संकटकालीन जरूरत मन्द श्रमिको के लिये भूपेश सरकार सजगता के साथ कार्य कर रही है : डॉ.चन्द्राकर

रायपुर। केंद्र की सरकार एवं प्रदेश की भूपेश सरकार सेवा में तत्पर है । अपने और अपने परिवार के भोजन और स्वास्थ्य के लिए घबराने की जरूरत नही है । दिहाड़ी मजदूर मंदबुद्धियो के लिए भी पैकेट व्यवस्था भी की गई है। प्रदेश सरकार गम्भीरता के साथ निराकरण करने के लिए प्रदेश एवं जिला स्तर पर काँग्रेस कमेटी की टीम ततपरता के साथ लगी हुई है। पी एल पुनिया, चन्दन यादव, टी एस सिंहदेव मंत्री,डॉ चरणदास महंत, मंत्री गण, विद्यायक, महापौर, नगर पालिक अध्यक्ष सहित सभी हमारे जनप्रतिनिधि , और काँग्रेस के पदाधिकारी लगे हुये है। इस महामारी से जनता की सुरक्षा के लिए सरकार व संगठन हर संभव मदद के तैयार है।

16 ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव ने 72 लाख से ज्यादा राशि निकालकर किया व्यारा-नियारा

■ जनपद अधिकारियों से सांठगांठ

देवभोग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के समय लगे आदर्श आचार संहिता के दौरान जनपद अधिकारियों से सांठगांठ कर ब्लॉक के 16 ग्राम पंचायत सरपंच सचिव ने 72 लाख से ज्यादा राशि 14वें वित मद के तहत निकालकर व्यारा नियारा कर दिया और जिन जिन कार्य के राशि निकाला गया वह कागज पर ही अब तक नजर आ रहा है! वर्तमान सरपंचों के पास पंचायत के अंतर्गत जरूरत कार्य कार्य नहीं कर पा रहे हैं कोरेना वायरस संक्रमण महामारी के रोकथाम के लिए भी कोई पहल पंचायत स्तर पर नहीं दिखाई पड़ रहा है जबकि सैनटाइजर मार्क्स एवं सार्वजनिक जगहों पर पानी की व्यवस्था करने की मांग ग्रामीणों द्वारा लगातार किया जा रहा है लेकिन वर्तमान सचिव सरपंच पंचायत खाते में पैसा नहीं होना बताकर अपने हाथ खड़े कर दे रहे हैं मतलब गांव के लोगों का पै पैसा आपस में ही बंदरबांट कर लिया बताया तो यह भी जाता है! कि कुछ सरपंचों 14 वें वित की मद राशि को निकालकर अपने चुनाव में खर्च कर लिया है तभी एक्शन प्लान में लिए गए कार्य जमीनी स्तर पर नहीं हो पाया है!

जबकि 14वें वित मद की राशि खर्च करने के लिए लंबी चौड़ी नियम है डीएसई के तहत जिन कार्य के लिए राशि निकाला है !उक्त कार्य को जिओ ट्रैकिंग करते हुए डिजिटल सिग्नेचर ऑनलाइन के माध्यम से बिल का राशि निकालना होता है! लेकिन फिल्ड यह प्रक्रिया बिल्कुल भी नहीं हो पाया है! मतलब सरपंच सचिव लाखों रुपए अपने निजी कार्य में खर्च कर लिया है जानकारी अनुसार मुडागांव पंचायत में 7 लाख, डोहेल, से 5लाख 97 हजार और सितलीजोर 6 लाख 67 हजार, बरबेहली 3 लाख 50 हजार, डूमरपीटा 4 लाख 82 हजार, करचिया पंचायत मे 4 लाख 51 हजार सहित 16 ग्राम पंचायत के सचिव सरपंच में आचार संहिता के दौरान 72 लाख से ज्यादा राशि निकाल लिया है जैसे ही चुनाव14वें वित्त राशि जिला पंचायत द्वारा पंचायत खाते में डाला गया बिना देरी की सरपंच सचिव ने राशि निकालकर अपने अपने निजी कार्य में उपयोग कर लिया है! जिसकी भनक ग्रामीणों को तक लगने नहीं दिया और ऐसे में पंचायत के मंशाअनुसार जरूरत के कार्य बिल्कुल भी नहीं हो पाएगा यही कारण है! कि वर्तमान स्थिति मैं गांव गांव की साफसफाई के अलावा नाली सहित अन्य निर्माण कार्य नहीं हो रहा है ! इसलिए शिकवा शिकायत का दौर भी शुरू हो गया है! क्योंकि 14 वित्त के तहत राशि आवंटन के लिए नए सरपंच को लंबा इंतजार करना पड़ेगा जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है सबसे मजेदार बात तो यह है! कि चुनाव में तमाम व्यस्तता के बावजूद अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सचिव को 14वें वित मद कि राशि निकालने को समय मिल गया जबकि फील्ड कार्य मैं जियो टैगिंग सहित ऑनलाइन प्रक्रिया पूरा करने के लिए अधिकांश समय लगते देखा जाता है! जिम्मेदारों पर तो यह भी आरोप लगाया जा रहा है! कि ऑनलाइन करने के लिए अच्छी तरह चढ़ावा भी चढ़ाया गया है तभी नियमों को दरकिनार करते हुए भी बिल एंट्री कर और फर्म वेंडर को राशि जारी हो गया जिन पंचायतों में राशि निकाल लिया है उनमें से अधिकांश पंचायत में कई कार्य की मांग हो रही है! नल जल दुरुस्त करने तालाब सफाई नाली निर्माण पेयजल की व्यवस्था सहित तमाम तरह की मांग किया जा रहा है! लेकिन पंचायत में फंड नहीं होने के कारण ऐसे प्रमुख समस्या का निराकरण भी नहीं हो पा रहा है।

> आदर्श आचार संहिता के दौरान 15 16 पंचायत ने 14 वित्त राशि निकाला था और अभी वर्तमान में उनके खाते में पैसा है
>
> **एम.एल मंडावी,** सीईओ
>
> आंचार सहिता शितल होने के बाद राशि निकला है और फील्ड मे काम चल रहा है।
>
> **दशरथ नायक,** सचिव ग्राम पंचायत करचिया

वार्ड क्रमांक 6 में युद्ध स्तर में हो रही है सड़क और नाली की सफाई

सक्ती। कोरोना संक्रमण से पूरी दुनिया जूझ रही है वहीं नेता भी इस संक्रमण के बचाव को लेकर अपने अपने स्तर में काम कर रहे हैं।

इसी कड़ी में नगर के वार्ड क्रमांक 6 की पार्षद रजनी संजय रामचंद्र भी अपने वार्ड में साफसफाई को लेकर काफी संवेदनशील लग रही है। वैसे भी रजनी संजय रामचंद्र वार्ड के विकास के लिए तत्पर रहती हैं यही कारण है कि वो अपने वार्ड के साथ साथ नगर में भी काफी लोकप्रिय है। सुबह से ही पार्षद रजनी अपने वार्ड में फैली गंदगी को साफकराने में लगी हुई है, नाली, सड़क की सफाई के साथ साथ दवाई छिड़काव भी कर रही है। हमारे प्रतिनिधि से बात करते हुए रजनी संजय रामचंद्र ने कहा कि सड़क नाली में गंदगी के कारण मच्छरों का काफी आतंक बढ़ गया था। अभी लॉक डाउन की स्थिति है और लोग अपने घरों में ही शाम होते ही मच्छरों के आतंक बढ़ जाता है, वही गंदगी के कारण कई तरह की बीमारी फैलती है जिसको देखते हुए वार्ड में साफसफाई कराई जा रही है। श्रीमती रजनी ने आगे कहा कि वर्तमान परिस्थिति बहुत ही खराब है अगर कुछ दिनों तक हम अपने पैरों को घर मे ही थाम लें तो इस संक्रमण से बहुत जल्द बचाव कर लेंगें। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए हमें कुछ हद तक अपनी जीवन शैली भी बदलनी होगी, और सामाजिक दूरी तो इस संक्रमण से बचाव के लिए बहुत जरूरी है।

पूर्ण जगत की रक्षा करने का सामर्थ्य राम नाम में है : राजेश्री महन्त

जांजगीर। नवरात्रि का पावन पर्व चल रहा है और पूरा विश्व महामारी के चपेट में है भारतवर्ष भी इससे अछूता नहीं है सभी काम धंधे बंद पड़े हैं आप सब अपने-अपने घरों में निवासरत हैं ऐसे समय में रामनवमी का महापर्व हम सबके सामने है क्यों न हम इस अवसर का सदुपयोग इस तरह से करें कि हमारा लोक और परलोक दोनों संवर जाए यह बातें प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से श्री दूधाधारी मठ पीठाधीश्वर राजेश्री डॉक्टर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने कही, उन्होंने कहा कि भारतवर्ष के इतिहास में शायद यह प्रथम नवरात्रि का पर्व होगा जिसमे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, गिरजाघर तथा सभी शासकीय, अशासकीय कार्यालय सब बंद पड़े हुए हैं नवरात्रि की चहल-पहल हम सब से कोषों दूर है और चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। हम सब एक महान अंतर्राष्ट्रीय आपदा से ग्रसित हैं ऐसे समय में हम सबको धीरज एवं साहस के साथ आगे बढ़ना है, इस बात का ध्यान रखें संपूर्ण जगत में राम नाम से बढ़कर महा औषधि कोई है ही नहीं इसका पान करके भगवान शंकर जी ने समुद्र से निकले हुए विष को भी अपने गले में धारण कर इस जगत की रक्षा की संपूर्ण विश्व आज वायरस (विषाणु) से त्रषित है हम सब को भी इससे बचने के लिए राम नाम का जप करना चाहिए इसके लिए रामनवमी से बढ़कर कोई भी पर्व नहीं है, इस दिन संपूर्ण ब्रह्मांड के नायक भगवान श्री रामचंद्र जी ने जगत के कल्याण के लिए मनुष्य का शरीर धारण कर जन्म लिया, आप सभी के जीवन में यह पहला नवरात्रि का पर्व होगा जिसमें आप मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे आदि से दूर होंगे, लेकिन कोई बात नहीं जहां पर हैं जैसे भी हैं परमात्मा का ध्यान वहीं पर रहते हुए करें, रामनवमी तो आपके जीवन में अनेकों बार आए हैं और आएंगे लेकिन इस तरह फुर्सत का क्षण मिल पाएगा या नहीं कहा नहीं जा सकता इसलिए समय का पूरा सदुपयोग करें।

महापौर ने किया वार्ड 14 में जरूरतमंदों को राशन किट का वितरण

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने टी.पी.नगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस के चिन्हाकित 08 ऐसे हितग्राही परिवार जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, राशन सामग्री भी नहीं है तथा राशन के लिए पैसे भी नहीं है, उन्हें राशन किट का वितरण किया एवं आश्वस्त किया कि वे किसी प्रकार की चिंता न करें, नगर निगम कोरबा उनके हर सुख-दुख में उनके साथ हैं। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण हेतु सम्पूर्ण देश में लाकडाउन किया गया है, लाकडाउन के दौरान आमनागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हों, इस दिशा में निगम द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में ऐसे गरीब परिवार जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, राशन भी नहीं है तथा राशन लेने के लिए पैसे भी नहीं है, उन्हें राशन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। आज महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस में चिन्हाकित 08 परिवारों को 05 किलो चावल, आधा किलो अरहर की दाल, 1 किलो आलू एवं मसाले के पैकेट युक्त राशन किट वितरित किया।

एनटीपीसी कर्मी कर रहे होम टू वर्क, जरूरत पड़ने पर बुला रहे

कोरबा। एनटीपीसी प्लांट में वायरस संक्रमण रोकने के लिए प्रबंधन ने काफी व्यापक प्रबंध किए हैं। नियमित कर्मियों के साथ ठेका कर्मियों को मास्क व सैनिटाइजर दिया गया है। इसके साथ ही जगह-जगह सैनिटाइजर की व्यवस्था की गई है। जनरल शिफ्ट में काम करने वाले अधिकांश कर्मियों को होम टू वर्क की अनुमति दी गई है। जरूरत पड़ने पर ही काम पर बुलाया जा रहा है। कॉलोनी परिसर को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मेन गेट से आवाजाही हो रही है, बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा हुआ है।

कोरोना वायरस को लेकर केंद्र व राज्य सरकार भीड़ कम करने की सलाह अवश्य दी है, पर बिजली उत्पादन करने के लिए प्लांट का संचालन जरूरी है, इसलिए विषम परिस्थिति में भी पावर प्लांट का संचालन किया जा रहा है। 2600 मेगावाट के एनटीपीसी प्लांट में भी अधिकारी-कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर सतत बिजली उत्पादन कर रहे हैं। संक्रमण से बचाव के लिए एनटीपीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों के लिए व्यापक उपाय किए हैं। सभी नियमित एवं ठेका कर्मियों को मास्क एवं सैनिटाइजर प्रदान किया गया। इसके साथ ही कर्मचारियों के कार्यस्थल, बैठने का स्थान, कार्यालय, लिफ्ट समेत सभी जगह सैनिटाइज किया जा रहा है। ड्यूटी जाने वाले कर्मियों को जांच कर प्लांट के अंदर प्रवेश दिया जा रहा है। कॉलोनी परिसर को भी पूरी तरह साफ-सुथरा रखते हुए बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाया गया है। स्थिति यह है कि एनटीपीसी कर्मचारी भी बिना जरूरी कार्य बाहर नहीं निकल रहे हैं।

कर्मियों को मिला मास्क व सैनिटाइजर

राष्ट्रीय ताप विद्युत कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष केपी चंद्रवंशी का कहना है कि प्लांट में कार्यरत नियमित तथा ठेका कर्मियों के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। लिफ्ट तक में भी सैनिटाइज किया जा रहा है। कर्मियों को मास्क व सैनिटाइजर दिया गया है। समय-समय पर कर्मियों को समझाइश दिया जा रहा है कि एक स्थान पर ज्यादा भीड़ न लगाए। प्लांट के अंदर शारीरिक दूरी बना कर काम करने कहा गया है। ठेका श्रमिक का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संभवतः यह पहली बार होगा, जब पूरे कॉलोनी परिसर को बंद किया गया है और इस दरम्यान किसी भी बाहरी व्यक्ति को न तो अंदर आने दिया जा रहा है और न ही बगैर किसी कार्य के किसी व्यक्ति बाहर जाने दिया जा रहा है।

फेरबदल 100 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार, 8 वेंटिलेटर की भी व्यवस्था, कोरोना से लड़ने जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

जिला अस्पताल कोविड-19 अस्पताल में तब्दील, एमसीएच में शिफ्ट

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। कोरोना वायरस से लड़ने जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और अलर्ट नज़र आ रहा हैं। स्वास्थ्य अमला भी होम आइसोलेशन में रखे गए मरीजों का समय-समय पर ध्यान रख रही हैं। वही शासन के निर्देशानुसार जिला अस्पताल को कोविड-19 अस्पताल में तब्दील कर दिया गया हैं। अब जिला अस्पताल को कोविड-19 अस्पताल के नाम से जाना जाएगा।

सिविल सर्जन आरके माली ने जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी संक्रमित मरीजों के पास होम आइसोलेशन की सुविधा नही है, उनके लिए 100 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। जिला अस्पताल को ही कोविड-19 अस्पताल में तब्दील किया गया हैं और जिला अस्पताल को बगल में ही लगे मातृ शिशु अस्पताल में शिफ्ट किया गया हैं। अब ओपीडी की भी सुविधा मातृ शिशु अस्पताल से ही जारी रहेगी। जिला अस्पताल को अब कोविड अस्पताल के नाम से जाना जाएगा। श्रीमाली ने आगे बताया कि इमरजेंसी वार्ड भी बनाया गया हैं। जहां 8 वेंटीलेटर लगाए गए हैं। कोरोना का संक्रमित या संदिग्ध मरीज यहां आते है तो उनके लिए अलग से बेड, चादर, कपड़े, तौलिए, साबुन सहित रोजमर्रा की सभी उपयोगी वस्तुओं की व्यवस्था अलग से की गई हैं। श्रीमाली ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार हर जिले में 100 बेड कोविड अस्पताल बनाया जाए। इसीलिये जिला अस्पताल को 100 बेड कोविड-19 अस्पताल बनाया गया हैं। जिसे लेकर हमारी तैयारी पूरी की जा चुकी हैं। जो भी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति आएंगे उनका उपचार इस कोविड-19 अस्पताल में किया जाएगा। साथ ही जिला अस्पताल में आने वाले मरीज जो सामान्य तौर पर जिला अस्पताल आते थे, उनके लिए मातृ शिशु अस्पताल में व्यवस्था की गई हैं। वर्तमान स्तिथि में ओपीडी हम यही से ही देख रहे हैं, भविष्य में जरूरत पड़ी तो ओपीडी मातृ शिशु अस्पताल में शिफ्ट करेंगे।

2719 लोग होम आइसोलेशन में- रात्रे

मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी बीएल रात्रे ने नवप्रदेश को जानकारी देते हुए बताया कि जिले में विदेश से आये 45 एवं बाहरी राज्यो से आये 2674 लोगों को होम आइसोलेशन (विशेष निगरानी) में रखा गया हैं। जिले में कुल 2719 लोग होम आइसोलेशन (विशेष निगरानी) में हैं। जिले में अब तलक कोरोना का पॉजिटिव मरीज नही पाया गया हैं। श्री रात्रे ने आगे बताया कि अधिकांश लोग 14 दिनों की निगरानी में रह चुके हैं। लेकिन शासन का निर्देश हैं कि उन सभी को अब 28 दिनों के होम आइसोलेशन में रखा जाए। इसके साथ ही जिले के सभी ब्लॉको में जो होम आइसोलेशन पर रखे गए व्यक्ति है। उनके आसपास के 50 घरों में भी पूछ परख के साथ जांच की जा रही हैं। अभी देखा जा रहा हैं कि कुछ लोग खांसी, सर्दी, बुखार आने पर या अन्य राज्य व विदेश से आने पर सूचना नही दे रहे हैं। उनकी भी जानकारी गंभीरता के साथ ली जा रही हैं। किसी भी प्रकार से कोई भी लक्षण किसी नही व्यक्ति में पाया जाता हैं तो उन्हें तत्काल कोविड-19 अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। होम आइसोलेशन में रखे गए व्यक्तियों के आसपास के 50 घरों में भी स्वास्थ्य कर्मचारी, मितानिन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सर्वे किया जा रहा हैं।

कोरोना वायरस के साथ आम के बागों पर भी देना होगा ध्यान

नई दिल्ली (वार्ता)। अप्रैल का महीना आदमी और आम दोनों के ही स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मनुष्य तो इन दिनों कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की समस्या से जूझ रहा है उधर आम के बागों में भी ध्यान देने की जरूरत है।

वैसे ही इस बार आम की फसल कम है लेकिन यदि ध्यान नहीं दिया गया तो रही सही फसल के भी नष्ट होने की संभावना बढ़ जाती है। इस बार लंबे समय तक सर्दी और असमय बारिश के कारण देर से आम के बौर कम संख्या में निकले और उन्हें कीट एवं व्याधियों के प्रकोप की कम समस्याएं झेलनी पड़ीं। अधिक बारिश और ठंड के कारण आम के बागों पर रोग का प्रकोप कम हुआ।

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) लखनऊ के निदेशक डॉ शैलेन्द्र राजन के अनुसार इस वर्ष जनवरी में हुई अत्यधिक सर्दी ने भुनगा कीट का वंश नाश किया तो लगातार वर्षा ने थ्रिप्स कीट को मिट्टी में ही मार दिया। जिसके परिणामस्वरूप यह दोनों कीट अभी तक अधिकांश बागों में कम दिखे। भुनगा तो फिर भी कहीं-कहीं है लेकिन थ्रिप्स अभी तक पिछले वर्ष की तरह कहीं नहीं दिखा। आम के बौर बहुत कम संख्या में निकले हैं इसलिए स्वाभाविक रूप से फसल कमजोर होगी। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ पी के शुक्ला ने बताया कि सहारनपुर में 19 मार्च तथा लखनऊ और बाराबंकी जिलों के बागों में 28 मार्च तक के निरीक्षण के आधार पर यह उपरोक्त

जानकारी दी जा रही है।

कोरोना महामारी के मद्देनजर लॉकडाउन के बाद भी यह बात संस्थान के व्हाट्सएप समूहों पर और मोबाइल पर आ रहे किसानों के संदेशों के आधार पर वर्तमान में भी लगभग यही स्थिति है। पिछले दो दिन में किसानों से प्राप्त संदेशों और फरवरी से अभी तक बागों के निरीक्षण के आधार पर स्पष्ट है कि इस वर्ष मिज कीट ने किसानों को परेशान किया। यह शुरू से ही बौर को क्षति करता रहा और अब नन्हें फलों को भी क्षति पहुंचा रहा है। इस कीट की फलों पर उपस्थिति की पहचान छोटे से काले धब्बे, जिसके बीचों बीच बारीक छेद हो, से की जाती है। इसका प्रबंधन क्विनाल्फोस 25 ई सी के दो मिलीलीटर या डाईमेथोएट 30 ई सी के दो मिलीलीटर प्रति लीटर के छिड़काव से किया जा सकता है।

अगर किसी बाग में भुनगा बढ़ रहा हो तो थायमेथोकजाम 25 डब्लूजी के एक ग्राम प्रति तीन लीटर पानी का छिड़काव किया जा सकता है। अधिक नमी होने की स्थिति में नन्हें फलों और नई पत्तियों पर एंथ्रेक्नोज़ रोग होने की संभावना बनी हुई है। इस पर नियंत्रण के लिए इस समय डाईफेनोकॉनाज़ोल पांच एस एल के 0.5 मिलीलीटर या कार्बेंडाज़िम 50 डब्लू पी के एक ग्राम प्रति लीटर का छिड़काव कीटनाशक के साथ मिलाकर कर सकते हैं।

10 से 12 दिन बाद सिंचाई जरूर करें

इस वर्ष लगातार हुई वर्षा के कारण अभी सिंचाई की अधिक जरूरत नहीं है लेकिन फलों की अच्छी वृद्धि के लिए अभी से 10 से 12 दिन बाद सिंचाई जरूर करें। नन्हें फलों को झड़ने से बचाने के लिए प्लानोफिक्स 4.5 प्रतिशत के 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी का भी छिड़काव कर सकते हैं। फलों की अच्छी वृद्धि के लिए एनपीके 19-19-19 के पांच ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण के 5 ग्राम प्रति लीटर का छिड़काव किया जा सकता है।

कीट और रोग नाशी के साथ उर्वरक न मिलाएं

ध्यान रखें कि कीट और रोग नाशी के साथ उर्वरक न मिलाएं। जिन किसानों ने परागण कीटों को बढ़ावा देने के लिए और थ्रिप्स कीट को मिट्टी से निकलने से रोकने के लिए अभी तक जुताई नहीं की है, वे 15 अप्रैल के बाद अगर जरूरी समझें तो खरपतवार नियंत्रण के लिए जुताई कर सकते हैं। अभी भी कई स्थानों पर खर्रा रोग के लिए तापमान अनुकूल है और यह विलंबित बौर को क्षति कर सकता है।

न्यूज गैलरी

हैप्टिक संचालित कोरोना वायरस चैटबॉट लॉन्च

नई दिल्ली (वार्ता)। केन्द्र सरकार ने कोरोनो वायरस से जुड़े सवालों के जवाब देने में मदद के लिए व्हाट्सएप पर एक चैटबॉट लॉन्च किया है। इस चैटबॉट को जियो हैप्टिक टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने विकसित और कार्यान्वित किया है। हैप्टिक ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के अलावा इस तरह की महामारी के संबंध में झूठी और भ्रामक जानकारी का प्रसार भी बढ़ जाता है।

शेयर बाजारों में भारी गिरावट

मुंबई (वार्ता)। देश के शेयर बाजार बुधवार को बिकवाली के दबाव में रहे। सेंसेक्स 500 और निफ्टी 150 अंक से अधिक नीचे खुले। कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स कल के बंद 29468.49 की तुलना में 29505.33 अंक पर नीचा खुला और बिकवाली के दबाव में आ गया और फिलहाल 28931.31 अंक पर 537.15 अंक नीचे है। निफ्टी 8435.25 अंक पर 162.50 अंक नीचे है।

मिलाप ने कोरोना से निपटने में की मदद हटाया शुल्क

नई दिल्ली (वार्ता)। दक्षिण एशिया के सबसे बड़े क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म मिलाप ने कोरोना वायरस कोविड-19 से निपटने में मदद की चाहत रखने वालों के लिए अपने फ्लेटफॉर्म को खोल दिया है। कंपनी ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि इस महामारी से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए एक पृथक पेज, मिलाप. ओआरजी कोविड19 लॉन्च किया गया है। इसके उद्देश्यों में बड़े शहरों की झुग्गियों में रहने वाले लोगों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने से लेकर डॉक्टरों उनके सामाजिक अभियानों के लिए प्रोटेक्टिव गियर उपलब्ध कराना, छोटे अस्पतालों में वैंटिलेटर आदि उपलब्ध कराना शामिल हैं।

यूनाइटेड, ओरिएंटल का पीएनबी में हुआ विलय

सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों के विलय के बाद अब केवल 4 बैंक

नई दिल्ली (ए.)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने बुधवार को कहा कि यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) की सभी शाखाओं ने उसकी शाखाओं के रूप में काम करना शुरू कर दिया है। यूबीआई और ओबीसी का पीएनबी में विलय एक अप्रैल से प्रभावी हो गया है। विलय के बाद जो बैंक सामने आया है, यह शाखाओं तथा कारोबार दोनों लिहाज से भारतीय स्टेट बैंक के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक है। आज सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों के विलय के बाद अब केवल 4 बैंक रह गए हैं।

पीएनबी की देश भर में 11 हजार से अधिक शाखाएं

पीएनबी ने एक बयान में कहा कि इस विलय से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तथा अगली पीढ़ी के बैंक का रास्ता प्रशस्त हुआ है। अब जमाकर्ताओं समेत सभी ग्राहकों को पीएनबी का ग्राहक माना जाएगा। बयान में बताया गया कि अब पीएनबी की देश भर में 11 हजार से अधिक शाखाएं, 13 हजार से अधिक एटीएम, एक लाख कर्मचारी और 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होगा।

क्या लोन पर ब्याज दरें समान रहेंगी

पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसएस मल्लकार्जुन राव ने कहा, ''भौगोलिक रूप से उपस्थिति में विस्तार से हमें अधिक दक्ष और प्रभावी तरीके से ग्राहकों की सेवा करने में मदद मिलेगी। बैंक ने विलय के बाद ग्राहकों की मदद के लिये सभी शाखाओं तथा कार्यालयों में बैंक साथी की नियुक्ति की है। बैंक ने अपना नया लोगो भी पेश किया है। मर्जर को लेकर बैंक के कर्जधारकों के दिमाग में कई सवाल हैं जैसे उनके लोन का क्या होगा? क्या लोन पर ब्याज दरें समान रहेंगी ? ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब PNB ने दिए हैं।

लोन दस्तावेज दोबारा जमा कराने की कोई जरूरत नहीं

विलय के बाद कर्जधारक को लोन के दस्तावेजों को दोबारा जमा कराना होगा या नहीं सवाल के जवाब में पीएनबी ने कहा है कि विलय के बाद लोन दस्तावेजों को दोबारा जमा कराने की कोई जरूरत नहीं होगी। वहीं विलय के बाद व्यक्ति द्वारा लिए गए लोन या लाइंस ऑफक्रेडिट के बारे में बैंक ने कहा है कि मौजूदा बैंक के साथ समझौते के मुताबिक नियम और शर्तें एकीकरण की तारीख तक जारी रहेंगी, उसके बाद नियम और शर्तों के साथ दरें भी विलय वाले बैंक के नियम और शर्तों के साथ जुड़ जाएंगी। उसके मुताबिक जानकारी व्यक्ति तक पहुंचा दी जाएगी। व्यक्ति PNB/OBC/UBI के पास जमा अपने कोलेटरल डॉक्यूमेंट्स को दोबारा लेने के बारे में बैंक कहता है कि इन तीन बैंकों के नाम से किसी भी बैंक के पास रखे टाइटल डीड या दूसरे दस्तावेज बिल्कुल सुरक्षित रहेंगे। विलय के बाद PNB इनका संरक्षक होगा और आप इन्हें लोन के खत्म होने के बाद बिका किसी परेशानी के प्राप्त कर सकेंगे। विलय के बाद व्यक्ति के ओवरड्राफ्ट (OD)/ कैश क्रेडिट (CC) का रिन्यूअल या वृद्धि अपनी सामान्य प्रक्रिया के मुताबिक ही होगा।

एयू बैंक ने कोरोना पीड़ितों के लिए किया 5 करोड़ रु. का योगदान

- पीएम केयर्स फंड में 2 करोड़ रु. का योगदान
- दिल्ली और महाराष्ट्र चीफ मिनिस्टर रीलिएफ़ फंड में 51-51 लाख रु. का योगदान
- राजस्थान सरकार को भीलवाड़ा में टेस्टिंग फैसिलिटी के लिए सहयोग

नई दिल्ली। एयू बैंक ने कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए 5 करोड़ रु. का योगदान किया है जिसमें 'प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष' के लिए 2 करोड़ रु. का योगदान; दिल्ली और महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर रीलिफ़ फण्ड में 51- 51 लाख रु. का योगदान और राजस्थान सरकार को भीलवाड़ा में टेस्टिंग फैसिलिटी के लिए सहयोग शामिल है। इसके अलावा कोविड-19 से निपटने के लिए एयू बैंक अपने विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों द्वारा 2 करोड़ रु. से अधिक की सहायता प्रदान कर रहा है।

पिछले दो हफ़्तों में एयू बैंक की सीएसआर टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों की ज़रुरतें समझकर वहाँ के लिए उपयुक्त प्रयास प्रारंभ किये हैं जिसमें शामिल हैं मुंबई और पुणे में मेडिकल फैसिलिटी की सुविधा और 11 राज्यों में फैले अपने ब्रांच नेटवर्क के द्वारा 25,000 ज़रूरतमंद परिवारों को राशन किट भेंट करना, इसके अलावा जयपुर, मुंबई आदि शहरों में एयू बैंक एक लाख ज़रुरतमंद लोगों को भोजन दे रहा है और अनेक फ्रंटलाइन वर्कर्स को मेडिकल किट भी भेंट कर रहा है जिसमें मास्क, ग्लोव, पर्सनल प्रोटेक्टिव एक्विपमेंट और सेनीटाईज़र शामिल हैं। एयू बैंक ने देश के कई शहरों में ज़िला प्रशासन के साथ मिलकर 35 सार्वजनिक आई.सी.ई. वाहन भी चला रखे हैं जो की उन क्षेत्रों में ज़रुरत का सामान बाँट रहे हैं। एयू बैंक ने दो ऑनलाइन डोनेशन कैंपेन भी शुरू किये हैं जिसमें बैंक के कर्मचारी लगातार योगदान कर रहे हैं। पीड़ितों की मदद के लिए किये जा रहे अपने प्रयासों के बारे में बात करते हुए बैंक के एम.डी. और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा, एक आवश्यक सेवा प्रदाता के रूप में एयू बैंक हमेशा भारत सरकार और देशवासियों के साथ खड़ा है।

एलएन मित्तल ने पीएम केयर्स में दिये 100 करोड़

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने में मदद के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये पीएम केयर्स फंड में उद्योगपति लक्ष्मी नारायण मित्तल की कंपनियों ने 100 करोड़ रुपये दान देने की घोषणा की है। श्री मित्तल ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि दुनिया के हर कोने में लोगों को कोविड-19 के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोई देश अछूता नहीं है और भारत जैसे देश, जहां इतनी बड़ी आबादी है और जो विकास के ऐसे संवेदनशील मुहाने पर खड़े हैं, उन पर प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है। ऐसे समय में समन्वय बहुत जरूरी है। सरकारों, कंपनियों और नागरिकों को अपने संसाधनों के प्रयोग के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जिससे इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में यथासंभव सुगमता से हर कदम उठाना सुनिश्चित हो सके।

अपने ड्राइवरों को ब्याज मुक्त ऋण देगा ओला

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के सबसे बड़े मोबिलिटी प्लेटफॉर्म ओला ने अनूठी पहल करते हुए 'सहयोग' नाम के ऋण की घोषणा की है, जोकि एक ब्याज-मुक्त सूक्ष्म-ऋण है और यह ड्राइवर पार्टनर्स तथा उनके परिवारों को उनके बैंक खातों में नगदी तक त्वरित पहुँच देगा।

ओला की यह अनूठी पेशकश खासतौर पर ओलाड्राइवर-पार्टनर्स के लिये बनायी गयी है और देश भर में करीब एक लाख ड्राइवर-पार्टनर्स तथा उनके परिवारों की त्वरित तरलता संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी। यह

कदम ड्राइवर समुदाय के कल्याण और आर्थिक उत्थान पर केन्द्रित ओला की कई पहलों के बाद उठाया गया है, क्योंकि ड्राइवर कोविड-19 की महामारी के कारण सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। यह पहल ओला द्वारा सीधे योग्य ड्राइवर पार्टनर्स के लिए लाई गई है और ओला फाउंडेशन के 'ड्राइव द ड्राइवर' फंड से अलग है जिसका उद्देश्य भारत में समूची ड्राइवर कम्युंनिटी को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना है, फिर चाहे वह किसी भी प्लेयटफॉर्म पर सेवायें देते हों।

इसके तहत सभी योग्य ड्राइवर-पार्टनर्स को प्रति सप्ताह 1200 रुपये तक का ऋण मिलेगा, जो तीन सप्ताह की अवधि में बांटा जाएगा। ड्राइवर-पार्टनर्स इस राशि का उपयोग अपने नियोजित घरेलू खर्चों या पुनर्भुगतान के लिये कर सकते हैं। यह ऋण इस प्लेटफॉर्म पर आय के एवज में होगा, जब तक व्यवसाय सामान्य न हो नहीं हो जाता है। यह सूक्ष्म-ऋण ओला के सभी ड्राइवर-पार्टनर्स के लिये है, चाहे वे किसी भी श्रेणी के हों, जैसे ओला ऑटो, ओला रेन्टल्स और आउटस्टेशन।

इस पहल के बारे में ओला के प्रवक्ता एवं संवाद प्रमुख आनंद सुब्रमण्यिन ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में हमारे ड्राइवर-पार्टनर्स और उनके परिवारों का वित्तीय स्वास्थ्य हमारे लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अभी घरेलू खर्चों के लिये त्वरित नगदी की आवश्यकता है, जो वर्तमान में जारी लॉकडाउन के कारण आय नहीं होने से वे प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं।

रेडिको खेतान ने अस्पतालों में सैनिटाइजर उपलब्ध कराया

नई दिल्ली (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी डिस्टलरी रेडिको खेतान ने कोरोनो वायरस के संक्रमण से निपटने में मददगार हैंड सैनिटाइजर की मांग को पूरा करने के लिए इसका उत्पादन शुरू करते हुये पहले बैच को स्वास्थ्य केन्द्रों और कई राज्यों के अस्पतालों को प्रदान कर दिया है। कंपनी ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि देश में कोरोना वायरस के प्रसार ने हैंड सेनिटाइज़र की मांग में जबरदस्त तेजी ला दी है जिसके कारण बाजार में इसकी कमी हो गई। स्थिति से निपटने के लिए रेडिको खेतान ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में कंपनी की प्रमुख डिस्टलरी में और अन्य विभिन्न बॉटलिंग प्लांटों में एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) के उपयोग का विस्तार करने का फैसला करते हुये इसका उत्पादन शुरू किया है। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी अमर सिन्हा ने कहा कि उनकी कंपनी को पिछले हफ्ते ही लाइसेंस मिल गया था और इसके तुरंत बाद उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल अधिकारियों और सरकारी अस्पतालों में उत्पादन और वितरण शुरू कर दिया।

आज का भविष्यफल

मेष : आज चतुर्थ सुख भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। रात्रि 09 बजे तक कोई खास डील निश्चित होने की संभावना है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है।

वृषभ : आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है।

मिथुन : आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी रचनात्मक और कलात्मक काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने को मिलेगा।

कर्क : आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा।

सिंह : आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म आध्यात्म के मामले पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कन्या : आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।

वृश्चिक : माली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनन्द उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा।

धनु : आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठायें तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं।

मकर : आज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है।

कुंभ : आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा।

मीन : आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है।

सू- दोकू क्र.079

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -079

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग से गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीड़ा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

रायपुर कहीं केरल न बन जाए, शराब के लिए चोरी और मौतें बढ़ी

टूट रहा दुकानों का ताला, मुंहमांगे दाम पर कोचिये बेच रहे बोतल

■ 700 की बोतल 2500 से 3000 में बेच रहे

■ लॉकडाउन में सिगरेट-शराब के शौकीन त्रस्त

सुकांत राजपूत

रायपुर। राजधानी में शराब दुकानों का ताला टूटने लगा है वहीं शराब नहीं मिलने से मौत की खबर आने के बाद सवाल उठने लगे है। यहां केरल जैसे हालात न बन जाएं, क्योंकि शराब दुकान बंद है, ऐसे में कोचिये 700 रुपए के शराब बोतल को तीन हजार तक में बेच रहे है।

पिछले 10 दिनों से अधिक का समय बीत चुका है, जब शराब दुकानों पर ताला मार दिया गया है। शराब दुकानें बंद होने पर कई दुकानों में सेंधमारी भी हो रही है। यहां दो दुकानों से शराब और बियर की बोतल बड़े पैमाने पर चोरी हुई है। इधर केरल में लोग शराब नहीं मिलने से आत्महत्या कर रहे है। अगर शराब दुकान नहीं खोली गई तो यहां पर भी हालात कुछ ऐसे ही देखने को मिल सकते है। शराब नहीं मिलने से मौतों का सिलसिला शुरू हो गया है। गौर करने वाली ये बात है कि गरीब आदमी शराब पीने का आदी हो गया है, वह अधिक कीमत में शराब खरीदकर पी रहा है। शासन को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। वरना युवा अन्य प्रकार के नशे जैसे गांजा, चरस और स्प्रिट जैसे नशे का सेवन करेंगे।

800 की बोतल 2500 में बेच रहे

कर्फ्यू के समय कोचिये घर-घर में बोतल स्टॉक कर रखे है। बंद के दौरान खूब ओवर रेट में कोचिये शराब बेच रहे है। 800 रुपये की बोतल को 2500 से तीन हजार रुपये में बेचा जा रहा है। इन पर कोई भी लगाम नहीं है। न पुलिस कार्यवाही कर रही, न ही आबकारी अमला कार्यवाही कर रहा है।

दूसरे राज्यों की शराब खपा रहे

शराब माफिया छत्तीसगढ़ में दूसरे राज्यों की भी शराब खपा रहे है। हाल ही में टिकरापारा थाने में बड़े पैमाने में शराब पकड़ी गई है। हरियाणा समेत मध्यप्रदेश की शराब छत्तीसगढ़ में लाकर खपाई जा रही है। इनकी चैन को भी कोई नहीं पकड़ पा रहा है। बॉर्डर में भी चेकिंग खानापूर्ति के लिए हो रही है।

इधर 7 दिन और बंद का आदेश

केरल में शराब नहीं मिलने से मौत की खबर आई है। वहां सभी दुकानें बंद है। प्रदेश में पहले 31 मार्च तक दुकानें बंद रखने का आदेश दिया गया। फिर दुकान बंद रखने की समय अवधि बढ़ा दी गई है। अब दुकानें 7 अप्रैल तक बंद रहेगी। ऐसे में यहाँ केरल जैसी स्थिति न बन जाएं, सरकार को इसके लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

शराब के शौक में मौत को लगा लिया गले

■ नशे की लत में पी स्प्रिट, दो युवकों की मौत

■ पुलिस ने कहा पीएम से स्पष्ट होगी वजह

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना के कारण शराबबंदी के चलते पीने वालों की शामत आ गई है। जो जानकारी आई है, उसके मुताबिक राजधानी में बांसटाल के कुछ युवकों ने आपस में पीने का प्रोग्राम बनाया, लेकिन वे स्प्रिट को ही शराब के समकक्ष समझ बैठे। सवाल यह है कि लाकडाउन के बीच उन्हे स्प्रिट मिला कहां से? तीन में से दो युवक की मौत हो गई और तीसरा गंभीर हालत में अस्पताल में दाखिल है। मोहल्ले के लोगों को खबर लगी तो कोहराम मच गया। पीएम नहीं हुआ है इसलिए पुलिस अधिकृत तौर पर मौत का कारण तय नहीं कर पा रही है। घटना राजधानी के गोलबाजार थाना क्षेत्र का है। महापौर का वार्ड होने से लोगों ने उन्हे तत्काल सूचना दी वे पहुंचे भी।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक बांसटाल इलाके में तीन युवकों ने देर रात पार्टी की, पार्टी के लिए इन्हें शराब नहीं मिली तो तीनों स्प्रिट की बोतल लेकर ही पार्टी मनाने बैठ गये। पीते ही इनकी स्थिति बेहद गंभीर हो गयी। एक की मौत अस्पताल ले जाने से पहले और दूसरे की अस्पताल पहुंचते हो गई। तीसरे की हालत गंभीर है। घटना पर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं इसलिए पुष्ट तौर पर कुछ नहीं कहेंगे। पीएम के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है।

सीएम भूपेश ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और लोगों की सहायता के लिए व्यक्त किया आभार

■ राज्य सरकार द्वारा दूसरे राज्यों के नागरिकों के लिए छत्तीसगढ़ में की गई व्यवस्थाओं की दी जानकारी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर जम्मू कश्मीर में लॉकडाउन के कारण फंसे छत्तीसगढ़ के एक हजार मजदूरों की सहायता के लिए त्वरित अमल शुरू हो गया है। इन मजदूरों को आज राशन सामग्री और अन्य जरूरी सामान का वितरण शुरू हो गया है।

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और अन्य लोगों की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया है।

बघेल ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रेषित पत्र में कहा है कि मेरी जानकारी में लाया गया है कि आपके राज्य में फंसे हुए छत्तीसगढ़ के मजदूरों एवं अन्य नागरिकों हेतु संबंधित जिला प्रशासन द्वारा तत्परता से सहायता उपलब्ध कराई गई है। आपकी सरकार के उक्त सराहनीय कार्य के लिए आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूॅ। मैं आशा करता हूॅ कि आपके कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य के श्रमिकों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नही होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार के द्वारा भी प्रदेश के सभी नागरिकों सहित अन्य राज्यों के प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा, उचित रहवास एवं भोजन व्यवस्था हेतु प्रभावी कदम उठाया गया है। आमजन को स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए राज्य की राजधानी सहित सभी जिला मुख्यालयों में कंट्रोल रूम की स्थापना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत गरीब परिवारों को अप्रैल एवं मई माह का एकमुश्त निःशुक्ल चावल वितरण, आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता हेतु खाद्य एवं परिवहन विभाग द्वारा 24 घंटे मॉनिटरिंग, हर ग्राम पंचायत में जरूरतमंद लोगों के लिए दो क्विंटल चावल की व्यवस्था, निराश्रित तथा सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस से उत्पन्न राष्ट्रीय आपदा में प्रभावित संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं एवं आपके राज्य में फंसे हुए छत्तीसगढ़ के मजदूरों एवं अन्य प्रवासी मजदूरों के ठहरने, भोजन व्यवस्था इत्यादि की व्यवस्था तथा आपके राज्य सरकार से आवश्यक समन्वय करने हेतु सोनमणि बोरा, श्रम सचिव को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्प लाइन नम्बर जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से बचाव के उपायों के तहत प्रदेश में लॉकडाउन किया गया है। ऐसी स्थिति में राज्य के कृषकों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि विकास एवं किसान कल्याण जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हेल्प लाइन नम्बर जारी किया गया है। जारी आदेश मे कहा गया है कि किसानों को आवश्यक सामग्री की उपलब्धता में किसी प्रकार परेशानी का सामना न करना पडे इसके लिए राज्य के सभी जिलों में हेल्प लाइन नम्बर जारी किया गया है। राजधानी रायपुर का हेल्प लाइन नम्बर 1800-233-1850 एवं टोल फ्री नम्बर 0771-2445785, बलौदाबाजार 07727-222054, गरियाबंद 07706-241288, महासमुन्द 07723-223305, धमतरी 07722-232458, दुर्ग 0788-2323755, बालोद 07749-223950, बेमेतरा 07824-222103, राजनांदगांव 07744-224109, कबीरधाम 07741-232609, बिलासपुर 07752-250084, मुंगेली 07755-264180, जांजगीर-चांपा 07817-222215, रायगढ़ 07762-223750, कोरबा 07759-221096 है।

एम्स में आज से शुरू होंगी दस विभागों के लिए टेलीमेडिसिन सेवाएं

■ पुराने रोगी और गंभीर स्थिति वाले रोगी कर सकेंगे संपर्क

■ नई सुविधा से विभिन्न प्रदेशों के हजारों रोगियों को मिलेगी राहत

■ दो पालियों में देंगे लॉकडाउन के दौरान विशेषज्ञ सलाह

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दो अप्रैल से टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रारंभ की जा रही हैं। इसके अंतर्गत दस विभागों के चिकित्सक मोबाइल फोन के माध्यम से वीडियो कॉल, वाइस कॉल और चेटिंग पर उपलब्ध रहेंगे। एम्स के पुराने रोगी जिनका इलाज चल रहा है और गंभीर रोगी दिए गए नंबरों पर कॉल कर विशेषज्ञ सलाह ले सकेंगे। नई सेवा से विभिन्न प्रदेशों में स्थित एम्स के रोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

एम्स ने लॉकडाउन शुरू होने के बाद 37 विभागों में ओपीडी सेवाएं एहतियातन बंद कर दी थी। इनमें प्रतिदिन औसतन 2000 रोगी आते थे। इन रोगियों को राहत देने के लिए टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। एम्स रायपुर के निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि एम्स दो अप्रैल से टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रारंभ करने जा रहा है। पहली पाली में प्रातः 9.30 से 11.30 बजे तक दंत, ईएनटी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी और गाइनी एंड ऑब्सट्रेटिक्स के चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे। दूसरी पाली में प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक बाल रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग और त्वचा रोग के चिकित्सक उपलब्ध होंगे। लॉकडाउन की वजह से मानसिक परेशानियों के चलते राय देने के लिए मनोचिकित्सा के लिए विशेषज्ञ प्रातः नौ बजे से शाम पांच बजे तक उपलब्ध होंगे। इस दौरान रोगी मोबाइल के माध्यम से इनसे राय ले सकते हैं।

एम्स ने कोरोना वायरस संबंधी परेशानियों और जिज्ञासाओं के लिए दो अलग हेल्प लाइन स्थापित की हैं। प्रो. नागरकर का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से विभिन्न स्थानों से रोगी एम्स तक नहीं पहुंच पा रहे हैं ऐसे में नई सुविधा से उन्हें काफी राहत मिल सकती है। उन्हें अपना इलाज जारी रखने के लिए विशेषज्ञ उपयोगी सलाह दे सकते हैं।

नई सुविधा के लिए एम्स की ई-लाइब्रेरी में दस विभागों के चिकित्सकों के लिए अलग कनेक्टिविटी और रोगियों का डेटा उपलब्ध कराया गया है जिससे आसानी के साथ चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जा सके। इसके लिए बुधवार को सभी तैयारियां पूरी कर ली गई। टेलीमेडिसिन ओपीडी सेवाएं सोमवार से शनिवार के बीच उपलब्ध होंगी।

पहली पाली-प्रातः 9.30 से 11.30 बजे तकः जनरल मेडिसिन- 7647079632, जनरल सर्जरी - 7647079633, गायनीकोलॉजी एंड आब्सट्रेटिक्स - 7647079634, ईएनटी- 7647079635, दंत रोग - 7647079636 और दूसरी पाली-प्रातः 11.30 से दोपहर 1.30 बजे तकः बाल रोग- 7647079637, नेत्र रोग- 7647079639, हड्डी रोग- 7647079640, त्वचा रोग- 7647079641 मोबाइल नंबर में संपर्क कर सकते हैं। मनोचिकित्सा (प्रातः 09.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक)- 9981992903 कोरोना वायरस हेल्प लाइन (प्रातः 9.30 से दोपहर 1.30 तक)- 7647079642, 7647079643।

दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

जनहित में पहल

कोरोना वायरस
COVID-19
104

जागरूक रहें
जागरूक करें

वायरस को फैलने से कैसे रोकें

- हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोए या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें
- खांसते और छींकते वक्त डिस्पोजेबल टिशू का इस्तेमाल करें
- इस्तेमाल किए गए टिशूज को फेंक दें (इसके बाद हाथ धो लें)
- टिशू नहीं है तो छींकते और खांसते वक्त अपने बाजू का इस्तेमाल करें
- बिना हाथ धोए अपनी आंखों, नाक और मुंह को न छूएं
- जो बीमार है उनके संकर्प में न आने की पूरी कोशिश करें

जागरूक रहें, जागरूक करें

विभिन्न जिलों के कंट्रोल रुम के हेल्प लाइन नंबर

रायपुर - 100, 07714287199, 9479191099, पुलिस कंट्रोल रुम-101, फायर सर्विस- 112

कोण्डागांव	- 07786242180
जशपुर	- 07763223281
कबीरधाम	- 07741-232609
कांकेर	- 07868-224610, 09165050224
दंतेवाड़ा	- 07856-252412, 9479150879
कोरिया	- 07836232330, 9406045758
कोरबा	- 07759-228548
मुंगेली	- 09111420188
बालोद	- 07749223950, 07828200007
बिलासपुर	- 07752-251000
बीजापुर	- 07853220023
धमतरी	- 07722-238479, 07722-237779
बेमेतरा	- 07824222150
दुर्ग	- 0788-2210773
जांजगीर	- 07817222123
नारायणपुर	- 07781252245, 07587399311
सूरजपुर	- 09111033446, 09301250252
बलौदाबाजार- भाटापारा	- 07727-223697
सरगुजा	- 093402-67340, 089899-36378
गरियाबंद	- 07706-241288, 062671-88110
सुकमा	- 07864284012
राजनांदगांव	- 7000210932
बस्तर	- 0778-223122
रायगढ़	- 07762-223750
गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही	-9479190097
बलरामपुर-रामानुजगंज	-07831-273012, -07831-273177
महासमुंद	-6267770531

देश सहित राज्य की खबरों के लिए क्लिक करें
www.navpradesh.com